जबलपुर
रविवार, 17 मई 2026
ज्येष्ठ मास 'शुक्ल पक्ष' -15
वर्ष : 21, अंक : 17
पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 42
न्यून. 29

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

13 करो या मरो की जंग में आमने....

आजकल
8 खत्म हो रहा क्षेत्रीय दलों का वर्चस्व!

मप्र हाईकोर्ट ने लाइव वीडियो स्ट्रीमिंग के लिए कोर्टरूम लाइव ऑडियो-विजुअल स्ट्रीमिंग सिस्टम क्लास व डिजिटल डेटा मैनेजमेंट सिस्टम 'प्रथम' किया लॉन्च

समारोह का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया

भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत का बड़ा बयान

न्यायपालिका को अस्पतालों की तरह 24X7 कार्य करना होगा

- न्याय व्यवस्था के डिजिटली सशक्त होने से आम नागरिकों को मिलेगा त्वरित न्याय: मुख्यमंत्री डॉ. यादव
- ईज आॅफ लिविंग और ईज ऑफ जस्टिस की ओर तेजी से बढ़ रहा है मप्र: केंद्रीय राज्यमंत्री अर्जुन मेघवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबलपुर/भोपाल

भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि नई तकनीक की धाराओं के माध्यम से कोर्ट, पुलिस, प्रिजन, फॉरेंसिक और मेडिको लीगल की शाखाएं यूनाइटेड डिजिटल प्लेटफॉर्म में एकाकार होते हुए न्याय पाने में आमजन के लिए सहायक सिद्ध होंगी। लोगों को त्वरित रूप से न्याय देने के लिए न्यायपालिका को अस्पतालों की तरह 24X7 कार्य करना होगा। मप्र उच्च न्यायालय ने डिजिटल सेवाओं का विकास कर न्याय प्रक्रिया को तेज और सरल बनाया है। अब उच्च न्यायालय के डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के जरिए समय पर बंदियों को मुक्त करने, अर्जेंट हियरिंग, कोर्ट ऑर्डर के डिजिटलीकरण जैसी अनेक सुविधाएं मिलेंगी।

सीजेआई डिजिटल प्लेटफार्म का रिमोट से शुभारंभ करते हुए

तकनीक का समन्वय न्याय व्यवस्था को और अधिक विश्वसनीय बनाएगा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि न्याय व्यवस्था के डिजिटली सशक्त होने से प्रक्रियाएं पारदर्शी होंगी, जिसका सीधा परिणाम आम नागरिक को त्वरित न्याय मिलने के रूप में सामने आएगा। तकनीक का यह समन्वय हमारी न्याय व्यवस्था को और अधिक विश्वसनीय बनाएगा। वर्तमान समय तकनीक और नवाचार का है। केंद्रीय विधि एवं कानून राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि देश की न्याय व्यवस्था में यह दिन ऐतिहासिक है। मप्र सिंहासन बत्तीसी की धरती है, सम्राट विक्रमादित्य का सिंहासन धरती में दबकर भी न्याय करता था। मप्र ईज ऑफ लिविंग और ईज ऑफ जस्टिस की ओर तेजी से बढ़ रहा है। मप्र सीसीटीएनएस और मूक-बधिरों के लिए एप्लीकेशन की शुरुआत करने वाला नवाचारी राज्य है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल न. 1155 | airtel चैनल न. 366

IPL आज का मुकाबला
पीबीकेएस - आरसीबी
दोपहर 3.30 बजे से
डीसी - आरआर
शाम 7.30 बजे से

खबर संक्षेप

अप्रैल में बेरोजगारी दर छह महीने के उच्चतम स्तर पर

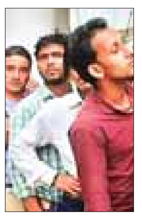

नई दिल्ली। देश में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों की बेरोजगारी दर अप्रैल 2026 में बढ़कर 5.2 फीसदी पर पहुंच गई है, जो पिछले छह महीनों का सबसे ऊंचा स्तर है। मार्च में यह आंकड़ा 5.1 फीसदी था। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के मुताबिक, जहां ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी 4.3% से बढ़कर 4.6% हो गई है। वहीं शहरी क्षेत्रों में मामूली सुधार देखा गया और यह 6.8% से घटकर 6.6% रह गई।

बस में लगी आग, 4 साल का मासूम जिंदा जला

शाजापुर। इंदौर से ग्वालियर आ रही इंटरसिटी ट्रेवल्स की एसी स्लीपर वॉल्वो बस में नेशनल हाईवे-52 पर स्थित एक होटल के पास अचानक भीषण आग लग गई। इस दर्दनाक हादसे में 4 साल के मासूम अनय की जिंदा जलकर मौत हो गई। हादसा उस वक्त हुआ जब बस चाय-नाश्ते के लिए रुकी थी। बस में 36 यात्री सवार थे।

आग भड़कते ही यात्रियों में चीख-पुकार मच गई और लोगों ने कांच तोड़कर जैसे-तैसे 22 यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। बच्चे की मां उसे बचाने के लिए चीखती रही, लेकिन आग इतनी तेजी से फैली कि मासूम अंदर ही छूट गया।

इंदौर की प्लास्टिक फैक्ट्री में भीषण आग

इंदौर। धार रोड स्थित प्लास्टिक दाना बनाने वाली फैक्ट्री डीयू ड्रॉप एरिगेशन में शनिवार सुबह करीब 7 बजे भीषण आग लग गई। आग इतनी विकराल थी कि उसका काला धुआं कई किमी दूर से दिखाई दिया। आसपास के क्षेत्र को खाली कराया गया है ताकि किसी तरह की जनहानि न हो। आग पर काबू पाने के लिए दमकल विभाग की 7 गाड़ियां और 45 से अधिक पानी के टैंकर जुटे रहे।

पीएम मोदी भारतीय समुदाय का अभिवादन करते हुए

'द हेग' में भारतीय प्रवासी समुदाय को किया संबोधित

पीएम मोदी ने चेताया- पहले कोरोना, फिर युद्ध, अब ऊर्जा संकट

ये आपदाओं का दशक, हालात अच्छे न हुए तो खत्म हो सकता 'सब कुछ'

एजेंसी ▶▶ हेग (नीदरलैंड)

पीएम ने कहा- जैसे भारत कमल के लिए प्रसिद्ध है, वैसे ही नीदरलैंड ट्यूलिप के लिए। दोनों ही हमें सिखाते हैं कि जड़ें चाहे पानी में हों या धरती में, सुंदरता और शक्ति दोनों ही प्राप्त होती हैं

द हेग में भारतीय प्रवासी समुदाय को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र ने कहा कि दुनिया इस समय कई चुनौतियों का सामना कर रही है। पहले कोरोना आया, फिर युद्ध होने शुरू हो गए और अब ऊर्जा संकट है। ये दशक दुनिया के लिए आपदाओं का दशक बन रहा है। अगर यह स्थिति जल्द नहीं बदली, तो बीते दशकों की उपलब्धियां खत्म हो सकती है। दुनिया की आबादी का एक बड़ा हिस्सा फिर से गरीबी के जाल में फंस सकता है। ऐसे दौर में भारत नवाचार, आर्थिक विकास और वैश्विक सहयोग की एक अहम ताकत बनकर उभर रहा है। उन्होंने कहा, भारत अवसरों की धरती है, जो तकनीक और मानवता दोनों से प्रेरित है। भारत और नीदरलैंड ऊर्जा सुरक्षा और जल सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में लगातार सहयोग बढ़ा रहे हैं।

ऐसे दौर में भारत नवाचार आर्थिक विकास और वैश्विक सहयोग की एक अहम ताकत बनकर उभर रहा

- **भारत अवसरों की धरती है, जो तकनीक और मानवता दोनों से प्रेरित**
- **नीदरलैंड में लगभग दो लाख सूरीनामी-हिंदुस्तानी समुदाय के लोग रहते हैं**

ये है भारत की ताकत

1. भारत ने धरती से चंद्रमा की दूरी जितनी है, उससे भी 11 गुना अधिक ऑप्टिकल फाइबर बिछाया
2. आज भारत दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल मैन्युफैक्चरर
3. आज का भारत इनोवेशन पावर, हमारे डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर की चर्चा पूरी दुनिया में

नीदरलैंड हो सकता है भारतीयों के लिए प्रवेश द्वार

प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रस्तावित भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) दोनों पक्षों के संबंधों को और मजबूत करेगा। उन्होंने कहा, नीदरलैंड उन भारतीय व्यवसायों के लिए एक स्वाभाविक प्रवेश द्वार बन सकता है जो यूरोप में विस्तार करना चाहते हैं।

विकसित भारत यात्रा में दें योगदान

मोदी ने प्रवासी भारतीयों से 'विकसित भारत 2047' के संकल्प में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। नीदरलैंड में बसे भारतीय मूल के लोग दोनों देशों के बीच मित्रता के जीवंत सेतु के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने डच समाज में भारतीय समुदाय के योगदान की सराहना की।

देवास पटाखा फैक्ट्री विस्फोट

सीएम ने लिया सख्त एक्शन

एसडीएम-नायब तहसीलदार एसडीओपी निलंबित किए गए

सीएम ने कहा हादसे के किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

फाइल फोटो

देवास जिले के पटाखा फैक्ट्री हादसे में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सख्त एक्शन लिया है। उन्होंने एसडीएम संजीव सक्सेना, नायब तहसीलदार रवि शर्मा और एसडीओ (पुलिस) दीपा मांडवे को निलंबित कर दिया है। निलंबन की अवधि में सक्सेना और शर्मा को देवास कलेक्टर कार्यालय अटैच किया गया है। जबकि, दीपा को भोपाल स्थित पुलिस मुख्यालय भेजा गया है।

न्यायिक जांच आयोग भी बनाया

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मृतकों के परिजनों के लिए 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता की घोषणा भी की थी। राज्य शासन ने एकल सदस्य उच्च न्यायालय के मान सेवानिवृत्त न्यायाधीश द्वारा न्यायिक जांच आयोग के गठन की अधिसूचना जारी की है ।

नीट पेपर लीक केस में बड़ी गिरफ्तारी

एनटीए की एक्सपर्ट टीचर ने ही लीक किया बायोलॉजी का पेपर

- सीबीआई ने लेक्चरर को किया गिरफ्तार
- प्रश्नपत्र बनाने वाली समिति की थी सदस्य

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मनीषा मंडारे

नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट-अंडरग्रेजुएट 2026 (नीटी-यूजी 2026) पेपर लीक मामले में सीबीआई के हाथ एक और बड़ी सफलता लगी है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने पुणे की सीनियर बॉटनी टीचर मनीषा गुरुनाथ मंडारे को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। मनीषा को नीट-यूजी 2026 के बायोलॉजी पेपर लीक की कथित मास्टरमाइंड बताया जा रहा है।

सीबीएसई का बड़ा फैसला

9वीं और 10वीं में अब 3 भाषाएं पढ़ना अनिवार्य

तीसरी भाषा की नहीं होगी बोर्ड परीक्षा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

फाइल फोटो

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 से कक्षा 9वीं और 10वीं के छात्रों के लिए तीन-भाषा नियम लागू करने की घोषणा की है। इस नए नियम के तहत अब विद्यार्थियों को तीन भाषाएं पढ़नी होंगी, जिनमें से कम से कम दो भारतीय भाषाओं का होना अनिवार्य होगा। बोर्ड ने इस संबंध में सभी संबद्ध स्कूलों को दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं और अब भाषा की पढ़ाई एनसीईआरटी के नए पाठ्यक्रम के आधार पर कराई जाएगी। छात्रों के पास विदेशी भाषा चुनने का विकल्प रहेगा।

राजनीति का एक 'दिलचस्प संवाद'

दिग्विजय बोले- मैं 'घोर सनातनी' हूं, उषा: सनातनी हैं तो मानते क्यों नहीं?

भोजशाला पर पूर्व सीएम ने कहा-पूरे फैसले की गहराई से जांच जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

दिग्विजय सिंह व उषा ठाकुर

मैं घोषणा करता आया हूं और फिर कह रहा हूं कि मैं घोर सनातन धर्म का मानने वाला हूं। मेरे कहने के बाद ही आपने सनातन धर्म को स्वीकार किया, पहले आप लोग सिर्फ हिंदू-हिंदू धर्म करती थीं। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने शुक्रवार देर रात पूर्व मंत्री उषा ठाकुर से मुलाकात में यह बात कही। भोजशाला फैसले के बाद वे इंदौर पहुंचे थे। दिग्विजय सिंह ने कहा, मैं जितना सनातनी हूं... क्या तुमने कभी नर्मदा परिक्रमा की है? क्या तुम एकादशी का व्रत करती हो? इस पर ठाकुर ने कहा- आप व्यक्तिगत रूप से तो पक्के सनातनी हैं, लेकिन सार्वजनिक रूप से इसे स्वीकार नहीं करते। दिग्विजय सिंह ने कहा- मैं सार्वजनिक रूप से ही तो कह रहा हूं, अब और कैसे सार्वजनिक करूं? मैं सही सनातनी हूं। मैंने नर्मदा परिक्रमा की है।

एएसआई की रिपोर्ट में कई दावों का जिक्र नहीं

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने भोजशाला फैसले पर कहा था कि फैसले का अध्ययन किया जाएगा और देश के नियमों व प्रचलनों के अनुसार आगे कदम उठने चाहिए। जामिया मस्जिद, बनारस और अन्य तीन मामले पहले से सुप्रीम कोर्ट में लंबित हैं। भोजशाला एएसआई प्रोटेक्टेड साइट है, इसलिए वहां पूजा-अनुष्ठान की अनुमति का अंतिम निर्णय सुप्रीम कोर्ट ही करेगा। दिग्विजय सिंह ने कहा कि एएसआई की रिपोर्ट में कई दावों का जिक्र नहीं है, इसलिए पूरे फैसले की गहराई से जांच जरूरी है। उन्होंने कहा कि सामाजिक सौहार्द के संकट के समय सिर्फ एक समुदाय को निशाना बनाना उचित नहीं।

भोजशाला में गूंजे हनुमान चालीसा के स्वर

हाईकोर्ट के आदेश के बाद पहली बार पूजा

धार। मप्र हाईकोर्ट की इंदौर बेंच द्वारा धार स्थित ऐतिहासिक भोजशाला परिसर को देवी सरस्वती का मंदिर घोषित करने के बाद शनिवार को पहली बार वहां विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। सुबह भोज उत्सव समिति के पदाधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु भोजशाला परिसर पहुंचे और पूरे धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ आराधना की।

नौगांव में पारा 44.2 डिग्री, एक दर्जन जिलों में आंधी- बारिश, आज कुछ जिलों में चलेगी लू

26 से 30 मई के बीच केरल में होगा सक्रिय

15 जून के बाद कभी भी प्रदेश में मानसून की एंट्री, भोपाल में 20 से 22 जून तक आगमन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेशभर में भीषण गर्मी और लू के बीच राहत की खबर है। इस साल दक्षिण पश्चिम मानसून अपने निर्धारित समय से करीब 6 दिन पहले सक्रिय हो रहा है। 26 से 30 मई के बीच मानसून केरल में सक्रिय होगा। इसके करीब 15 दिन बाद प्रदेश में एंट्री होने की उम्मीद है।

आमतौर पर एक से दो जून के आसपास केरल में मानूसन सक्रिय होता है। इससे पूरी संभावना है कि 15 से 18 जून के बीच प्रदेश में मानसून की आमद होगी। वहीं, भोपाल में यह 20 से 22 जून के आसपास हो सकता है।

खंडवा व नौगांव 44 डिग्री पर

शनिवार को प्रदेश में सबसे गर्म रहे नौगांव में पारा 44.2 डिग्री रहा। खंडवा में 44.1 डिग्री दर्ज हुआ। भोपाल में दशमलव 4 डिग्री गिरकर 42.4 डिग्री रहा। यहां रात का पारा 2 डिग्री की कमी के साथ 27.8 डिग्री रहा है। अधिकांश जिलों में दिन का तापमान 42 से 43 डिग्री के बीच रहने से कहीं भी लू का असर नहीं रहा, लेकिन भीषण गर्मी और लपट का अहसास रहा है।

सुबह से शाम तक पड़ी बौछारें

शनिवार सुबह से शाम के बीच कुछ जिलों में आंधी- बारिश का दौर रहा। इनमें प्रमुख रूप से उमरिया, डिंडोरी, मंडला, सिवनी, रीवा, मऊगंज, सागर, दमोह, छतरपुर, पन्ना, सतना, सीधी, सिंगरौली, शहडोल, जबलपुर, कटनी और मैहर में कुछ जगह आंधी और कुछ जगह आंधी के साथ बारिश दर्ज की गई।

मेरी टिप्पणी को तोड़-मरोड़ कर मीडिया में पेश किया गया, मुझे देश के युवाओं पर गर्व, देशभर का हर युवा मुझे प्रेरित कर रहा

सीजेआई की टिप्पणी पर बढ़ा विवाद तो सफाई पेश की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सीजेआई सूर्यकांत की शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में की गई एक टिप्पणी पर विवाद खड़ा हो गया। इसके बाद सीजेआई ने इस मुद्दे पर अपनी सफाई दी है। मुख्य न्यायाधीश ने युवाओं के बारे में अपने बयान पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि मीडिया के एक वर्ग ने इसे गलत तरीके से पेश किया था। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया ने कोर्ट में कहा था कि कुछ बेरोजगार युवा मीडिया, सोशल मीडिया यूजर्स, आरटीआई कार्यकर्ता और अन्य कार्यकर्ता कॉकरोच की तरह बन जाते हैं और फिर व्यवस्था पर हमला करना शुरू कर देते हैं।

मैंने फर्जी डिग्री वालों के लिए वे शब्द कहे थे

मैंने युवाओं के लिए वह टिप्पणी नहीं की थी

मुझे यह पढ़कर बहुत दुख हुआ कि मीडिया के एक वर्ग ने कल एक मामले की सुनवाई के दौरान मेरे मौखिक विचारों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया है। मैंने खास लोगों पर बात की थी

मेरे मौखिक विचारों को गलत तरीके से पेश किया

अब इस पर सफाई देते हुए सीजेआई ने कहा कि मुझे यह पढ़कर बहुत दुख हुआ कि मीडिया के एक वर्ग ने कल एक मामले की सुनवाई के दौरान मेरे मौखिक विचारों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया है। मैंने विशेष रूप से उन लोगों की आलोचना की थी जिन्होंने फर्जी और फर्जी डिग्रियों की मदद से वकालत जैसे पेशे में प्रवेश किया है। ऐसे ही लोग मीडिया, सोशल मीडिया और अन्य प्रतिष्ठित पेशों में भी घुसपैठ कर चुके हैं और इसलिए वे परजीवियों के समान हैं।

युवाओं को विकसित भारत के स्तंभ के रूप में देख रहा

जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि मुझे हमारे वर्तमान और भविष्य के मानव संसाधन पर गर्व है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि भारतीय युवा मेरे प्रति बहुत आदर और सम्मान रखते हैं और मैं भी उन्हें एक विकसित भारत के स्तंभ के रूप में देखता हूं।

सीनियर एडवोकेट की आक्रामकता पर हमने लगाई थी फटकार

सीजेआई की विवादित टिप्पणी एक याचिका की सुनवाई के दौरान आई थी जो एक वकील को सीनियर एडवोकेट का दर्जा दिए जाने से जुड़ी थी। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की पीठ ने याचिकाकर्ता वकील को सीनियर एडवोकेट का दर्जा पाने के लिए आक्रामक तरीके से पैरवी करने पर फटकार लगाई थी। अदालत ने उनके आचरण पर भी सवाल उठाए थे जिसमें फेसबुक पर कथित तौर पर इस्तेमाल की गई भाषा को लेकर भी आपत्ति जताई गई।

समाज में कुछ विशेष परिजीवी मौजूद...

वकील के सोशल मीडिया पर किए गए आचरण का जिक्र करते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा था कि समाज में पहले से ही ऐसे परजीवी मौजूद हैं जो व्यवस्था पर हमला करते हैं और आप उनके साथ हाथ मिलाना चाहते हैं? सीजेआई ने कहा था कि कॉकरोच की तरह कुछ युवा ऐसे हैं जिन्हें न तो रोजगार मिलता है और न ही पेशे में कोई स्थान। उनमें से कुछ मीडिया में चले जाते हैं, कुछ सोशल मीडिया कार्यकर्ता बन जाते हैं, कुछ आरटीआई कार्यकर्ता और अन्य कार्यकर्ता बन जाते हैं और वे हर किसी पर हमला करना शुरू कर देते हैं।

युवाओं पर जताया अटूट भरोसा

सीजेआई ने दावों को पूरी तरह आधारहीन और मनगढ़ंत बताया। उन्होंने युवा शक्ति की सराहना करते हुए कहा कि यह सुझाव देना बेबुनियाद है कि मैंने हमारे देश के युवाओं की आलोचना की। मुझे उन पर अटूट भरोसा है।

खबर संक्षेप

अकुशल श्रमिकों को अब 13,018 रु. मिलेगाः धामी

देहरादून। उत्तराखंड में श्रमिकों के लिए बड़ी राहत की खबर है। धामी सरकार ने श्रमिकों का न्यूनतम वेतन बढ़ाया है।

अकुशल श्रमिकों को अब 13,018 रुपए वेतन मिलेगा। अर्ध-कुशल श्रमिकों को 16,900 रुपए मिलेगा। नई वेतन दरें एक अप्रैल 2026 से लागू होंगी। इसके अलावा ओवरटाइम, बोनस और अन्य लाभ भी प्रदान किए जाएंगे।

आजम को 2 साल कैद और 20 हजार जुर्माना

रामपुर। सपा नेता आजम खां को तत्कालीन डीएम पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में रामपुर

की कोर्ट ने 2 साल की कैद और 20 हजार जुर्माने की सजा सुनाई है। यह मामला 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान भोट थाना क्षेत्र में दर्ज था। आरोप था कि प्रचार के दौरान सपा नेता ने तत्कालीन जिलाधिकारी पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी।

आजमगढ़ में एक्सीडेंट 5 की मौके पर ही मौत

आजमगढ़। यूपी के आजमगढ़ में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर भीषण सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत हो

गई। हादसे में कई लोगों के घायल होने की सूचना है। थाना कंधरापुर क्षेत्र में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के माइलस्टोन 238 के पास ये हादसा हुआ। तेज रफ्तार वाहनों की टक्कर से ये हादसा हुआ। प्रशासन ने राहत एवं बचाव कार्य किया।

विभाग बंटे, सीएम विजय ने रखा गृह व प्रशासन

चेन्नई। तमिलनाडु के सीएम सी. जोसेफ विजय की अध्यक्षता वाली कैबिनेट में मंत्रियों के विभागों की

घोषणा कर दी गई है। विजय ने गृह, पुलिस और महिला एवं बाल कल्याण सहित कुछ सबसे शक्तिशाली विभागों को बरकरार रखा है। केए सेंगोत्तैयान को वित्त के साथ पेंशन और भत्ते का प्रभार सौंपा गया है।

पश्चिम बंगाल की सत्ता संभालने के बाद सीएम सुवेंदु के बदले तेवर

दंगाइयों से की जाएगी नुकसान की वसूली कोई भी हिंसा व अपराध नहीं होगा बर्दाश्त

भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने किया ऐलान

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल की सत्ता संभालने के बाद मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने सीधे तौर पर तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कई बड़े ऐलान किए। आसनसोल में हुई हालिया तोड़फोड़ की घटना पर मुख्यमंत्री ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने बताया कि इस मामले में अब तक 15 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने वालों को कड़ी चेतावनी दी गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उपद्रवियों को पुलिस हिरासत और रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी। इसके अलावा, सरकारी संपत्ति को हुए नुकसान की पूरी भरपाई सीधे तौर पर आरोपियों की व्यक्तिगत संपत्ति से की जाएगी। उन्होंने कहा कि फाल्टा में दोबारा मतदान कराया जाएगा। वहां के लोगों को पिछले 10 साल से वोट नहीं डालने दिया गया है। इस कदम से वहां के मतदाताओं के लोकतांत्रिक अधिकारों की बहाली होगी।

लोकतांत्रिक अधिकारों की बहाली होगी

राजनीतिक हिंसा, अपराधों में तुरंत एफआईआर दर्ज होगी

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी

मुख्यमंत्री अधिकारी ने पार्टी कार्यकर्ताओं को भरोसा दिलाया कि वह अतीत को भूले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हम कार्यकर्ताओं पर हुए टीएमसी के अत्याचारों को भूले नहीं हैं। मुख्यमंत्री ने पुलिस को निर्देश दिया है कि पिछली राजनीतिक हिंसा और अपराधों के मामलों में तुरंत एफआईआर दर्ज की जाए। इसके साथ ही, उन्होंने केंद्रीय योजनाओं के फंड में हुए कथित भ्रष्टाचार की जांच के भी आदेश दिए हैं। केंद्रीय योजनाओं के धन के दुरुपयोग को लेकर पुलिस को शिकायत दर्ज करने को कहा गया है।

मुख्यमंत्री ने मिथुन दादा की सराहना की

मुख्यमंत्री ने अभिनेता और भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती के योगदान की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि मिथुन चक्रवर्ती ने बंगाल में बदलाव लाने के लिए लगभग छह साल तक कड़ी मेहनत की है। वह बंगाल और पूरे देश के एक बेहद लोकप्रिय व्यक्तित्व हैं।

ओबीसी सूची कानून के मुताबिक नहीं

मई 2024 में कलकत्ता हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने वर्ष 2010 के बाद बंगाल में जारी सभी ओबीसी प्रमाणपत्रों को अवैध करार देते हुए रद्द कर दिया था। अदालत ने कहा था कि 2010 के बाद तैयार की गई ओबीसी सूची कानून के मुताबिक नहीं थी। पिछले वर्ष दिसंबर में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (एनसीबीसी) ने पश्चिम बंगाल की 35 जातियों को केंद्रीय ओबीसी सूची से बाहर कर दिया था।

ममता के 15 साल के राज की होगी जांच, निर्देश जारी

1.69 करोड़ लोगों को दिया गया ओबीसी, एससी-एसटी सर्टिफिकेट, सत्यापन होगा

बंगाल सरकार ने राज्य में पिछले 15 वर्षों के दौरान जारी किए गए सभी पिछड़ा वर्ग प्रमाणपत्रों की दोबारा जांच कराने का फैसला लिया है।पिछड़ा वर्ग विकास विभाग ने सभी जिला मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिया कि वे 2011 से 2026 तक जारी एससी, एसटी और ओबीसी प्रमाणपत्रों का पुनः सत्यापन करें।

अवैध प्रमाण पत्र लेने वालों पर होगी कार्रवाई

विभाग ने जिला अधिकारियों को साफ निर्देश दिए हैं कि यदि किसी व्यक्ति ने फर्जी दस्तावेज देकर अवैध तरीके से ओबीसी या अन्य पिछड़ा वर्ग प्रमाणपत्र हासिल किया है, तो कड़ी कार्रवाई की जाए।

अनियमितताओं की शिकायत के बाद सख्ती

सभी 1.69 करोड़ प्रमाणपत्रों की जांच इसलिए की जा रही है ताकि कोई भी व्यक्ति गलत तरीके से आरक्षण जैसी सुविधाओं का लाभ न उठा सके। पिछली सरकार के दौरान अनियमितता की गई है।

अभिषेक की कंपनी पर भी कसेगा शिकंजा

सुवेंदु ने कहा कि उनके पास अभिषेक बेनर्जी की कंपनी 'लिप्स एंड बाउंड्स' की संपत्तियों की पूरी सूची आ चुकी है। इसकी संपत्तियों की गहराई से जांच की जाएगी।

टीएमसी में आंतरिक फूट पर बोलीं ममता

जिसे जाना हो तो जाए, मैं पार्टी को दोबारा से मजबूत कर लूंगी

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा के हाथों मिली करारी शिकस्त को आखिरकार पूर्व मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी ने स्वीकार कर लिया है। उन्होंने इस हार को स्वीकार करते हुए अपने कार्यकर्ताओं से दोबारा पार्टी मजबूत करने का आग्रह किया। ममता ने कालीघाट स्थित अपने आवास पर पार्टी बैठक की, जिसमें चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी शामिल हुए। ममता ने बैठक में प्रत्याशियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि हाल के हुए विधानसभा चुनाव में हार के बाद उनकी पार्टी फिर मजबूत होगी। टीएमसी छोड़ने वाले स्वतंत्र हैं। जो दूसरी पार्टियों में जा रहे हैं, जाएं।

कालीघाट आवास पर की बैठक

टीएमसी ने कालीघाट आवास पर यह बैठक उन उम्मीदवारों के लिए आयोजित की थी, जो हाल के चुनावों में मैदान में उतरे थे। यह बैठक पार्टी में आंतरिक असंतोष की खबरों और चुनाव परिणामों के बाद संभावित दलबदल की अटकलों के बीच हुई। ममता की ये टिप्पणियां तब आईं जब उन्हें परिणाम घोषित होने के एक दिन बाद ही थीं इस बात पता लगा था कि कुछ नेता पाला बदल सकते हैं। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था, मुझे पता है कि कई लोग दूसरी पार्टी ज्वाइन करने के लिए टीएमसी छोड़ देंगे। उनकी अपनी मजबूरियां हो सकती हैं। इस बारे में मुझे कुछ नहीं कहना है, जो जाना चाहता है जा सकता है।

अभिषेक के खिलाफ एफआईआर दर्ज

शाह को धमकी और भड़काऊ भाषण देने का आरोप

टीएमसी सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी के भतीजे अभिषेक बेनर्जी की मुश्किलें बढ़ती हुई नजर आ रही हैं। विधानसभा चुनाव के

दौरान कथित भड़काऊ और आपत्तिजनक भाषण देने के मामले में उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।डायमंड हार्बर के सांसद के खिलाफ राजीव सरकार नामक एक सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा दायर शिकायत में आरोप लगाया गया था कि अभिषेक ने चुनाव प्रचार के दौरान कई स्थानों पर भड़काऊ भाषण दिए थे और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को धमकी दी थी। सामाजिक कार्यकर्ता राजीव सरकार ने 5 मई को चुनाव नतीजे घोषित होने के एक दिन बाद यह शिकायत दर्ज कराई थी।

नीले के बाद अब हरे ड्रम का खौफ

महिला ने पति के साथ की प्रेमी की हत्या, ड्रम में फेंका

एजेंसी ▶▶ मुंबई

देश अभी 'नीले ड्रम' वाले चर्चित मर्डर केस की दहशत से पूरी तरह बाहर भी नहीं निकल पाया था कि अब मुंबई से सटे मुंब्रा इलाके से एक और रोंगटे खड़े कर देने वाली खबर है। इस बार सोशल मीडिया पर 'हरे ड्रम' का नाम तेजी से वायरल हो रहा है। एक महिला ने अपने पति और भाई के साथ मिलकर अपने ही प्रेमी की हत्या कर दी और फिर शव को ठिकाने लगाने के लिए उसे हरे रंग के प्लास्टिक ड्रम में भरकर सुनसान नाले में फेंक दिया।

प्रेम संबंध बना मौत की वजह

बताया जा रहा है कि महिला का कथित तौर पर एक युवक के साथ प्रेम संबंध था, लेकिन इसी रिश्ते ने धीरे-धीरे खतरनाक मोड़ ले लिया। महिला ने पति और भाई के साथ प्रेमी को रास्ते से हटाने की साजिश रची। युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई। पुलिस को शक है कि हत्या पूरी प्लानिंग के साथ की गई।

सिक्किम पहुंचे उपराष्ट्रपति

गंगटोक। यहां सिक्किम राज्य स्थापना दिवस समारोह के लिए पहुंचने पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन (बाएं) का सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर (बीच में) और मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग द्वारा स्वागत किया।

मोदी कैबिनेट में फेरबदल की चर्चा

21 की बैठक पर टिकी सबकी निगाहें, 'बदलाव' की उम्मीद

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बंगाल और असम चुनाव में शानदार जीत के बाद अब केंद्र में एक बड़े

फेरबदल की अटकलें हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की नई टीम की घोषणा के बाद सरकार में भी बड़े बदलाव संभव हैं। प्रधानमंत्री के तीसरे कार्यकाल के शपथ ग्रहण के बाद से केंद्रीय मंत्रिमंडल में कोई विस्तार या फेरबदल नहीं हुआ है, इसलिए इस बार बड़े बदलाव की उम्मीद की जा रही है।

बैठक होना असामान्य बात नहीं

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में 21 मई को होने वाली मंत्रिपरिषद की बैठक ने इन अटकलों को और हवा दे दी है। एक सरकारी अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि मंत्रिपरिषद की बैठकें नियमित अंतरालों पर होती रहती हैं। देश मध्य पूर्व के संकट से उत्पन्न चुनौतियों से निपट रहा है, बैठक होना कोई असामान्य बात नहीं है।

कोलकाता में सड़क पर नमाज को लेकर तनाव बढ़ा

पुलिस ने खाली कराया इलाका, शांति के लिए भारी बल भी तैनात किया

सार्वजनिक स्थानों पर धार्मिक गतिविधियां न करें

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

यहां के राजाबाजार इलाके में शुक्रवार को उस समय तनाव की स्थिति पैदा हो गई जब कुछ लोगों ने सड़क पर नमाज अदा करने की कोशिश की। हाल ही में सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली नई सरकार ने सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह की धार्मिक गतिविधियों पर रोक लगाई है। स्थिति तब बिगड़ गई जब सड़क खाली कराने के लिए पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों ने इसका विरोध किया। विरोध कर रहे लोगों का कहना था कि यह पुरानी परंपरा है। जबकि प्रशासन का तर्क था कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सार्वजनिक रास्तों को खाली रखना जरूरी है।

ऐहतियातन पुलिस- सीआरपीएफ को लगाया

पुलिस ने सड़क खाली करा दी और टैफिक को सामान्य कर दिया गया। फिलहाल इलाके में स्थिति नियंत्रण में है। प्रशासन ने

एहतियात के तौर पर बड़ी संख्या में पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवान तैनात किए हैं। कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों की पहचान की जा रही है और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की ओर से अब तक इस घटना पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। गौरतलब है कि ममता बेनर्जी सरकार के दौरान सड़कों पर नमाज और अन्य धार्मिक गतिविधियों की अनुमति थी, लेकिन नई सरकार ने इससे आम लोगों को होने वाली असुविधा को देखते हुए सख्त रुख अपनाया है।

आंध्र प्रदेश की चंद्रबाबू नायडू सरकार का बड़ा फैसला

तीसरे बच्चे के जन्म पर 30 तो चौथे पर पाएं 40 हजार कैश

एजेंसी ▶▶ अमरावती

आंध्र प्रदेश की चंद्रबाबू नायडू सरकार प्रदेश के लोगों के लिए नई स्कीम लेकर आई है, जिसे सुनकर आप हैरान होंगे। सरकार अब तीसरे बच्चे पर 30,000 और चौथे बच्चे के जन्म पर 40,000 रुपे देगी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू ने तीसरे और चौथे बच्चे के जन्म पर नकद प्रोत्साहन राशि की घोषणा की है। नरसन्नापेटा में आयोजित स्वर्ण आंध्र-स्वच्छ आंध्र कार्यक्रम में बोलते हुए आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने राज्य में घटती जनसंख्या वृद्धि पर चिंता व्यक्त की और कहा कि बच्चों को राष्ट्र की संपत्ति के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि बोझ के रूप में।

स्वर्ण आंध्र-स्वच्छ आंध्र कार्यक्रम में की घोषणा

नरसन्नापेटा में स्वर्ण आंध्र-स्वच्छ आंध्र कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने राज्य में घटती जनसंख्या वृद्धि पर चिंता व्यक्त की

राज्य में सरकार ने पेश की एक अनोखी योजना

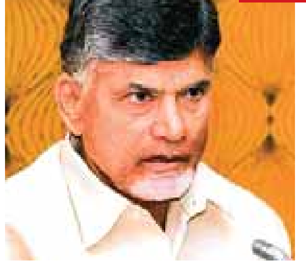

जनसंख्या वृद्धि को प्रोत्साहित करने का प्रयास बताया

मुख्यमंत्री नायडू ने घोषणा की कि जनसंख्या वृद्धि को प्रोत्साहित करने के प्रयासों के तहत सरकार उपरोक्त राशि प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि मैंने इस बारे में कई बार सोचा है। अतीत में, मैंने परिवार नियोजन के लिए काम किया। लेकिन आज, एक बार फिर, बच्चे ही हमारी संपत्ति हैं, और हम सभी के लिए अपने बच्चों के हित में काम करना आवश्यक हो गया है। यही मैं आप सभी के साथ साझा करना चाहता हूं। इसलिए मैंने एक और निर्णय लिया है, और मैं इस महीने इसे आपके सामने रख रहा हूं।

घटती जनसंख्या पर जताई चिंता

नरसन्नापेटा में 'स्वर्ण आंध्र–स्वच्छ आंध्र' कार्यक्रम के दौरान नायडू ने राज्य में घटती जनसंख्या वृद्धि दर पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि बच्चों को बोझ नहीं, बल्कि देश की संपत्ति माना जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने जनसंख्या बढ़ाने को प्रोत्साहित करने के लिए नई घोषणा की है।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी की चेतावनी

पाक तय करे वो भूगोल का हिस्सा बनना चाहता है या इतिहास का

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पाकिस्तान को बहुत सख्त लहजे में चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान आतंकवादियों को पनाह देना और भारत के खिलाफ साजिशें रचना जारी रखता है, तो उसे एक बड़ा फैसला लेना होगा। पाकिस्तान को यह तय करना होगा कि वह भविष्य में दुनिया के नक्शे (भूगोल) पर रहना चाहता है या सिर्फ इतिहास का हिस्सा बनकर रह जाना चाहता है। जनरल द्विवेदी ने यह बात नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में 'यूनिफॉर्म अनवेल्ड' के एक सत्र में भारत के खिलाफ उसकी नापाक हरकतों पर प्रतिक्रिया के संदर्भ में कही।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी

आतंकियों को पनाह देना बंद करे पाकिस्तान

आर्मी चीफ ने कहा कि पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर जैसी स्थिति फिर बनी तो भारतीय सेना उसी तरह या उससे भी मजबूत जवाब देगी

भारत आतंकवाद बर्दाश्त नहीं करेगा

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी से पूछा गया था कि अगर पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर को जन्म देने वाली परिस्थितियां फिर से उत्पन्न होती हैं तो भारतीय सेना कैसे प्रतिक्रिया देगी? इसका जवाब देते हुए आर्मी चीफ ने कहा कि पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर जैसी स्थिति फिर बनी तो भारतीय सेना उसी तरह या उससे भी मजबूत जवाब देगी। सेना प्रमुख ने सीधे तौर पर कहा कि अगर पाकिस्तान आतंकवादियों को पनाह देना और भारत के खिलाफ काम करना जारी रखता है, तो उन्हें यह तय करना होगा कि वो भूगोल का हिस्सा बनना चाहता हैं या इतिहास का। जनरल द्विवेदी की यह संक्षिप्त टिप्पणी पाकिस्तान के लिए एक बड़ी चेतावनी है। उनका यह संदेश पाकिस्तान के लिए साफ चेतावनी है कि भारत आतंकवाद बर्दाश्त नहीं करेगा।

पाक को बदलनी होगी नीति

आर्मी चीफ का यह बयान ऐसे समय में आया है जब देश ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ मना रहा है। सेना संवाद कार्यक्रम में आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि पाकिस्तान को अपनी नीति बदलनी होगी।

पिछले साल शुरू हुआ था ऑपरेशन सिंदूर

बता दें, पिछले साल सात मई को ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत हुई थी। यह ऑपरेशन पहलगाम में हुए घातक आतंकी हमले के जवाब में शुरू हुआ था। इस दौरान भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में मौजूद आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए थे। इसके बाद पाकिस्तान ने भी भारत के खिलाफ हमले की कोशिश की थी। जोकि नाकाम रहे। भारत ने उन सभी हमलों का मुंहतोड़ जवाब दिया। दोनों परमाणु संपन्न देशों के बीच यह सैन्य संघर्ष लगभग 88 घंटों तक चला था। 10 मई की शाम को दोनों पक्षों के बीच एक आपसी समझ बनने के बाद यह संघर्ष रुका था। सेना प्रमुख के इस ताजा बयान ने साफ कर दिया है कि भारत अपनी सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

पाकिस्तान से नजदीकी बढ़ा रहा बांग्लादेश

ब्यूरोक्रेट्स की ट्रेनिंग के लिए मसूरी की जगह चुना लाहौर

लाहौर पहुंचे बांग्लादेशी अधिकारी

भारत और बांग्लादेश में संबंधों में तनाव के चलते बांग्लादेशी सिविल सेवकों के प्रशिक्षण केंद्र के लिए ढाका ने मसूरी की जगह लाहौर को चुना है। बांग्लादेश के बारह नौकरशाह लाहौर स्थित सिविल सर्विसेज एकेडमी में प्रशिक्षण (4-21 मई) ले रहे हैं। बांग्लादेश के मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि एक अतिरिक्त सचिव और 11 संयुक्त सचिव प्रशिक्षण ले रहे हैं। अधिकारियों के प्रशिक्षण का सारा खर्च पाकिस्तान सरकार उठा रही है।

खबर संक्षेप

मारा गया आईएसआईएस का कमांडर अबू मिनुकी

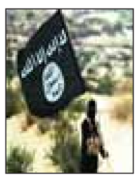

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बताया कि अमेरिकी सेना ने नाइजीरिया में आईएसआईएस के दूसरे सबसे बड़े वैश्विक कमांडर अबू-बिलाल अल-मिनुकी को खत्म कर दिया है। यह आतंकी पूरी दुनिया में आईएसआईएस का दूसरा सबसे बड़ा नेता माना जाता था। ट्रंप ने बताया कि यह एक बहुत ही जटिल और सुनियोजित मिशन था। अमेरिकी सेना और नाइजीरियाई सशस्त्र बलों ने मिलकर इस ऑपरेशन को पूरी सटीकता के साथ अंजाम दिया। ट्रंप ने अल-मिनुकी को दुनिया का सबसे सक्रिय आतंकवादी बताया।

मेक्सिको के पूर्व सुरक्षा प्रमुख कोर्ट में पेश

न्यूयॉर्क। मेक्सिको के सिनालोआ राज्य के पूर्व जन सुरक्षा सचिव गेरार्डो मेरिडा सांचेज न्यूयॉर्क के मैनहट्टन स्थित अमेरिकी फेडरल कोर्ट में पेश हुए। उन्हें सिनालोआ कार्टेल को अमेरिका में भारी मात्रा में ड्रग्स की तस्करी में मदद करने के आरोप में एरिज़ोना से गिरफ्तार किया गया था। वह अमेरिका द्वारा आरोपित 10 मेक्सिकन अधिकारियों में से पहले हैं जो अदालत के सामने पेश हुए हैं। सांचेज पर जेल में बंद ड्रग माफिया 'अल चापो' के बेटों से हर महीने 100,000 डॉलर की रिश्वत लेने और पुलिस छापों की पूर्व जानकारी उन्हें देने का गंभीर आरोप है।

पुतिन अगले सप्ताह बीजिंग यात्रा पर जाएंगे

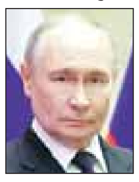

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अगले सप्ताह दो दिवसीय यात्रा पर बीजिंग जाएंगे, जहां उनकी मुलाकात अपने चीनी समकक्ष शी चिनफिंग के साथ होगी। क्रेमलिन ने शनिवार को यह जानकारी दी। रूसी सरकार के मुख्यालय क्रेमलिन ने एक बयान में कहा कि पुतिन की 19-20 मई को होने वाली यात्रा 2001 की चीन-रूस मैत्री संधि की 25वीं सालगिरह के समय से मेल खाती है। दोनों नेता द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ प्रमुख अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों तथा आर्थिक सहयोग पर चर्चा करेंगे।

सीडीएस चौहान ने शुरू कराया म्यूजियम

तवांग को भारत में मिलाने वाले मेजर खाथिंग की यादें होंगी ताजा

मेजर बॉब खाथिंग, सीडीएस चौहान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सेना संवाद कार्यक्रम में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने देश के एक ऐसे महान नायक की गौरव गाथा को याद किया है, जिसका नाम इतिहास के पन्नों में कहीं खो गया था।

जनरल अनिल चौहान ने पूर्वोत्तर भारत के महान सपूत मेजर बॉब खाथिंग के साहसिक कारनामों का जिक्र करते हुए कहा कि उनके काम देश के लिए बहुत बड़े गौरव की बात हैं। मेजर बॉब खाथिंग नागालैंड के रहने वाले थे और उन्होंने ब्रिटिश इंडियन आर्मी के साथ-साथ मणिपुर के महाराजा की सेना में भी अपनी सेवाएं दी थीं। जनरल चौहान ने उनकी बहुमुखी प्रतिभा की तारीफ करते हुए कहा कि वह एक सैनिक, राजनयिक और राजदूत के रूप में एक अद्भुत इंसान थे। ऐसे व्यक्तित्व थे।

1951 में तवांग पर लहराया था तिरंगा

असम के तत्कालीन गवर्नर और सीएम का मिला साथ

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ ने कार्यक्रम में एक बेहद दिलचस्प वाकया साझा किया। उन्होंने बताया कि जब वे सेना के सक्रिय सेवाकाल में थे और बाद में भी, उनके मन में हमेशा यह इच्छा रहती थी कि देश के इस महान नायक को वह सम्मान मिलना चाहिए जिसके वे हकदार हैं। इसके लिए उन्होंने अरुणाचल प्रदेश के तवांग में मेजर बॉब खाथिंग के नाम पर एक म्यूजियम बनाने की योजना पर काम शुरू किया था। इसके लिए उन्हें असम के तत्कालीन गवर्नर बीएल मिश्रा और अरुणाचल प्रदेश के सीएम पेमा खांडू का भरपूर सहयोग मिला है। इन सभी के संयुक्त प्रयासों से तवांग में एक शानदार म्यूजियम की स्थापना की गई है, जो अब पूरी तरह से बनकर तैयार हो चुका है। जनरल चौहान ने कहा कि जब आप अपने मुख्य कर्तव्यों और चार्टर से परे जाकर कुछ ऐसा काम करते हैं जो देश के इतिहास और संस्कृति को संवारने का काम करे, वह काम आपको एक अलग ही संतुष्टि देता है।

चीन से तवांग को सुरक्षित किया था

जनरल चौहान ने बताया कि साल 1951 में मेजर बॉब खाथिंग ने असम राइफल्स के जवानों के साथ एक बहुत बड़े और बेहद कठिन अभियान का नेतृत्व किया था। वे पैदल ही दुर्गम पहाड़ियों को पार करते हुए तवांग पहुंचे थे और वहां पर भारत का तिरंगा झंडा फहराकर उस पूरे क्षेत्र को आधिकारिक तौर पर भारत का हिस्सा बना दिया था। यह एक ऐसा ऐतिहासिक कदम था, जिसने भारत की उत्तरी सीमा को हमेशा के लिए सुरक्षित कर दिया था।

गृह मंत्री शाह बोले- केंद्र सरकार 'ड्रग-फ्री इंडिया' के संकल्प के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध

पहली बार पकड़ा गया 182 करोड़ का 'जिहादी ड्रग्स', एक विदेशी गिरफ्तार

200 किलो कैप्टागॉन ड्रग्स सीरिया से भारत पहुंची

अमित शाह ने कहा कि भारत अपनी जमीन का इस्तेमाल ड्रग्स की तस्करी के लिए किसी भी हाल में नहीं होने देगा और देश में आने या यहां से बाहर भेजे जाने वाले हर एक ग्राम नशीले पदार्थ पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने पहली बार भारत में 'कैप्टागॉन' नामक ड्रग्स की बड़ी खेप जब्त की है। इस कार्रवाई में करीब 182 करोड़ रुपए कीमत की ड्रग्स बरामद की गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को खुद यह जानकारी दी। उन्होंने इसे 'जिहादी ड्रग' बताते हुए कहा कि मोदी सरकार 'ड्रग-फ्री इंडिया' के संकल्प पर पूरी मजबूती से काम कर रही है। उन्होंने इस कार्रवाई को भारत की 'जीरो टॉलरेंस' नीति का मजबूत उदाहरण बताया। अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि भारत अपनी जमीन का इस्तेमाल ड्रग्स की तस्करी के लिए किसी भी हाल में नहीं होने देगा और देश में आने या यहां से बाहर भेजे जाने वाले हर एक ग्राम नशीले पदार्थ पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की टीम की सराहना करते हुए उन्हें बहादुर और सतर्क योद्धा बताया।

◆ यह खेप गुजरात और दिल्ली से बरामद की गई

सऊदी अरब के जेद्दा भेजी जानी थी

एक विदेशी ड्रग कानून प्रवर्तन एजेंसी से प्राप्त सूचना के आधार पर खबर मिली कि भारत का इस्तेमाल कैप्टागन तस्करी के ट्रांजिट पॉइंट के रूप में किया जा रहा है। इसके आधार पर एनसीबी ने नई दिल्ली के नेब सराय क्षेत्र में एक मकान की पहचान की। 11 मई 2026 के दिन को मकान की तलाशी के दौरान एक चपाती कटिंग मशीन में छिपाकर रखी गई लगभग 31.5 किलोग्राम कैप्टागन टैबलेट बरामद की गई। इस खेप को सऊदी अरब के जेद्दा भेजा जाना था। प्रारंभिक जांच में पता चला कि सीरियाई नागरिक डेढ़ साल पहले पर्यटक वीजा पर भारत आया था लेकिन वीजा खत्म होने के बाद वह अवैध रूप से यहां रह रहा था।

चार साल में कई पोर्ट पर 11,311 करोड़ रुपए की ड्रग्स पकड़ी

ऑपरेशन रेजपिल के तहत कुल लगभग 227.7 किलोग्राम कैप्टागन पाउडर जब्त किया गया, जिसकी अंतरराष्ट्रीय अवैध बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 182 करोड़ रुपए आंकी गई है। यह जब्ती हाल ही में मुंबई में एनसीबी द्वारा की गई एक अन्य बड़ी कार्रवाई के संदर्भ में भी महत्वपूर्ण है, जिसमें इक्वाडोर से आए कंटेनर में छिपाकर रखी गई 349 किलोग्राम हाई क्वालिटी कोकीन बरामद की गई थी। यह इस बात को उजागर करता है कि कैसे अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट की तरफ से मादक पदार्थों की तस्करी के लिए व्यावसायिक कार्गो और कंटेनर आधारित व्यापार मार्गों का दुरुपयोग बढ़ रहा है। गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2020 से 2024 के बीच देश के विभिन्न समुद्री बंदरगाहों पर ड्रग्स की 19 बड़ी खेप पकड़ी गईं, जिनकी कुल कीमत 11,311 करोड़ रुपए से ज्यादा थी। अब कैप्टागॉन की यह पहली बड़ी बरामदगी सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक महत्वपूर्ण सफलता मानी जा रही है।

दूसरी खेप ऊन के कंटेनर से जब्त की

आरोपी से पूछताछ के बाद 14 मई 2026 को गुजरात के मुंद्रा स्थित कंटेनर फैसिलिटेशन स्टेशन में एक कंटेनर से लगभग 196.2 किलोग्राम कैप्टागन पाउडर बरामद किया गया। इस कंटेनर को भेड़ की ऊन से भरा हुआ बताकर सीरिया से आयात किया गया था। शुरुआती जांच से पता चला है कि जब्त खेप को खाड़ी क्षेत्र विशेषकर सऊदी अरब और मिडिल ईस्ट के देशों में भेजा जाना था।

कैप्टागॉन को कहा जाता है 'जिहादी ड्रग्स'

कैप्टागॉन एक सिंथेटिक एम्फेटामिन आधारित नशीला पदार्थ है, जिसे बेहद खतरनाक और लत लगाने वाला ड्रग माना जाता है। इसे 'जिहादी ड्रग' इसलिए कहा जाता है क्योंकि रिपोर्ट्स के अनुसार आईएसआईएस जैसे आतंकी संगठन इसका इस्तेमाल लड़ाकों को ज्यादा ऊर्जा, सहनशक्ति और डर कम करने के लिए करते रहे हैं। इसे 'गरीबों की कोकीन' भी कहा जाता है।

'ऑपरेशन रेजपिल' के तहत बड़ी सफलता

अमित शाह ने बताया कि 'ऑपरेशन रेजपिल' के तहत एजेंसियों ने यह बड़ी सफलता हासिल की है। उन्होंने कहा कि यह खेप पश्चिम एशिया भेजी जानी थी और इस मामले में एक विदेशी नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। गृह मंत्री ने कहा कि भारत को ड्रग्स के ट्रांजिट रूट के तौर पर इस्तेमाल करने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। 'ऑपरेशन रेजपिल' को एनसीबी की तरफ से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चलाया गया एक बड़ा अभियान माना जा रहा है, जिसका मकसद अवैध ड्रग्स नेटवर्क को तोड़ना है।

गाजा में इजराइली सेना का बड़ा हवाई हमला

हमास के शीर्ष सैन्य कमांडर सहित कई लोगों की मौत, 6 अक्तूबर 2023 के हमले का था मास्टरमाइंड

एजेंसी ▶▶ गाजा पट्टी

शुक्रवार की शाम को इजराइली सेना ने गाजा शहर में एक बड़ा हवाई हमला किया। इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू और रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने खुद आधिकारिक तौर पर इस हमले की पुष्टि की है।

इस हवाई हमले में हमास की सैन्य शाखा (कासिम ब्रिगेड) के प्रमुख इज्ज अल-दीन अल-हद्दाद को सीधा निशाना बनाया गया है। हद्दाद 7 अक्तूबर 2023 को इजराइल पर हुए हमास हमलों की योजना और उसे अंजाम देने वाले प्रमुख रणनीतिकारों में से एक था। इजराइल के पीएम नेतन्याहू ने खुली चेतावनी देते हुए कहा है कि जो भी 7 अक्तूबर के हमले में शामिल था, इजराइल उसे छोड़ेगा नहीं। पीएम बेंजामिन ने अपने बयान में कहा कि आज नहीं तो कल, इजराइल तुम तक पहुंच ही जाएगा।

इज्ज अल-दीन अल-हद्दाद

दो हमलों में 20 से ज्यादा लोग घायल

गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक, शुक्रवार शाम को इजराइल ने कम से कम दो बड़े हवाई हमले किए। पहला हमला गाजा शहर के रिमाल इलाके में एक रिहायशी इमारत (अपार्टमेंट) पर हुआ। इसके तुरंत बाद पास की सड़क पर जा रहे एक वाहन को भी मिसाइल से उड़ा दिया गया। इस हमले में कई मासूम लोगों की जान चली गई।

ट्रंप और बोइंग ने की डील की पुष्टि

यूएस से 200 विमान खरीदेगा चीन, 450 इंजन भी शामिल

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने घोषणा की है कि चीन बोइंग कंपनी से 200 विमान खरीदने के लिए सहमत हो गया है। बोइंग भी इसकी पुष्टि की है। यह डील ट्रंप और जिनपिंग के बीच हाल ही में हुई मीटिंग के दौरान हुई।

यह लगभग एक दशक में चीन की बोइंग के साथ पहली डील है, जो अमेरिकी विमानन उद्योग के लिए महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो सकती है। ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान बताया कि आने वाले समय में चीन यह डील और बढ़ा सकता है और 750 विमानों तक खरीद सकता है। अनुमान है कि 200 विमानों के साथ लगभग 400-450 इंजनों का ऑर्डर भी शामिल है। हालांकि इसकी अभी पुष्टि नहीं हुई है। बोइंग के साथ हुई यह डील अमेरिका-चीन व्यापार संबंधों में सुधार का संकेत देता है।

गूगल मैप्स पर मिलेगा खतरे का अलर्ट

'ब्लैक व कैटल' स्पॉट के साथ ब्लाइंड कर्व की होगी जानकारी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने अब यात्री सुरक्षा के कुछ तकनीकी उपायों पर काम तेज किया है। इसके तहत लांच किए गए प्राधिकरण के पोर्टल डाटालेक का तीसरा संस्करण तैयार किया है।

जिसमें न सिर्फ ब्लैक स्पाट, बल्कि कैटल स्पाट, ब्लाइंड कर्व सहित राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क के उन सभी स्थलों का डाटा है, जहां दुर्घटना की आशंका अधिक रहती है। यह डाटा जल्द ही गूगल मैप और मैप माइ इंडिया पर दिखेगा। साथ ही यात्रा के दौरान मोबाइल मैसेज के माध्यम से यात्रियों को रीयल टाइम जानकारी भी प्राप्त होगी, ताकि वह पहले से सतर्क हो जाएं। एनएचएआइ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्राधिकरण ने आवारा पशुओं की समस्या को भी अपने एजेंडे में शामिल किया है।

ईरान पर फिर से भीषण हमले का प्लान तैयार, ट्रंप लेंगे फैसला

ईरान के सैन्य और बुनियादे ढांचे पर हवाई हमलों की योजना

क्या अगले सप्ताह से अमेरिका शुरू करेगा 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी 2.0'

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिकी सेना कथित तौर पर एक बार फिर ईरान पर हमलों की योजना बना रही है। ईरान के साथ शांति वार्ता के किसी नतीजे पर नहीं पहुंचने के बाद अमेरिका को लग रहा है कि सैन्य हमले ही तेहरान पर दबाव बना सकते हैं। डोनाल्ड ट्रंप के चीन दौरे के बाद ईरान पर हमले किए जा सकते हैं। अमेरिका और इजराइल गठबंधन ने 28 फरवरी को ईरान पर हमले किए थे। इसके बाद दोनों पक्षों में भीषण लड़ाई हुई।

डोनाल्ड ट्रंप मोजतबा खामेनेई

ईरान की जमीन पर सेना उतारकर सीधी लड़ाई का भी प्लान

रक्षा सचिव ने दिए संकेत

एक मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि पेंटागन आने वाले दिनों में 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी 2.0' की योजना बना रहा है। रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने इस सप्ताह कांग्रेस के समक्ष गवाही देते हुए सांसदों से कहा है कि यदि आवश्यक हुआ तो हमारे पास स्थिति को आगे बढ़ाने यानी हमले तेज करने की योजना मौजूद है। सूत्रों के अनुसार अमेरिका और इजराइल के अधिकारी ईरान के खिलाफ हमलों को अगले सप्ताह फिर से शुरू करने की गहन तैयारियों में जुटे हुए हैं। ट्रंप फिर हमले शुरू करने का फैसला करते हैं तो ईरान के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया जा सकता है।

ट्रंप की हत्या के ऐलान का दावा

मिलेगा 5.5 अरब का इनाम, सूची में इजराइली पीएम, सेंटकॉम कमांडर भी

तेहरान। ईरानी मीडिया रिपोर्ट में ये दावा किया गया है कि ईरानी सरकार ट्रंप की हत्या के बदले 50 मिलियन यूरो (5.5 अरब) के इनाम का एक प्रस्ताव संसद में लाने की तैयारी कर रही है। ईरान वायर के अनुसार, ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के चेयरमैन इब्राहिम अजीजी ने इस्लामिक रिपब्लिक की सैन्य और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा 'काउंटर-एक्शन' नामक योजना का मसौदा तैयार किए जाने की घोषणा की है।

हमारी सेना तैयार: गालिबाफ

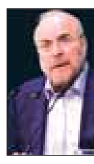

गालिबाफ ने कहा है कि हमारी सेना किसी भी हमले का करारा जवाब देने के लिए तैयार है। अमेरिका यह समझ ले कि गलत रणनीति और गलत फैसलों का नतीजा हमेशा गलत ही होता है। हम सभी विकल्पों के लिए तैयार हैं और पूरी ताकत से दुश्मन को जवाब देंगे।

टीसीएस के चेयरमैन चंद्रशेखरन का बड़ा दावा

भारत एआई में ग्लोबल हब बनने की राह पर, नई नौकरियां भी होंगी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

वैश्विक कारोबारी जगत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अब महज एक अतिरिक्त तकनीकी साधन नहीं, बल्कि बड़े उद्योगों के संचालन का मुख्य आधार बनता जा रहा है। देश की अग्रणी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने वर्ष 2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए इस रणनीतिक बदलाव को रेखांकित किया है, जहां एआई के बढ़ते प्रभाव से न केवल कंपनी का मुनाफा बढ़ा है बल्कि आईटी क्षेत्र में नई नौकरियों की भी वापसी हुई है। चेयरमैन के अनुसार, जेनरेटिव और एजेंटिक एआई अब शुरुआती परीक्षणों के दौर से बाहर निकलकर विकास के एक नए चरण में पहुंच चुके हैं, जहां दुनिया भर के बड़े कॉर्पोरेट ग्राहक अब इसे अपने रोजमर्रा के मुख्य कामकाज का एक स्थायी और अनिवार्य हिस्सा बना रहे हैं।

टीसीएस के चेयरमैन चंद्रशेखरन

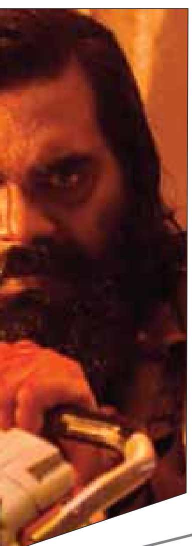

पीटर विल्सन की फिल्म ‘ऑब्सेस’ का ट्रेलर जारी

मुंबई। बॉलीवुड में ‘अंधाधुन’ और ‘फोबिया’ जैसी पहले भी कई मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्में आई हैं। अब एक नई फिल्म ‘ऑब्सेस’ रिलीज होने के लिए तैयार है, जिसमें मुख्य किरदार पीटर विल्सन ने निभाया है। उनके साथ ‘बिग बॉस 18’ वाली ईशा सिंह भी मुख्य किरदार में हैं। 15 मई को फिल्म का ट्रेलर जारी कर दिया गया है, जो खून-खराबा और भरपूर थ्रिल से भरपूर है। इसके निर्देशन की जिम्मेदारी भी पीटर ने संभाली है। ट्रेलर 1 मिनट 41 सेकंड लंबा है, जिसकी शुरुआत ईशा के आत्मविश्वासी और बेफिक्र किरदार से होती है। कहानी में मोड़ तब आता है, जब उनका सामना पीटर द्वारा निभाए गए क्रोधित और गहरे मनोवैज्ञानिक आघात से जूझ रहे एक परेशान व्यक्ति से होता है। देखते ही देखते दोनों की अप्रत्याशित मुलाकात सबकुछ बदलकर रख देती है।

लाइफ Style

माधुरी

इन फिल्मों ने दिलाई शोहरत

एजेंसी ▶▶ मुंबई

बॉलीवुड में धक-धक गर्ल के नाम से मशहूर माधुरी दीक्षित 59 साल की हो गई हैं। 40 साल से ज्यादा समय भारतीय सिनेमा में गुजार चुकीं अभिनेत्री आज भी अपनी एक मुस्कुराहट से लोगों का दिल धड़का देती हैं। यही कारण है कि उनकी एक झलक के लिए फैंस हमेशा उतावले रहते हैं।

माधुरी ने अपने करियर की शुरुआत 1984 में फिल्म ‘अबोध’ से की थी और अब तक कई बेहरतीन फिल्में दी हैं। साल 1988 में आई फिल्म ‘तेज़ाब’ माधुरी के करियर की सबसे सफल फिल्मों में से एक है। इसमें मौजूद गाना ‘एक दो तीन’ न सिर्फ उनके करियर का टर्निंग पॉइंट बना, बल्कि अभिनेत्री रातों-रात मशहूर हो गईं। अमेजन प्राइम वीडियो पर मौजूद इस फिल्म में अनिल कपूर भी हैं। आमिर खान के साथ आई फिल्म ‘दिल’ ने माधुरी को उनका पहला फिल्मफेयर पुरस्कार दिलाया। यह पुरस्कार उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए मिला था। यह भी प्राइम वीडियो पर मौजूद है। संजय दत्त के साथ 1993 में आई फिल्म ‘खलनायक’ सुपरहिट रही।

पुलिस अधिकारी ‘गंगा’ के किरदार में माधुरी ने दर्शकों का दिल जीत लिया। इसमें मौजूद उनके सभी गाने बेहद लोकप्रिय हुए। यह फिल्म भी प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है। वहीं 1994 में आई ‘हम आपके हैं कौन’ अभिनेत्री की सबसे यादगार फिल्मों में से एक है। सलमान खान के साथ उनकी जोड़ी, गाने और फिल्म का हर दृश्य लोगों के दिल के करीब है। यह जी5 पर मौजूद है। अमेजन प्राइम वीडियो पर मौजूद फिल्म ‘साजन’ में माधुरी और दत्त की जोड़ी दोबारा देखने को मिली।

हॉलीवुड मसाला

फीफा वर्ल्ड कप में दिखेंगे एक मंच पर

लॉस एंजिल्स। फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर अब सबसे बड़ा मनोरंजन धमाका होने जा रहा है। फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल मैच को लेकर संगीत जगत से एक ऐसी खबर आई है, जिसने पूरी दुनिया के फैंस को रोमांचित कर दिया है। इतिहास में पहली बार फुटबॉल के इस महाकुंभ में ‘सुपर बाउल’ की तर्ज पर एक भव्य हाफटाइम शो आयोजित किया जाएगा। इस मौके पर मैडोना, शकीरा और बीटीएस 2026 मेटलाइफ स्टेडियम के मंच पर एक साथ धमाल मचाएंगे।

कान्स फेस्टिवल में छलके विन डीजल के आंसू...

लॉस एंजिल्स। 79वें कान्स फिल्म फेस्टिवल में शामिल होने हॉलीवुड फिल्म ‘द फास्ट एंड द फ्यूरियस’ की टीम भी पहुंची। इस मौके पर विन डीजल, मिशेल रोड्रिग्ज, जॉर्डन ब्रूवर्स्टर, नील एच मोरिट्ज और मीडो वॉकर ने रेड कार्पेट पर शिरकत की और अंतरराष्ट्रीय मीडिया का ध्यान खींच लिया। हालांकि, एक पल ऐसा आया, जब डीजल भावुक होते हुए अपने आंसुओं को नहीं रोक सके। उनका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसे देखकर फैंस भी भावुक हो रहे हैं। दरअसल, ‘फास्ट एंड फ्यूरियस’ की 25वीं सालगिरह पर डीजल अपने दिवंगत सह-कलाकार पॉल वॉकर को याद करके भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि उनकी जिंदगी में वॉकर का महत्व फिल्म में लिखी गई स्क्रिप्ट से ज्यादा बढ़ गया है।

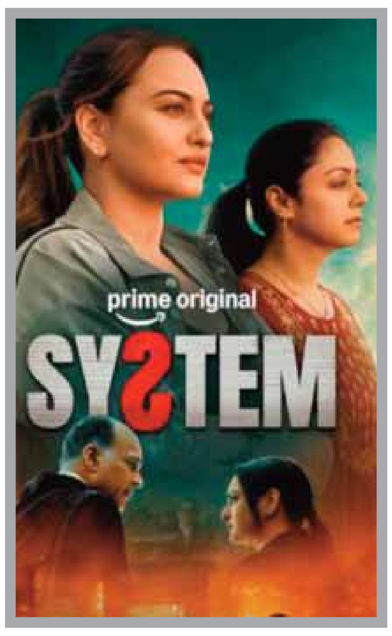

अन्याय का पर्दाफाश करने आईं सोनाक्षी...

मुंबई। सोनाक्षी सिन्हा की आगामी फिल्म ‘सिस्टम’ का ट्रेलर जारी कर दिया गया है। यह एक कोर्टरूम थ्रिलर है, जिसमें उनके साथ अभिनेत्री ज्योतिका भी मुख्य किरदार में नजर आएंगी। फिल्म का निर्देशन अश्विनी अय्यर तिवारी ने किया है, जिन्हें ‘पंगा’ और ‘बरेली की बर्फी’ के लिए जाना जाता है। वहीं निर्माण की कमान पम्मी बावेजा, हरमन बावेजा और स्मिता बलिगा ने मिलकर उठाई है। फिल्म हाई-प्रोफाइल और आत्मविश्वासी वकील और विशेषाधिकार की पृष्ठभूमि पर आधारित है। ट्रेलर में, सोनाक्ष्री ने ‘नेहा राजवंश’ नाम की वकील का किरदार निभाया है। उनके पिता के किरदार में निर्देशक आशुतोष गोवारिकर हैं। वहीं ज्योतिका ‘सारिका रावत’ के किरदार में हैं, जो कोर्ट स्टेनोग्राफर है। कहानी 2 ऐसी महिलाओं के इर्द-गिर्द घूमती है।

अजय से ज्यादा फीस ले रहे अक्षय...

मुंबई। अजय देवगन की कॉमेडी फ्रैंचाइजी फिल्म ‘गोलमाल’ की 5वीं किस्त काफी चर्चा बटोर रही है। फैंस का उत्साह इसलिए भी ज्यादा है, क्योंकि फिल्म में अक्षय कुमार भी आधिकारिक तौर पर शामिल हो चुके हैं। फिलहाल इस वक्त फिल्म की शूटिंग जोर-शोर से चल रही है। इस बीच ‘गोलमाल 5’ से जुड़ा एक अपडेट आया है कि अक्षय करीब 18 से 22 दिनों के शूट के लिए मोटी फीस वसूल रहे हैं, जो अजय की अग्रिम फीस से ज्यादा है। एक बातचीत में, परियोजना से जुड़े एक सूत्र ने अक्षय की फीस के बारे में खुलासा किया है। उन्होंने कहा, अक्षय 18-22 दिनों तक शूटिंग कर रहे हैं और उन्हें लगभग 35-40 करोड़ रुपये मिल रहे हैं, जो अजय की अग्रिम फीस से ज्यादा है, क्योंकि उन्हें लाभ-साझाकरण के आधार पर भुगतान किया जा रहा है।

टीवी मसाला

टीआरपी लिस्ट में हिला अनुपमा का सिंहासन, नंबर-1 पर वसुधा का कब्जा

मुंबई। टीवी की दुनिया में इस हफ्ते टीआरपी लिस्ट ने बड़ा उलटफेर कर दिया है। जहां लंबे समय से दर्शकों के दिलों पर राज कर रहे ‘अनुपमा’ और ‘क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2’ अपनी जगह से खिसकर नीचे आ गए हैं। वहीं दूसरी तरफ एक नए शो ने जबरदस्त ट्विस्ट और दमदार कहानी से नंबर-1 पर अपनी जगह बना ली है।

नंबर 1 पर है, ‘वसुधा’: जी टीवी पर आने वाले इस शो वसुधा ने लोगों का दिल जीत लिया है। ये शो इस सप्ताह पहले नंबर पर है। गांव की लड़की और अमीर बिजनेसमैन की प्रेम कहानी पर आधारित ये शो लोगों के दिलों पर राज कर दिया है। शो को 2.0 रेटिंग मिली है।

दूसरे नंबर पर है, ‘गंगा माई की बेटियां’ : सरगुन मेहता के प्रोडक्शन में बना ये शो गंगा माई की बेटियां दूसरे नंबर पर काबिज है। शो को इस हफ्ते 1.7 रेटिंग मिली है। ये शो भी लोगों के दिलों में जगह बना रहा है।

तीसरे नंबर पर क्योंकि सास भी कभी बहु थी : एकता कपूर के शो ‘क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2’ इस बार अपनी जगह से हट चुका है। स्मृति ईरानी के इस शो की रैंकिंग में इस बार गिरावट देखी जा रही है। शो पहले नंबर से हटकर सीधा तीसरे स्थान पर पहुंच गया है. रेटिंग 1.7 है।

चौथे नंबर पर तुम से तुम तक : पॉपुलर शो तुम से तुम तक इस बार चौथे नंबर पर है। इस शो ने अनुपमा जैसे बड़े शो को पछाड़कर ऊपर जगह बना ली है। शो की रेटिंग 1.6 है।

अनुपमा को लगा झटका 5वें नंबर पर पहुंचा : टीवी के चहीते शो अनुपमा को तो इस बार बड़ा झटका लगा है। रुपाली गांगुली का ये पॉपुलर शो जो हमेशा नंबर 1 पर बना रहता है। इस बार ये शो पांचवें नंबर पर पहुंच गया है। कभी ये शो लोगों को दिलों पर राज करता था। आज शो की रेटिंग 1.5 है।

‘लाफ्टर शेफ 3 सहित अन्य शो की रेटिंग

लॉफ्टर शेफ 3 ने इस बार लंबी छलांग लगाई है। कॉमेडी और कुकिंग के मिक्सचर वाले इस शो ने फिर से दिलों पर राज करना शुरू कर दिया है। भारती सिंह और शेफ हरपाल सिंह का शो इस बार छठे स्थान पर है। वहीं नागिन 7 अब बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। इस हफ्ते शो सातवें स्थान पर है। ये रिश्ता क्या कहलाता है आठवें नंबर पर काबिज है। शो को इस बार 1.4 रेटिंग मिली है। वहीं दूसरी ओर टीवी का पॉपुलर शो उड़ने की आशा इस बार नौवां नंबर पर पहुंच गया है। शो की रेटिंग 1.4 है। शो आज अपनी पकड़ बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। वहीं एकता कपूर का शो स्पिन-ऑफ शो क्योंकि रिश्तों के भी रूप बदलते हैं, इस बार टीआरपी लिस्ट में शामिल हो चुका है। 1.4 रेटिंग के साथ यह शो दसवें नंबर पर है।

‘खतरों के खिलाड़ी 15’ में गौरव खन्ना को किस बात का डर?

मुंबई। टीवी के जाने-माने अभिनेता गौरव खन्ना आज रियलिटी शोज का बड़ा नाम बन चुके हैं। पहले उन्होंने फराह खान के शो ‘सेलिब्रिटी मास्टरशेफ्स’ के पहले सीजन का खिताब जीता। फिर सलमान खान के सबसे बड़े रियलिटी शो ‘बिग बॉस’ के 19वें सीजन का विजेता बने। अब गौरव का अगला कदम स्टंट आधारित रियलिटी शो ‘खतरों के खिलाड़ी 15’ है, जिसमें आने के लिए वह तैयार हैं। हालांकि, शो में आने से पहले उन्होंने अपनी सबसे बड़ी चिंता पर बात की।

‘खतरों के खिलाड़ी’ को लेकर जाहिर की उत्सुकता

एक बातचीत में, गौरव ने रोहित शेट्टी के शो ‘खतरों के खिलाड़ी 15’ को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर की, लेकिन अपनी सबसे बड़ी चिंता का खुलासा भी किया। उन्होंने कहा कि शो में जाने से पहले उनकी सबसे बड़ी चिंताओं में से एक उनका ‘कलर ब्लाइंड’ होना है। वह अन्य शारीरिक चुनौतियों से भी जूझ रहे हैं। गौरव को डर है कि इसका असर शो के दौरान उनके कुछ स्टंट टास्क पर पड़ सकता है।

खुद को अपना प्रतिद्वंदी मानते हैं गौरव

अभिनेता ने कहा कि जिंदगीभर इस समस्या के साथ जीने और इसे संभालने का अनुभव होने के कारण, वह इस चुनौती का सामना करने और यह जानने के लिए उत्साहित हैं कि वह खुद को कितना आगे ले जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि वह अन्य प्रतियोगी की बजाए खुद को अपना सबसे बड़ा प्रतिद्वंदी मानते हैं। टबता दें, शो की तारीख सामने नहीं आई है, लेकिन इसमें रुबीना दिलैक, ऋत्विक धनजानी और अविका गौर समेत कई सितारे नजर आएंगे।

मां बनने के बाद भी बरकरार इन अभिनेत्रियों का स्टारडम, टूटा बॉलीवुड का सालों पुराना ‘मिथक’

मुंबई। बॉलीवुड में एक दौर था, जब माना जाता था कि अभिनेत्री का करियर मां बनने के बाद ढलान पर आ जाता है, लेकिन आज की पीढ़ी ने इस धारणा को बदल दिया है। समकालीन भारतीय सिनेमा में मातृत्व अब करियर का ‘फुल स्टॉप’ नहीं, बल्कि सशक्त पारी की शुरुआत बन गया है। मातृत्व दिवस पर हम आपको उन अभिनेत्रियों के बारे में बताएंगे, जिन्होंने मां बनने के बाद अपने करियर को नई दिशा दी और सफलता की मिसाल पेश की।

दीपिका पादुकोण और प्रियंका चोपड़ा

दीपिका पादुकोण के लिए मां बनना करियर में रुकावट नहीं। ‘जवान’ और ‘पठान’ जैसी फिल्मों के साथ वो अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट्स और अपने प्रोडक्शन हाउस को संभाल रही हैं। साथ ही फिल्म इंडस्ट्री में मांओं के लिए 8 घंटे की शिफ्ट की वकालत भी कर रही हैं। उधर प्रियंका चोपड़ा ने दिखाया है कि वैश्विक करियर और मातृत्व साथ चल सकते हैं। हॉलीवुड फिल्में, बिजनेस और अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स के बीच प्रियंका बेटी की परवरिश के साथ हर मोर्चे पर सक्रिय हैं।

करीना कपूर और आलिया भट्ट

करीना कपूर ने साबित किया कि मां बनने के बाद ब्रेक लेना जरूरी नहीं। ‘गुड न्यूज’ और ‘जाने जां’ जैसी फिल्मों के जरिए उन्होंने बड़े पर्दे से लेकर ओटीटी तक पर अपनी धाक जमाए रखी। आलिया भट्ट आज की पीढ़ी की उन मांओं का प्रतिनिधित्व करती हैं, जो एक साथ कई मोर्चे संभाल रही हैं। मां बनने के बाद भी वो बड़े बजट की फिल्मों के साथ अपने प्रोडक्शन हाउस ‘एटरनल सनशाइन’ और अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट्स को बखूबी संभाल रही हैं।

नेहा धूपिया और जेनेलिया डिसूजा

नेहा धूपिया ने दूसरी प्रेग्नेंसी में फिल्म ‘ए थर्सडे’ की शूटिंग कर दिखाया कि मातृत्व करियर की बाधा नहीं है। वो कामकाजी मांओं के अधिकारों के लिए भी खुलकर आवाज उठाती हैं। दूसरी ओर जेनेलिया डिसूजा ने खुद की प्रोड्यूस की हुई फिल्म ‘वेड’ से पर्दे पर सफल वापसी की और अब उनकी ‘राजा शिवाजी’ धूम मचा रही है। फिल्मों के साथ-साथ जेनेलिया ‘इमेजिन मीट्स’ ब्रांड के जरिए एक सफल उद्यमी के रूप में भी अपनी पहचान बना रही हैं।

रानी मुखर्जी और ऐश्वर्या राय

रानी मुखर्जी के लिए मातृत्व करियर का मजबूत पड़ाव साबित हुआ। उन्होंने ‘हिचकी’, ‘मर्दानी’ फ्रैंचाइजी और ‘मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे’ जैसी फिल्मों से साबित किया कि मां बनने के बाद भी अभिनेत्री अपने दम पर फिल्में हिट करा सकती है। उधर ऐश्वर्या राय ने ‘सरबजीत’ से लेकर ‘पोन्नियिन सेलवन’ तक मां बनने के बाद भी दमदार किरदार निभाए। कान्स फिल्म फेस्टिवल जैसे तमाम अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उनकी मजबूत मौजूदगी दिखाती है कि मातृत्व ने उनके स्टारडम को और निखारा है।

नेटफ्लिक्स पर आते ही कुछ ही मिनटों में सर्वर हो गया क्रैश

‘धुरंधर 2’ का पाक में ‘आतंक’, 12 बजते ही टूट पड़ी जनता; मिनटों में नेटफ्लिक्स क्रैप

मुंबई। रणवीर सिंह की फिल्म ‘धुरंधर 2’ ने रिलीज होते ही सरहद पार तहलका मचा दिया है। पाकिस्तान में फिल्म को लेकर दीवानगी का आलम ये रहा कि नेटफ्लिक्स पर आते ही कुछ ही मिनटों में सर्वर क्रैश हो गया। फिल्म की कहानी को लेकर वहां विवाद और बहस तो छिड़ी है, लेकिन दीवानगी ऐसी है कि लोग इसे देखने के लिए टूट पड़े हैं। सोशल मीडिया पर एक पाकिस्तानी रिव्यूअर का वीडियो भी तेजी से वायरल हो रहा है।

पाक में भारी भीड़ के कारण सर्वर हुआ ठप

‘धुरंधर 2’ पाकिस्तान में पहले ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दस्तक दे चुकी है। पाकिस्तान में इसे लेकर दीवानगी का आलम यह था कि भारी ट्रैफिक के कारण रिलीज के कुछ ही मिनटों के भीतर नेटफ्लिक्स का सर्वर क्रैश हो गया। हालांकि, सोशल मीडिया पर कई पाकिस्तानी नागरिक इस फिल्म की आलोचना भी कर रहे हैं और इसे ‘प्रोपेगेंडा’ करार दे रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद फिल्म को देखने के लिए वहां जबरदस्त होड़ मची हुई है।

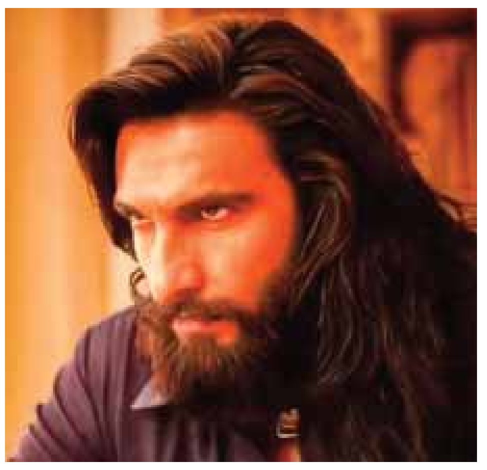

कैसे ‘धुरंधर 2’ ने डाउन किया नेटफ्लिक्स

पाकिस्तानी कंटेंट क्रिएटर माविया उमर फारूकी ने एक वीडियो साझा कर दावा किया है कि पाकिस्तान में ‘धुरंधर 2’ के प्रीमियर होते ही नेटफ्लिक्स का सर्वर क्रैश हो गया। वीडियो में उन्हें ये कहते सुना गया, पाकिस्तान में आज ही ‘धुरंधर 2 रिलीज हुई और सर्वर क्रैश हो गया। पाकिस्तानी इंतजार ही कर रहे थे कि कब रात के 12 बजें, नेटफ्लिक्स फिल्म डाले और सब एक साथ मिलकर क्लिक करें। इस तरह ‘धुरंधर’ का शौक देखा गया है इधर।

सच हो या झूठ, हमें बस देखना है

माविया ने वीडियो में आगे कहा, अब सच या झूठ कुछ भी दिखाया गया हो, वो अलग बात है, लेकिन पाकिस्तानी ये देखना चाहते हैं कि फिल्म बनी कैसी है। रणवीर सिंह का किरदार कैसा है, यह तो सबको पता है। लयारी में सच में ऐसा हुआ था या नहीं, वह बाद की बात है। उनका इशारा फिल्म की कहानी और उसके ऐतिहासिक तथ्यों की ओर था, जिसे लेकर पाकिस्तान में काफी बहस छिड़ी हुई है।'

पेड्डी’ से दिव्येंदु की आई पहली झलक खलनायक बनकर मचाएंगे तहलका

मुंबई। सुपरस्टार राम चरण की फिल्म ‘पेड्डी’ सोशल मीडिया पर खूब चर्चा बटोर रही है। ‘गेम चेंजर’ (2025) के बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप होने के बाद लोग उनकी इस फिल्म से काफी उम्मीदें लगाए बैठे हैं। फिल्म में जाह्नवी कपूर मुख्य अभिनेत्री के तौर पर नजर आएंगी। इसके अलावा एक और बॉलीवुड अभिनेता हैं, जो ‘पेड्डी’ में तहलका मचाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। यह वेब सीरीज ‘मिर्जापुर’ वाले दिव्येंदु हैं, जिनकी फिल्म से पहली झलक आ गई है। पोस्टर में दिव्येंदु को ‘रामबुज्जी’ के किरदार में पेश किया गया है। फिल्म में उन्हें ग्रामीण आंध्र प्रदेश की क्रिकेट से भरी दुनिया में अपना दबदबा बनाए रखने वाले एक निर्मम खलनायक के रूप में देखा जाएगा। पोस्टर में उनका जोशीला और तीव्र लुक देखने को मिला है, जो कहानी में एक रोमांचक, प्रतिद्वंदी और गंभीर टकराव होने का संकेत देता है। फिल्म का ट्रेलर 18 मई को रिलीज होगा, जबकि ये 4 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

न्याय व्यवस्था के डिजिटली सशक्त होने से प्रक्रियाएं पारदर्शी होंगी : मुख्यमंत्री

न्यायपालिका को अस्पतालों की तरह चौबीस घंटे सातों दिन कार्य करना होगा : सीजेआई

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार फ्रेगमेंटेशन टू फ्यूजन: एम्पावरिंग जस्टिस वाया यूनाइटेड डिजिटल प्लेटफॉर्म इंटीग्रेशन का शनिवार को शुभारंभ हुआ। नेताजी सुभाषचंद बोस कल्चरल एंड इन्फॉर्मेशन सेंटर में आयोजित इस कार्यक्रम में देश के चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया जस्टिस सूर्यकांत मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

हरिभूमि, जबलपुर।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा के साथ दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों तथा प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन कानूनविद एवं न्यायविद उपस्थित थे।

समारोह की शुरुआत राष्ट्रगान से हुई, जिसके बाद विधि क्षेत्र से जुड़े डिजिटल बदलावों पर आधारित एक वृतचित्र प्रस्तुत किया गया। सेमिनार का मुख्य उद्देश्य देश की न्याय प्रणाली में चल रहे अलग-अलग डिजिटल प्रयासों को एकीकृत मंच पर लाने की दिशा में चर्चा करना रहा।

मध्यप्रदेश पुलिस के सहयोग से वॉर्ड स्तर पर स्थापित संकेत समाधान मध्यस्थता केंद्रों का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत सहित कई न्यायाधीश मौजूद रहे। इस दौरान हाईकोर्ट का नया डिजिटल पोर्टल, लाइव स्ट्रीमिंग सिस्टम क्लास, एआई आधारित डेटा मैनेजमेंट सिस्टम 'प्रथम' और ऑनलाइन क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम लॉन्च किया गया। साथ ही वार्षिक रिपोर्ट 2025 का विमोचन और संकेत वाणी ऐप की शुरुआत भी हुई। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि एआई और डिजिटल तकनीक से न्याय प्रक्रिया तेज, पारदर्शी और आसान बनेगी। कोविड काल में भी भारतीय न्यायपालिका ने तकनीक के जरिए काम जारी रखा, जिसकी दुनियाभर में सराहना हुई। उन्होंने कहा कि डिजिटल सिस्टम से आम नागरिक को त्वरित और किफायती न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा, आम नागरिक को त्वरित रूप से न्याय मिल सके इस उद्देश्य से अब हमारी न्यायपालिका को अस्पतालों की तरह 24 घंटे सातों दिन कार्य करना होगा। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्रीसूर्यकांत ने मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह व्यवस्था देश के सभी न्यायालयों में लागू की जाए। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री सूर्यकांत जबलपुर में आयोजित फ्रेगमेंटेशन ऑफ फ्यूजनः एम्पावरिंग जस्टिस वाया-यूनाइटेड डिजिटल प्लेटफार्म इंटीग्रेशन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

डिजिटलीकरण से पारदर्शिता बढ़ेगी : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि न्याय व्यवस्था के डिजिटलीकरण से पारदर्शिता बढ़ेगी और लोगों को जल्दी न्याय मिलेगा। इंटीग्रेटेड डिजिटल प्लेटफॉर्म से कागजी प्रक्रिया कम होगी और फाइलों का तेजी से निपटारा हो सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश सुशासन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश में साइबर तहसील, डिजिटल कैबिनेट और सीएम हेल्पलाइन जैसी व्यवस्थाएं लागू की गई हैं। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट की डिजिटल पहलें मूक-बधिरों और आम नागरिकों के लिए न्याय को आसान बनाएंगी। डॉ. यादव ने सम्राट विक्रमादित्य और भारतीय न्याय परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय जीवन पद्धति में न्याय और सुशासन के मूल्य सदियों से शामिल रहे हैं।

डिजिटल तकनीक से न्याय व्यवस्था मजबूत : न्याय मंत्री मेघवाल

केंद्रीय कानून राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि मध्यप्रदेश ने न्याय प्रक्रिया के डिजिटल इंटीग्रेशन में देश को नई दिशा दी है। एआई, मशीन लर्निंग और डिजिटल तकनीक से न्याय व्यवस्था मजबूत होगी और नागरिकों का भरोसा बढ़ेगा। मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा ने कहा कि हाईकोर्ट का नया डिजिटल प्लेटफॉर्म नागरिकों को फैसलों और दस्तावेजों की ई-कॉपी आसानी से उपलब्ध कराएगा। इससे जमानत आवेदन और ई-समन जैसी प्रक्रियाओं में भी तेजी आएगी। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एन. कोटेश्वर सिंह ने कहा कि संविधान अब एआई युग में पहुंच चुका है। डिजिटल तकनीक से कैदियों की रिहाई, फॉरेंसिक रिपोर्ट और कोर्ट आदेशों में होने वाली देरी कम होगी। जस्टिस आलोक अराधे ने कहा कि कोर्ट, पुलिस, जेल और फॉरेंसिक सेवाओं के डिजिटल एकीकरण से न्याय प्रक्रिया सरल और तेज बनेगी। कार्यक्रम के अंत में जस्टिस विवेक रूसिया ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

यह रहे उपस्थित

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के एडमिनिस्ट्रेटिव जज जस्टिस विवेक रूसिया ने समारोह में उपस्थित सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में सांसद आशीष दुबे, जबलपुर के महापौर जगत बहादुर अन्नू, महाधिवक्ता प्रशांत सिंह, न्यायाधीश, न्यायिक प्राधिकरण से जुड़े प्रशिक्षु, प्रशासन व पुलिस के अधिकारी और बड़ी संख्या में वकील उपस्थित थे।

विधिक व्याख्यान कार्यक्रम में पेपरलेस न्याय व्यवस्था की नई शुरुआत

न्यायपालिका, सरकार और तकनीक का संगम है नई व्यवस्था

संस्कारधानी जबलपुर में आयोजित "डिजिटल ट्रांसमिशनः एडवांसिंग पेपरलेस लीगल सिस्टम" कार्यक्रम में न्यायपालिका, सरकार और तकनीक का अनूठा संगम देखने को मिला। होटल हिल्टन गार्डन इन में आयोजित इस भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, मुख्यमंत्री मोहन यादव, केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल सहित न्यायपालिका और प्रशासन से जुड़े अनेक गणमान्य लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में डिजिटल और पेपरलेस न्याय व्यवस्था को भारतीय न्यायपालिका का भविष्य बताते हुए तकनीक आधारित पारदर्शी न्याय प्रणाली पर विस्तार से चर्चा की गई।

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि अब अदालतों की पहचान लाल कपड़ों में बंधी भारी-भरकम फाइलों से नहीं, बल्कि स्मार्ट तकनीक और डिजिटल सिस्टम से होगी। उन्होंने कोविड-19 काल को न्यायिक व्यवस्था के लिए ऐतिहासिक मोड़ बताते हुए कहा कि वर्चुअल हियरिंग और ई-फाइलिंग ने न्याय प्रक्रिया को नई दिशा दी। उन्होंने जानकारी दी कि सुप्रीम कोर्ट ने अब 'मिसलेनियस डेट्स' पर पूरी तरह वर्चुअल हियरिंग की व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया है।

उन्होंने कहा कि सिक्किम की तरह मध्य प्रदेश भी पूर्णतः पेपरलेस व्यवस्था की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है, जो पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण कदम है। साथ ही उन्होंने चेताया कि डिजिटल परिवर्तन "डिजिटल बहिष्कार" का कारण नहीं बनना चाहिए। ग्रामीण और वरिष्ठ नागरिकों के लिए तकनीक को सरल एवं सुलभ बनाने की आवश्यकता पर उन्होंने विशेष जोर दिया। मुख्यमंत्री ने आदि शंकराचार्य और मंडन मिश्र के ऐतिहासिक शास्त्रार्थ का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय न्याय परंपरा सदैव निष्पक्षता और संवाद पर आधारित रही है। उन्होंने कहा कि समाज और शासन की जटिलताओं के कारण मामलों में देरी होती है, लेकिन न्यायालयों के ऐतिहासिक फैसले लोकतंत्र को नई मजबूती प्रदान करते हैं। मुख्यमंत्री ने जबलपुर को सौभाग्यशाली नगर बताते हुए कहा कि माँ नर्मदा नदी का विशेष आशीर्वाद इस शहर को प्राप्त है। उन्होंने कहा कि नर्मदा की निर्मल धारा भारतीय संस्कृति, शुचिता और आध्यात्मिक चेतना की प्रतीक है। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कार्यक्रम को न्यायपालिका, सरकार और तकनीक का शानदार संगम बताया। उन्होंने कहा कि पहले संसद में भारी-भरकम दस्तावेज ले जाने पड़ते थे, लेकिन आज संसद पूरी तरह पेपरलेस हो चुकी है और बजट मोबाइल पर उपलब्ध है। उन्होंने उम्मीद जताई कि मध्य प्रदेश विधानसभा भी इसी दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगी। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा ने कहा कि वर्ष 2008-09 में अदालतों में लैपटॉप ले जाने पर प्रतिबंध था, लेकिन आज तकनीक ने पूरी व्यवस्था बदल दी है। उन्होंने बताया कि अब सरकार से जुड़े मामलों की डिजिटल पहुंच उपलब्ध है और नोटिसों के डिजिटल ट्रांसमिशन से जवाब तेजी से प्राप्त हो रहे हैं। कार्यक्रम के शुभारंभ में महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम दीप प्रज्वलन, राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान के साथ शुरू हुआ। इस अवसर पर सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, सांसद आशीष दुबे, महापौर जगत बहादुर अन्नू, मुख्य सचिव अनुराग जैन, प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी, प्रशिक्षु और बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे।

51500 रुपये शास्ति, शमन -शुल्क वसूल किया गया

बिना परमिट दौड़ रही बाराती बस पर परिवहन विभाग की कार्वाई

हरिभूमि, जबलपुर।

मंडला से जबलपुर की ओर बरात लेकर आ रही एक यात्री बस को परिवहन विभाग केसम्भागीय उड़नदस्ता दल ने जांच के दौरान पकड़ा। जांच में पाया गया कि बस बिना वैध परमिट, बिना बीमा तथा बिना प्रदूषण प्रमाणपत्र के संचालित

की जा रही थी। नियमों के उल्लंघन पाए जाने पर परिवहन विभाग द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए वाहन को रोककर आरटीओ परिसर में जब्त किया गया। सम्भागीय उड़न दस्ता प्रभारी विक्रम सिंह ठाकुर की जानकारी के अनुसार उड़नदस्ता दल द्वारा नियमित वाहन जांच अभियान के दौरान उक्त बस को रोका गया। दस्तावेजों की जांच में वाहन चालक वैध परमिट प्रस्तुत नहीं कर सका। साथ ही वाहन का बीमा एवं प्रदूषण प्रमाणपत्र भी अनुपलब्ध पाया गया। परिवहन नियमों के गंभीर उल्लंघन को देखते हुए बस को जब्त कर आरटीओ कार्यालय परिसर में खड़ा कराया गया। हालांकि, विभाग द्वारा मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए बस में सवार बरातियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा गया। आरटीओ अधिकारियों द्वारा बरातियों को ससम्मान उनके गंतव्य तक पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित कराई गई, जिसके बाद वाहन को विधिवत जब्त किया गया। परिवहन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार आज दिनांक को वाहन स्वामी द्वारा विभिन्न नियम उल्लंघनों के संबंध में कुल 51 हजार 500 रुपये का शास्ति संबंधी शुल्क जमा किया गया। आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत वाहन को रिलीज कर दिया गया। परिवहन विभाग ने वाहन संचालकों से अपील की है कि सभी आवश्यक दस्तावेज जैसे वैध परमिट, बीमा एवं प्रदूषण प्रमाणपत्र अद्यतन रखें तथा नियमों का पालन करते हुए ही वाहनों का संचालन करें, जिससे सड़क सुरक्षा एवं यात्री हित सुनिश्चित हो सके। इस कार्यवाही में प्रभारी विक्रम सिंह ठाकुर, परिवहन आरक्षक इम्तियाज हुसैन, वन्दना परतेती, आशुतोष मोघे के साथ समस्त स्टॉफ मौजूद रहा।

350 पाव देशी शराब एवं एक्सिस जप्त

जबलपुर। शहपुरा पुलिस ने ग्राम बरगी से पहले नहर पुलिया के पास एक्सिस में अवैध रुप से शराब बेच रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से 350 पाव देशी शराब और घटना में प्रयुक्त एक्सिस वाहन जब्त किया है। शहपुरा थाना प्रभारी प्रवीण धुर्वे ने बताया कि गत रात मुखबिर की सूचना पर एक्सिस क्रमांक एमपी 20 जेडसी 1892 में शराब लेकर डोभी अहरोरा तरफ बेचने के लिए जा रहे ग्राम कनवास शहपुरा निवासी 22 वर्षीय आकाश सिंह लोधी को ग्राम बरगी से पहले नहर पुलिया के पास गिरफ्तार कर उसके पास से 350 पाव देशी शराब और एक्सिस वाहन जब्त की है।

स्वच्छ और सुगम रांझी के लिए निगम सख्त

जबलपुर। शहर को स्वच्छ, सुंदर और यातायात को सुगम बनाने के लिए नगर निगम जबलपुर इन दिनों पूरी मुस्तैदी से मैदान पर डटा हुआ है। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के निर्देशानुसार शहर के सभी संभागों में लगातार सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने और सड़कों को अतिक्रमण मुक्त करने की कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में आज, 16 मई 2026 को संभाग क्रमांक 10 रांझी में नगर निगम के अतिक्रमण दल और स्वास्थ्य विभाग की टीम ने एक संयुक्त और प्रभावी कार्रवाई की। क्षेत्र गुप्ता स्वीट्स द्वारा दुकान के बाहर सड़क पर अतिक्रमण करने और प्रतिष्ठान के आस-पास गंदगी फैलाने की शिकायतें सामने आ रही थीं, जिससे राहगीरों और यातायात को असुविधा हो रही थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर तत्काल चालानी कार्रवाई की। नगर निगम की इस त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई की स्थानीय नागरिकों और राहगीरों ने भी सराहना की है, क्योंकि इससे रांझी क्षेत्र के मुख्य मार्गों पर यातायात सुगम होगा और स्वच्छता के प्रति अन्य दुकानदारों में भी जागरूकता आएगी। निगम प्रशासन ने सभी नागरिकों और व्यापारी बंधुओं से अपील की है कि वे अपनी दुकानों का सामान सीमा के भीतर ही रखें और कचरा डस्टबिन में ही डालें, ताकि जबलपुर को नंबर वन और आदर्श शहर बनाया जा सके।

गुप्ता स्वीट्स पर लगाया स्पॉट फाइन

प्रत्येक स्नातक पाठ्यक्रम में शहीदों की विधवाओं एवं संतानों के लिए अब एक सीट रहेगी आरक्षित

जबलपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की घोषणा के परिपालन में उच्च शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सभी स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में पुलिस, होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा (सिविल डिफेंस) में शहीद होने वाले कर्मियों की विधवाओं तथा उनके आश्रित बच्चों के लिए एक अतिरिक्त सीट आरक्षित की है। आयुक्त उच्च शिक्षा द्वारा इस संबंध में सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। विभागीय निर्देशानुसार प्रत्येक स्नातक पाठ्यक्रम में स्वीकृत सीटों के अतिरिक्त एक सुपरन्यूमेरेरी (अतिरिक्त) सीट निर्धारित की गई है, इससे नियमित सीटों की संख्या प्रभावित नहीं होगी। इस आरक्षण का लाभ केवल पात्र अभ्यर्थियों को सक्षम प्राधिकारी(गृह विभाग अथवा संबंधित विभाग) द्वारा जारी प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर मिलेगा। पात्र अभ्यर्थियों को ऑनलाइन प्रवेश पोर्टल पर पृथक श्रेणी के अंतर्गत आवेदन करना होगा।

उच्च शिक्षा विभाग ने समस्त विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों को जारी किए निर्देश

जुआ के फड़ पर छापा

जबलपुर। मदनमहल पुलिस ने सागर होटल तीन पत्ती के पास चल रहे एक जुए के फड़ पर छापा मारकर 5 जुआड़ियों को गिरफ्तार कर उसके पास से 3 हजार 600 रुपए जब्त किए है। मदनमहल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार गत रात मुखबिर की सूचना पर सागर होटल तीन पत्ती के पास जुआ मन्ना खेल रहे 29 वर्षीय सलमान, 35 वर्षीय वसीम खान, 33 वर्षीय जावेद, 29 वर्षीय मोह. फेदर, 31 वर्षीय इकराम को गिरफ्तार कर उनके पास से ताश के 52 पत्ते एवं 3 हजार 600 रूपये जप्त करते हुये सभी जुआड़ियों के विरूद्ध धारा 13 जुआ एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

असामाजिक तत्वों के खिलाफ पुलिस ने की कार्वाई

जबलपुर। शहर पुलिस ने जुआ, सट्टा खिलाने वालों एवं अवैध मादक पदार्थ, अवैध हथियार, अवैध शराब के कारोबार में लिप्त, चोरी, नकबजनी व मारपीट करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसी प्रकार मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये 94 वाहन चालकों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुये 48 हजार 400 रूपये समन शुल्क वसूला गया।

कंट्रोलरुम से प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले 24 घंटे में आदतन अपराध करने वाले 13 आरोपियों के विरूद्ध धारा 129 बी.एन.एस.एस. (110 जा.फौ.) के तहत, तथा वाद विवाद करने वाले 86 व्यक्तियों के विरूद्ध 126/135 (3) बी.एन.एस.एस (107/116 जा.फौ.) के तहत, एवं 5 व्यक्तियो के विरूद्ध धारा 170 बी.एन.एस.एस (151 जा.फौ.) के तहत की गयी है, इसी प्रकार पिछले कई वर्षो से फरार 2 गैरम्यादी, 18 म्यादी वारंटी, को गिरफ्तार किया गया है एवं 46 जमानती वारंट तामील किये गये तथा अवैध शराब के कारोबार में लिप्त 66 व्यक्तियों के विरूद्ध आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये 51 बॉटल अंग्रेजी एवं 755 पाव देशी, अंग्रेजी एवं 21 लीटर कच्ची शराब जप्त की गयी तथा 2 व्यक्तियो के विरूद्ध 25 आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये 2 चाकू जप्त किये गये एवं 9 जुआडियों को जुआ खेलते हुये एवं 3 सटोरियों को सट्टा लिखते हुये रंगे हाथों पकडा गया जुआडियो एवं सटोरियो के कब्जे से 5 हजार 770 रूपये जप्त किये गये।

कार की टक्कर से 2 युवक घायल

जबलपुर। मझौली थाना अतंर्गत बचैया मेन रोड ग्राम मोहनिया बगीचा के पास खड़े होकर बात कर रहे चार युवकों में दो युवकों को एक कार ने टक्कर मार दी, जिससे दोनों युवक घायल हो गए, वहीं कार चालक मौके से फरार हो गया। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। मझौली पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बेलखाडू कटंगी निवासी 31 वर्षीय इरशाद अंसारी अपने भाई शहजाद और कर्मचारी कमल रैदास, आसिफ अंसारी के साथ ग्राम बिछिया से टेंट का सामान लोडिंग वाहन में लोडकर ग्राम बेलखाडू जा रहे थे। शाम लगभग 7 बजे बचैया मेन रोड ग्राम मोहनिया बगीचा के पास पहुंचे और गाड़ी किनारे लगाकर चारों निस्तार कर वहीं पेड के पास खड़े होकर आपस में बातचीत कर रहे थे तभी बचैया तरफ से आ रही कार क्रमांक एमपी 20 एफए 6016 के चालक ने शहजाद एवं कमल को टक्कर मार दी, जिससे दोनों घायल हो गए, वहीं कार चालक भीड़ एकत्रित होते देख वहां से भाग गया। इरशाद और आसिफ ने दोनों घायलों को उपचार हेतु जबलपुर भिजवाया है। पुलिस ने आरोपी कार चालक के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 281, 125(ए) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

परिजनों ने आत्महत्या की थ्योरी पर उठाए सवाल

कृष्णा विहार में युवक की संदिग्ध मौत

जबलपुर। शहर के कृष्णा विहार इलाके में 27 वर्षीय युवक अखिलेश लोधी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। घटना के बाद परिजनों ने पुलिस द्वारा इसे आत्महत्या मानने पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

मृतक के बड़े भाई आकाश लोधी का कहना है कि जब वे घटनास्थल पर पहुंचे तो उनके भाई का शव सोफे पर पड़ा हुआ था। उन्होंने बताया कि जिस गमछे से फांसी लगाने की बात कही जा रही है, वह नीचे फर्श पर पड़ा मिला। इसके अलावा कमरे का दरवाजा भी अंदर से बंद नहीं था, बल्कि धक्का देने पर आसानी से खुल गया। परिजनों का कहना है कि घटनास्थल की परिस्थितियां आत्महत्या की ओर इशारा नहीं करतीं। इसी वजह से उन्होंने पूरे मामले को संदिग्ध बताते हुए हत्या की आशंका जताई है।

परिवार ने मृतक के साथ रहने वाले रूममेट सिद्धार्थ पटेल पर भी सवाल उठाए हैं। परिजनों का आरोप है कि घटना के बाद सिद्धार्थ ने मृतक के फिंगरप्रिंट का इस्तेमाल कर उसका मोबाइल फोन अनलॉक किया और कुछ लोगों को फोन कर घटना की जानकारी दी। मृतक के भाई आकाश लोधी ने पुलिस प्रशासन से अपील की है कि मामले में किसी एक व्यक्ति के बयान के आधार पर निष्कर्ष न निकाला जाए। उन्होंने घटनास्थल से मिले साक्ष्यों के आधार पर गहन और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है, ताकि मौत के पीछे की वास्तविक वजह सामने आ सके। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट सहित अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की बात कही जा रही है।

बरगद और पीपल की परिक्रमा की गई

महिलाओं ने रखा वट सावित्री का व्रत

जबलपुर। शनिवार को वट सावित्री का पर्व मनाया गया। इस दिन सुहागिनें पति की दीर्घायु और परिवार की सुख शांति के लिए वट सावित्री की पूजा करती है। वट सावित्री व्रत में 'वट' और 'सावित्री' दोनों का खास महत्व माना गया है। पीपल की तरह वट या बरगद के पेड़ का भी विशेष महत्व है। पुराणों की मानें तो वट वृक्ष में ब्रह्मा, विष्णु व महेश तीनों का वास है।

वट सावित्री व्रत का महत्व

इस व्रत में बरगद पेड़ के चारों ओर घूमकर रक्षा सूत्र बांधा और आशीर्वाद मांगा। इस अवसर पर सुहागिनों एक-दूसरे को सिंदूर लगाती हैं। इसके अलावा पुजारी से सत्यवान और सावित्री की कथा सुनती हैं। नवविवाहिता सुहागिनों में पहली बार वट सावित्री पूजा का अलग ही उत्साह रहता है।

वट सावित्री के व्रत के दिन बरगद पेड़ के नीचे बैठकर पूजन, व्रत कथा सुनने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इस व्रत में महिलाएं सावित्री-सत्यवान की कथा सुनती हैं। वट वृक्ष के नीचे बैठकर ही सावित्री ने अपने पतिव्रत से पति सत्यवान को दोबारा जीवित कर लिया था। दूसरी कथा के अनुसार मार्कण्डेय ऋषि को भगवान शिव के वरदान से वट वृक्ष के पत्ते में पैर का अंगूठा चूसते हुए बाल मुकुंद के दर्शन हुए थे, तभी से वट वृक्ष की पूजा की जाती है। वट वृक्ष की पूजा से घर में सुख-शांति, धनलक्ष्मी का भी वास होता है। वट वृक्ष रोग नाशक भी है।

दुर्गा हनुमान मंदिर परिसर में श्रद्धा के साथ मनाया गया वट सावित्री व्रत

जबलपुर। ज्येष्ठ मास की कृष्ण पक्ष अमावस्या पर सार्वजनिक दुर्गा हनुमान मंदिर प्रांगण, सरस्वती कॉलोनी में वट सावित्री व्रत पूजन श्रद्धा एवं उल्लास के साथ संपन्न हुआ। सुबह से ही बड़ी संख्या में मातृशक्तियों ने अखंड सौभाग्य एवं परिवार की सुख-समृद्धि की कामना के साथ वट वृक्ष का विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया। महिलाओं ने वट वृक्ष को रक्षासूत्र, रोरी, चंदन, सुपारी, अक्षत, नारियल, बरगद फल, मिठाई, दीपक एवं इत्र अर्पित कर आरती की तथा वट सावित्री व्रत कथा का श्रवण किया। पूजन के दौरान महिलाओं ने वट वृक्ष की परिक्रमा करते हुए भजन-कीर्तन एवं मंगल गीत गाकर पर्व को उत्साहपूर्वक मनाया। इस अवसर पर बताया गया कि वट वृक्ष में ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश तीनों देवताओं का वास माना जाता है तथा सावित्री माता की विशेष पूजा का महत्व है। कार्यक्रम में प्रतिभा भापकर, अनिता गुप्ता, शकुन ठाकुर, रश्मि चौधरी, किशोरी सोनी, सुनीता शर्मा, सुषमा अग्रवाल, अनु कूचियां, अर्चना पटेल, सुमन चौहान, सरिता शास्त्री, रेखा तिवारी, पूजा शर्मा, रजनी पटेल, वंदना बिल्थरिया, नीलू उपाध्याय, रानी तिवारी, गीत सुहाने, संध्या सोनी, मुनमुन सोनी, सुमन पांडे, राखी कोष्टा, पं. वीरेंद्र दुबे, अध्यक्ष देवेंद्र नेमा सहित समिति के अनेक भक्तजन एवं मातृशक्तियां उपस्थित रहीं।

स्लॉट बुकिंग बंद, गेहूं की सरकारी खरीद में बनी रोड़ा

स्टॉल बुकिंग बंद होने से अन्नदाता की उपज की नहीं हो रही तौल

सिहोरा। इस साल गेहूं की सरकारी खरीदी पूरी तरह से प्रशासन तंत्र की अव्यवस्था की भेंट चढ़ गई है।बीते 15 दिनों से गेहूं की सरकारी खरीद केंद्र में स्लाट बुकिंग बंद होने से खरीद केंद्र में उपज बेचने पहुंचे उपज की तौल नहीं होने से हजारों क्विंटल खुले आसमान के नीचे भगवान भरोसे पड़ा है उपज की तौल नहीं होने से अन्नदाताओं में जबरदस्त हताशा बनी है किसान संगठनों के पदाधिकारी ने बीते करीब 15 दिनों से स्लॉट बुकिंग बंद होने पर आक्रोश जताया है। ग्राम पंचायत सरपंच लमकना उर्मिला बहादुर पटेल,आनंद यादव,छोटे लोधी,सुधा पटेल,संतोष यादव,राम सहाय पटेल संगीत पटेल मुन्नी बाई पटेल,बसंत कुमार,भारत कृषक समाज संरक्षक सुबोध पांडे,तहसील अध्यक्ष एडवोकेट रामगोपाल पटेल,भारतीय किसान संघ के सुरेश पटेल,आशीष पटेल,गंगा पटेल ने बताया इस वर्ष गेहूं की सरकारी खरीद में प्रशासन में अन्नदाताओं को जबरदस्त धोखा दिया है इस वर्ष पहले करीब 15 दिनों की देरी से सरकारी खरीद शुरू हुई 1 अप्रैल से स्लॉट बुकिंग की प्रक्रिया शुरू हुई जो 5 दिन चलने के बाद 5 अप्रैल को बंद हो गई स्लॉट बुकिंग बंद होने पर प्रशासन ने अन्नदाताओं को भरोसा दिलाया कि सरवर की गड़बड़ी के कारण स्लॉट बुकिंग बंद हो गई इसे जल्द से दुरुस्त करा कर स्लॉट बुकिंग शुरू करा दी जाएगी बीते 15 दिनों से प्रशासन का अन्नदाताओं को दिया भरोसा धोखा साबित हुआ 15 दोनों से प्रशासन ना तो सर्वर की गड़बड़ी दूर कर पाया और और ना ही किसानों की स्लॉट शुरू हो पाई इस दौरान प्रशासन ने खरीद केंद्रो में 10 अप्रैल से गेहूं की सरकारी खरीदी शुरू कर दी स्लॉट बुकिंग की आशा में अन्नदाता खरीद केंद्र में उपज लेकर पहुंचते जरूर है लेकिन स्लॉट बुकिंग नहीं होने से अन्नदाता के खून पसीने की मेहनत से उगाई उपज खुले आसमान के नीचे लावारिस पड़ी है मौसम के बदलते तेवर में अंधड़ बे मौसम की बारिश होने से किसानों का दिल बैठ जाता है की कहानी उनकी मेहनत सारी माटी में मिल जाएं।

100 वर्ष पुराने कोसम वृक्ष की छाया में गूंजे आस्था और एकता के स्वर

जबलपुर। गोरैया घाट स्थित अनूप विहार एडब्ल्यूएचओ कॉलोनी में 15 मई को नव-निर्मित सर्वधर्म स्थल में विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भव्य प्राण-प्रतिष्ठा समारोह सम्पन्न हुआ। लगभग 100 वर्ष पुराने कोसम वृक्ष की छाया में आयोजित इस समारोह में आस्था, श्रद्धा और सामाजिक एकता का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम में कॉलोनी के अनेक सदस्य एवं उनके परिवारजन उत्साहपूर्वक शामिल हुए। समारोह में कैंट विधायक अशोक रोहाणी, कोल इंडिया के डायरेक्टर अखिलेश जैन एवं नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने सर्वधर्म स्थल पहुंचकर पूजा-अर्चना की तथा महिलाओं से आशीर्वाद प्राप्त कर नारी शक्ति के सम्मान का संदेश दिया। इस दौरान उन्होंने कॉलोनीवासियों से विकास कार्यों एवं समस्याओं को लेकर चर्चा कर हरसंभव सहयोग का आश्वासन भी दिया। अनूप विहार में निर्मित सर्वधर्म स्थल को सामाजिक समरसता, एकता एवं सनातन संस्कृति का प्रतीक बताया गया। आयोजन को सफल बनाने में कर्नल दीपक अग्रवाल, विंग कमांडर सतीश शर्मा, कर्नल राजेश मिश्रा, जतिंदर फ्लोरा, बिट्टू बेदी, डी.के. बाजपेयी एवं अनिल द्विवेदी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। समारोह के अंत में उपस्थित लोगों ने सर्वधर्म स्थल को सामाजिक एवं सांस्कृतिक चेतना का केंद्र बताते हुए इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बताया। इस अवसर पर संजय यादव, संदीप रजक एवं अमर सिंह महोबिया सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

खुले में पड़ा हजारों क्विंटल गेहूं मौसम की मार से किसान चिंतित

बरेला। शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के लिए महंगवा रोड स्थित राय वेयरहाउस में बनाए गए खरीदी केंद्र पर किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। केंद्र में हजारों क्विंटल गेहूं खुले में पड़ा हुआ है, जिससे बदलते मौसम के बीच किसानों की चिंता बढ़ गई है। बताया जा रहा है कि वेयरहाउस में पर्याप्त जगह एवं पल्लेदारों की कमी के कारण खरीदा गया गेहूं अंदर नहीं रखा जा पा रहा है। ऐसे में किसान अपनी उपज की स्वयं रखवाली करने को मजबूर हैं। मौसम की बेरुखी के चलते किसानों को फसल खराब होने का डर सताने लगा है। खरीदी केंद्र में स्लॉट बुकिंग की समस्या से भी किसान परेशान हैं। जानकारी के अनुसार अब तक 297 किसानों से करीब 22 हजार क्विंटल गेहूं की खरीदी की जा चुकी है। बावजूद इसके खुले में पड़ा अनाज शासन की परिवहन एवं भंडारण व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहा है। किसानों ने प्रशासन से जल्द उचित व्यवस्था करने की मांग की है।

शनि मंदिरों में दिनभर लगा रहा भक्तों का तांता

सिहोरा।

शनि जयंती पर नगर उपनगर के सभी शनि मंदिरों में दिनभर भक्तों का तांता लगा रहा। सुबह से भक्त गण भगवान शनिदेव का पूजन अर्चन अभिषेक करने आतुर नजर आये। भीड़ इतनी अधिक थी की सभी भक्तगणों ने कतारबद्ध होकर पूजन कर आशिर्वाद प्राप्त किया। नगर के सिविल कोर्ट के पास,दुर्गा मंदिर एंव रेलवे स्टेशन के पास स्थित शनि मंदिरों में न्याय के देवता का पूजन अर्चन करने सुबह से भक्तों का तांता लगा रहा तथा दिनभर भंडारे के प्रसाद का वितरण चलता रहा भक्तों के लिए कोर्ट के सामने स्थित शनि मंदिर विशेष महत्व रखता है जिस कारण हर शनिवार को भगवान को तेल एंव अन्य सामग्री अर्पित करने भक्तों की लाइन लगी रहती है। आयोजन को सफल बनाने में मंदिर समिति के पंडित रामकुमार उपाध्याय,मंदिर समिति के सदस्य संतोष श्रीवास,जगदीश दुबे,मक्खन पटेल, राकेश यादव,पप्पू सैनी, मुकेश विश्वकर्मा, पिंकू दाहिया, प्रकाश सेन आदि का योगदान रहा।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस मंडल के सदस्य बने अनिल विश्वकर्मा

जबलपुर। भारतीय जनता पार्टी, जबलपुर महानगर के सोशल मीडिया विभाग ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस मंडल की नई कार्यकारिणी घोषित की है। जिला संयोजक राहुल दुबे द्वारा जारी पत्र के अनुसार अनिल विश्वकर्मा को मंडल सदस्य नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल के निर्देश पर प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी, जिलाध्यक्ष रत्नेश सोनकर सहित वरिष्ठ नेताओं की सहमति से की गई। अनिल विश्वकर्मा अब मंडल स्तर पर पार्टी की सोशल मीडिया गतिविधियों को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएंगे। उनके साथ मंडल संयोजक अमितेश श्रीवास्तव और सहसंयोजक राज रैकवार (सावन) सहित कुल सात सदस्यीय टीम बनाई गई है।

दिव्यांगों को मिलेगा नया सहारा निःशुल्क कृत्रिम अंग वितरण शिविर आज भी

जबलपुर। जायंट्स ग्रुप ऑफ इंदौर, संस्कार सेवा उत्सव समिति, रोटरी क्लब वेस्ट जबलपुर एवं सेवा भारती महाकौशल के संयुक्त तत्वावधान में "दिव्यांगता मुक्त भारत अभियान" के अंतर्गत 15 से 17 मई 2026 तक निःशुल्क कृत्रिम अंग (हाथ-पैर) एवं कैलिपर्स वितरण शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में दिव्यांगजनों का परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क कृत्रिम अंग एवं कैलिपर्स प्रदान किए जाएंगे। शिविर का आयोजन स्वामी चिदानंद सरस्वती महाराज की प्रेरणा से होम साइंस रोड स्थित सांसद कार्यालय के बाजू वाली गली, सी.वी. सैलून एवं श्रीराम फाइनेंस के सामने किया जाएगा। शिविर प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे तक संचालित रहेगा। संस्कार सेवा उत्सव समिति के अध्यक्ष डॉ. सुधांशु गुप्ता ने बताया कि अभियान का उद्देश्य दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है। इस अवसर पर डॉ. सुभाष सुधांशु गुप्ता, आत्माराम संगठन मंत्री, रोटरी क्लब जबलपुर वेस्ट के अध्यक्ष डॉ. संजय खन्ना, राजेश गुप्ता, दिनेश गुप्ता, कुमार सदानी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पुरुषोत्तम मास में श्री दत्त महायज्ञ 21 से 20 मई को निकलेगी भव्य कलश यात्रा

जबलपुर। श्री दत्त भजन मंडल द्वारा पुरुषोत्तम मास के अवसर पर 21 से 25 मई 2026 तक श्री दत्त मंदिर परिसर में पंचदिवसीय भव्य एवं दिव्य श्री दत्त महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। महायज्ञ की पूर्व संध्या पर 20 मई, बुधवार को सायंकाल भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी, जो श्री दत्त मंदिर से प्रारंभ होकर गोलबाजार क्षेत्र का भ्रमण करते हुए पुनः मंदिर पहुंचेगी। यात्रा में भगवान श्री दत्तात्रेय की आकर्षक पालकी, साधु-संतों की गरिमामयी उपस्थिति तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। संस्था के सचिव शरद आठले ने बताया कि 94 वर्षों के इतिहास में पहली बार श्री दत्त भजन मंडल द्वारा इतना भव्य आयोजन किया जा रहा है। महायज्ञ प्रतिदिन दो चरणों में संपन्न होगा। प्रथम चरण प्रातः 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा द्वितीय चरण सायं 4 बजे से 6.30 बजे तक आयोजित किया जाएगा, जिसके बाद महाआरती होगी। महायज्ञ के मुख्य आचार्य पं. वेदमूर्ति कृष्णाशास्त्री आर्वीकर (नागपुर) एवं उप आचार्य पं. गणेश नारायण पाळंदे शास्त्री (वाराणसी) रहेंगे। आयोजन में वैदिक मंत्रोच्चार, हवन-यज्ञ, पूर्णाहुति, गुरुचरित्र एवं गुरु माहात्म्य पारायण, भजन संध्या तथा महाप्रसाद का आयोजन किया जाएगा। मुख्य यजमान सौ. माधुरी नाजवाले एवं सुनील नाजवाले रहेंगे। कार्यक्रम में शामिल होने की अपील संस्था के संरक्षक डॉ. जितेंद्र जामदार, डॉ. मानिक पानसे, डॉ. अर्चना मुठ्ये, न्या. डी.एम. धर्माधिकारी, न्या. प्रकाश नावलेकर, विजय भावे, शरद आठले, मनीष वैद्य, डॉ. सुनील देशपांडे, नितीन देसाई, डॉ. शिरीष नाईक, विलास ताम्हनकर, अजय फाटक एवं श्रीपाद परांजपे ने की है।

जीसीएफ गुरुद्वारा में सेवादारों को किया गया सम्मानित

जबलपुर। जबलपुर के रांझी स्थित जीसीएफ गुरुद्वारा में जेठ महीने की संगराद मनाई गई, कार्यक्रम का शुभारंभ शबद कीर्तन और सर्वत्र के भले की अरदास के साथ हुआ। तत्पश्चात करीब लगभग 100 से अधिक सेवादारों को उनकी विशिष्ट सेवाओं के लिए प्रबंधक कमेटी द्वारा सम्मानित किया गया। कमेटी के वरिष्ठ पदाधिकारी ने बताया कि सन 1944 में आजादी के पहले पूरे हिंदुस्तान में सबसे पहले जीसीएफ गुरुद्वारे में बैसाखी पर्व मनाया गया था, जो की एक ऐतिहासिक कदम बताया जाता है जो की आज निरंतर इस परंपरा को हर वर्ष बड़े ही हर्षोल्लास एवं धूमधाम से उत्साहपूर्वक माहौल में वाहेगुरु जी की मेहर से मनाया जाता आ रहा है। आज के इस कार्यक्रम के लिए पदाधिकारियों ने जीसीएफ प्रबंध कमेटी रांझी तथा मदन महल की प्रबंध कमेटी का आभार व्यक्त किया।

बिना नंबर के डंपरों से धड़ल्ले से हो रहा अवैध उत्खनन, प्रशासन मौन

बरेला।

महंगवा, कुकरीखेड़ा, सिलगौर, हिनौतिया, बारह सहित आसपास के क्षेत्रों में इन दिनों अवैध उत्खनन का कारोबार तेजी से फल-फूल रहा है। आरोप है कि समतलीकरण के नाम पर किसानों की जमीनों से बड़े पैमाने पर हार्ड मुरम निकाली जा रही है और बिना नंबर के डंपरों से शहर एवं आसपास की कॉलोनियों में पहुंचाई जा रही है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में दिनभर बिना नंबर के हाईवा और डंपर दौड़ते रहते हैं, लेकिन इसके बावजूद प्रशासन द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। ग्रामीणों ने खनन माफियाओं पर राजस्व, खनिज विभाग एवं पुलिस प्रशासन से सांठगांठ कर निर्भीक होकर अवैध उत्खनन करने के आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से अवैध खनन पर तत्काल रोक लगाने एवं बिना नंबर के वाहनों पर कार्रवाई की मांग की है।

In The Court Of XXXIV Civil Judge, Class-I District Court, Jabalpur
Presiding Officer:ऋचा बठेजा
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
(RCS A/0000086/2026)
अमर सिंह ठाकुर............वादी
Vs
संदीप श्रीवास्तव.........प्रतिवादी
Process Id- /2026
पेशी दिनांक :- 08/07/2026
प्रेषिती-
(1) शांति बाई कोष्टा पति मन्नूलाल कोष्टा पता:108-B, रानी दुर्गावती रोड, गढ़ा जिला जबलपुर, मध्यप्रदेश

यह कि प्रार्थी अमर सिंह ठाकुर ने आपके विरूद्ध आरसीएस ए दावा वास्ते स्वत्व की घोषणा एवं स्थायी निषेधाज्ञा के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात /हाजिर होने के लये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 09 May 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

(सील) (ऋचा बठेजा) न्यायाधीश
34वें व्यवहार न्यायाधीश, वरिष्ठ खण्ड, जबलपुर (म.प्र.)

कृपया ध्यान दें:- 1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

शनिचरी अमावस्या पर विशेष पूजन अभिषेक

जबलपुर। शनिचरी अमावस्या पर कल मंदिरों में विशेष अभिषेक पूजन किये गये। तिलवाराघाट स्थित शनि धाम में, सदर स्थित शनि मंदिर में, अमावस्या के मोके पर सुबह पूजन हुआ और शाम को शनि देव का अभिषेक किया गया। इस अवसर पर भगवान शनिदेव को 56 भोग अर्पित किये गये। सुबह से शुरू हुआ भण्डारा देर रात तक चला। बहुत से श्रद्धालुओं ने शनिवार को सूर्य पुत्र भगवान शनि के साथ-साथ सूर्यदेव श्रीराम भक्त हनुमान का पूजन अर्चन कर पुण्य लाभ अर्जित किया। गौरीघाट श्री रामलला मंदिर में भी प्रातः 7 बजे शनिदेव का पूजन और तेलाभिषेक किया गया। रात्रि 11 बजे महाआरती हुई।

शनिवार के दिन पड़ने वाली अमावस्या को शनिचरी अमावस्या कहा जाता है। इस दिन भगवान शनिदेव का विशेष पूजन अर्चन करने से भगवान सभी कष्टों को हर लेते हैं। ज्योतिष शास्त्रियों के मुताबिक शनिचरी अमावस्या पर शनिदेव का पूजन करने के बाद तिल, तेल और कम्बल का दान करना शुभ माना जाता है। कल सुबह से ही भगवान शनि देव की आराधना में श्रद्धालु लीन रहे। सुबह से देर रात तक पूजा अर्चना का क्रम चला।

CHANGE OF NAME
I, ARMY No. 15435590H, RANK-NK, NAME BRIHATH K S/O SURESH BABU K, OF UNIT MH,JABALPUR (M.P.), R/O AISWARYA HOUSE PANTHEERPADAM, O, KUNNAMANGLAM, PO KUNNAMANGLAM, DIST. KOZHIKODE, KERALA 673571 solemnly declare and affirm on oath under :-I state that in my Mother Aadhar card No. 539629293552 and Pan card No RVLPS4770J, my Mother Name SUDHA which is true and correct but in my Army service Record my Mother Name is recorded SUDHA EK Which is incorrect.I state that the true and correct Name of my Mother is SUDHA and same Name shall be corrected in my Army service Record.
CORRECT NAME-SUDHA
INCORRECT NAME-SUDHA EK

श्री अशोक कुमार सूद- अवधपुरी कॉलोनी गौरीघाट रोड निवासी श्री अशोक कुमार सूद (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अमरजीत सिंह अहलूवालिया- कचनार कैसल सिविल लाइन निवासी श्री अमरजीत सिंह अहलूवालिया (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती शांता बाई देवकर- गढ़ाफाटक निवासी श्री श्याम राम देवकर की धर्मपत्नी श्रीमती शांता बाई देवकर (88) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री बाबू लाल शिवहरे- सेवक की दुकान के पास करियापाथर निवासी श्री बाबू लाल शिवहरे (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती रामकली कोल- साईं नगर नयागांव रामपुर निवासी श्री रामाधार कोल की धर्मपत्नी श्रीमती रामकली कोल (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री कृष्ण कुमार श्रीवास्तव- श्रद्धा कॉलोनी उखरी रोड निवासी श्री कृष्ण कुमार श्रीवास्तव (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल मोक्षधाम में किया गया।

श्री तेजी लाल अहिरवार- श्री रामलला मंदिर के पास गौरीघाट निवासी श्री तेजी लाल अहिरवार (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राजू ठाकुर- मुंडी टोरिया मोहनिया रांझी निवासी श्री राजू ठाकुर (56) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती बसंती बाई- कंचनपुर अधारताल निवासी श्री रिखीराम की धर्मपत्नी श्रीमती बसंती बाई (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती तारा बाई ठाकुर- पचपेढ़ी रोड सिविल लाइन निवासी श्री शंकर सिंह ठाकुर की धर्मपत्नी श्रीमती तारा बाई ठाकुर (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री कपिल प्यासी- जहांगीराबाद निवासी श्री घनश्याम प्यासी के पुत्र श्री कपिल प्यासी (28) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती आशा बाई चौहान- बिलहरी चेतना मैदान के पास निवासी श्री चेतराम चौहान की धर्मपत्नी श्रीमती आशा बाई चौहान (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री सतपाल सिंह- बिलहरी निवासी श्री सतपाल सिंह (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती पार्वती बाई कटारिया- घमापुर निवासी श्री तेजपाल कटारिया की धर्मपत्नी श्रीमती पार्वती बाई कटारिया (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती बैजंती साहू- जगदीश मंदिर गढ़ाफाटक निवासी श्री खेमचंद साहू की धर्मपत्नी श्रीमती बैजंती साहू (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
बिजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब मात्र 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
डिस्प्ले साइज:- ... से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
डिस्प्ले साइज:- ... से.मी. रंगीन 400/-
डिस्प्ले साइज ... से.मी. रंगीन 1300/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303308294, 9407362100

रोचक खबरें

तीन फीट के दूल्हे को मिली परी सी दुल्हनिया, देखता रह गया पूरा गांव

चंडीगढ़। न रंग, न रूप और न हाइट, शादी के लिए ये सब मायने नहीं रखता। कहते हैं हर किसी के लिए कोई ना कोई जरूर बना होता है। जोड़ियां तो स्वर्ग से ही बनकर आती हैं। हरियाणा के कैथल जिले में हुई एक अनोखी शादी ने इस कहावत को सच कर दिखाया है। चंदाना गांव के रहने वाले 26 वर्षीय विक्रम की लंबाई महज 3 फीट है। पहले रिश्ते आ रहे थे। तब उन्होंने रिश्ते ठुकरा दिए, क्योंकि विक्रम को अपने दूसरे भाइयों की शादी पहले करवानी थी। बाद में रिश्ते मिलना ही बंद हो गए। विक्रम ने फिर भी हार नहीं मानी, उन्हें लगता था कि उनके लिए भी कोई ना कोई दुल्हन जरूर होगी। हुआ भी फिर कुछ ऐसा। विक्रम को बेहद खूबसूरत दुल्हनिया मिलीं। दोनों की हाइट 3 फीट है। दूल्हा-दुल्हन की जोड़ी देख लोग उनके साथ सेल्फी लेने से खुद को रोक भी नहीं पाए।सालों तक बौना कहे जाने का ताना सुनने वाले विक्रम जब अपनी दुल्हनिया प्रियंका को लेकर गांव पहुंचे, तो नजारा देखने लायक था। शादी की चर्चा केवल दूल्हा-दुल्हन की लंबाई को लेकर नहीं, बल्कि विक्रम के अंदाज को लेकर भी है। विक्रम अपनी दुल्हन को लेने के लिए जींद के हाट गांव बुलेट पर सवार होकर पहुंचे थे। बारात में विक्रम का जोश और बुलेट पर उनके डांस ने सबका दिल जीत लिया। जैसे ही रविवार रात विक्रम अपनी 25 वर्षीय पत्नी प्रियंका के साथ चंदाना गांव लौटे, पूरा गांव उनके स्वागत में उमड़ पड़ा। लोग इस जोड़ी के साथ सेल्फी लेने के लिए, बेताब दिखे।

वो खौफनाक जेल, जहां महिलाओं का सिर काटकर फुटबॉल खेलते हैं खूंखार कैदी

टेगुसिगलपा। जेल का नाम सुनते ही दिमाग में ऐसी जगह की तस्वीर बनती है, जहां अपराधियों को कानून के सख्त पहरे में रखा जाता है। लेकिन, दुनिया में कुछ जेलें ऐसी भी हैं, जहां हालात इतने खौफनाक हैं कि वहां कैदी ही असली सत्ता चलाते हैं। इन जेलों में हिंसा, गैंगवार और खूनी संघर्ष आम बात मानी जाती है। खासकर मध्य अमेरिकी देशों होंडुरास और अल साल्वाडोर की जेलें दुनिया की सबसे खतरनाक जेलों में गिनी जाती हैं। यहां हालात इतने खतरनाक हैं कि कई बार जेल के अंदर ही एक साथ कई हत्याएं हो जाती हैं और प्रशासन हाथ पर हाथ धरे बैठे रह जाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, होंडुरास और अल साल्वाडोर की कई जेलों पर खतरनाक ड्रग्स कार्टेल और गैंग्स का दबदबा है। एमएस-13 और बैरियो 18 जैसे खूंखार गिरोह सिर्फ शहरों की सड़कों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि जेलों में भी अपना नेटवर्क चलाते हैं। होंडुरास में हुई एक घटना ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया था। राजधानी तेगुसिगाल्पा के पास स्थित महिलाओं की जेल पर हथियारबंद गैंग सदस्यों ने हमला कर दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमलावरों ने जेल के अंदर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी और कई कैदियों को घेर लिया। कई रिपोर्ट्स के मुताबिक, इन जेलों में गैंगवार के बाद कैदियों के सिर काटकर उनसे फुटबॉल तक खेली जाती है।

स्थिति इतनी भयानक हो गई कि हमलावरों ने आग भी लगा दी, जिससे कई महिलाएं बाहर नहीं निकल सकीं। इस घटना में 41 लोगों की मौत हो गई थी। घटना के बाद वहां की सरकार ने भी माना था कि जेल प्रशासन को हमले की जानकारी पहले से थी, लेकिन समय रहते कोई सख्त कदम नहीं उठाया गया। कई रिपोर्ट्स के मुताबिक, इन जेलों में गैंगवार के बाद कैदियों के सिर काटकर उनसे फुटबॉल तक खेली जाती है। इस भयावह घटना के बाद सरकार ने जेलों में बड़े स्तर पर छापेमारी अभियान चलाया। तलाशी के दौरान पुलिस को पिस्तौल, असॉल्ट राइफलें, गोला-बारूद, हथगोले और भारी मात्रा में नकदी मिली। इतना ही नहीं, जेलों से कीमती आभूषण भी बरामद किए गए, जिनकी कीमत करोड़ों रुपए बताई गई। इन खुलासों ने यह साफ कर दिया कि कई जेलों के अंदर अपराधी गिरोह किस हद तक मजबूत हो चुके हैं।

अल साल्वाडोर की जेलें क्यों मानी जाती हैं सबसे खतरनाक?

अल साल्वाडोर की जेलों की हालत तो और भी ज्यादा डरावनी बताई जाती है। यहां की सबसे बड़ी जेल एस्पेरांजा में क्षमता से कई गुना ज्यादा कैदी बंद हैं। इस जेल की क्षमता लगभग 10 हजार कैदियों की है, यहां 30 हजार से ज्यादा लोगों को रखा गया है। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि यहां गैंग सदस्यों ने एक बार जेल गार्ड की हत्या कर दी थी।

बिल गिट्स हर हफ्ते आसमान में क्यों छोड़ रहे करोड़ों मच्छर?

बोगोटा। दुनिया में मच्छरों को आमतौर पर बीमारी फैलाने वाला माना जाता है, लेकिन कोलंबिया के मेडेलिन शहर में वैज्ञानिक हर हफ्ते करोड़ों मच्छरों को जानबूझकर वातावरण में छोड़ रहे हैं। पहली नजर में यह सुनने में बेहद अजीब लगता है, क्योंकि डेंगू, जीका, चिकनगुनिया और येलो फीवर जैसी खतरनाक बीमारियां मच्छरों से ही फैलती हैं। लेकिन, वैज्ञानिकों का दावा है कि यह प्रोजेक्ट इन बीमारियों को रोकने के लिए शुरू किया गया है। इस प्रोजेक्ट को बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन का समर्थन मिला है और इसे विश्व मच्छर कार्यक्रम भी सपोर्ट कर रहा है।

दुनिया की सबसे बड़ी मच्छर फैक्ट्री

मेडेलिन में मौजूद यह फैक्ट्री दुनिया के सबसे बड़े मच्छर प्रोडक्शन सेंटरों में गिनी जाती है। यहां मुख्य रूप से एडीज एजिप्टी प्रजाति के मच्छर तैयार किए जाते हैं, जो डेंगू और जीका जैसी बीमारियां फैलाने के लिए जाने जाते हैं। वैज्ञानिक लैब के अंदर नियंत्रित तापमान में मच्छरों के अंडों से लेकर लार्वा और फिर वयस्क मच्छरों तक हर स्टेज की निगरानी करते हैं। इसके बाद उन्हें अलग-अलग इलाकों में छोड़ा जाता है।

सीक्रेट मिशन उड़ा देगा आपके होश

भविष्य में बदल सकता है बीमारी रोकने का तरीका

हर साल दुनियाभर में करोड़ों लोग मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों की चपेट में आते हैं। अब तक इस्तेमाल होने वाले केमिकल स्प्रे और फ्यूमिगेशन पूरी तरह असरदार साबित नहीं हुए हैं। ऐसे में वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि वोल्बाचिया तकनीक भविष्य में बीमारी रोकने का सुरक्षित और लंबे समय तक असर करने वाला तरीका बन सकती है। मेडेलिन की यह मच्छर फैक्ट्री अब सिर्फ एक लैब नहीं, बल्कि दुनिया के लिए एक नए हेल्थ मॉडल का प्रतीक बन चुकी है, जहां विज्ञान और बायोलॉजी की मदद से खतरनाक बीमारियों से लड़ने की कोशिश की जा रही है।

इन मच्छरों में क्या है खास?

इन मच्छरों की सबसे खास बात है वोल्बाचिया नाम का बैक्टीरिया। यह एक प्राकृतिक बैक्टीरिया है, जो कई कीड़ों में पहले से पाया जाता है। वैज्ञानिकों ने पता लगाया कि जब एडीज़ एजिप्टी मच्छरों में यह बैक्टीरिया मौजूद होता है, तब उनके जरिए वायरस इंसानों तक पहुंचने की संभावना काफी कम हो जाती है। महत्वपूर्ण बात यह है कि इन मच्छरों को जेनेटिकली मॉडिफाई नहीं किया गया है।

ली जा रही है मदद

इस प्रोजेक्ट में स्थानीय लोगों को भी शामिल किया गया है। कुछ इलाकों में लोगों को छोटे कंटेनर दिए जाते हैं, जिनमें मच्छरों के अंडे होते हैं। ये अंडे प्राकृतिक रूप से निकलते हैं।

कैसे काम करता है यह प्रोजेक्ट?

जब इन मच्छरों को खुले वातावरण में छोड़ा जाता है, तो वे स्थानीय मच्छरों के साथ प्रजनन करते हैं। धीरे-धीरे वोल्बाचिया बैक्टीरिया दूसरे मच्छरों में भी फैलने लगता है। इससे उस इलाके में ऐसे मच्छरों की संख्या बढ़ जाती है, जो वायरस फैलाने में कमजोर होते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि उनका लक्ष्य मच्छरों को पूरी तरह खत्म करना नहीं है, बल्कि खतरनाक मच्छरों की जगह कम नुकसान पहुंचाने वाले मच्छरों को बढ़ाना है।

समंदर के नीचे दुर्लभ पाइपफिश की शक्ल देखकर वैज्ञानिक हैरान

नई दिल्ली। ग्रेट बैरियर रीफ में समंदर के नीचे एक ऐसी मछली मिली है जिसका चेहरा और शरीर हूबहू 'सेसमी स्ट्रीट' के मिस्टर स्नफलपगस जैसा है। इसका चमकीला लाल-नारंगी रंग और शरीर पर मौजूद रेशे इसे बिल्कुल उस जैसा बनाते हैं। मरीन बायोलॉजिस्ट डेविड हरास्ती ने बताया कि एक बार इसे देखने के बाद आप इसकी तुलना करने से खुद को रोक नहीं पाएंगे। इस मछली की समानता इतनी ज्यादा थी कि शो की टीम ने भी इसका नाम स्नफलपगस रखने की मंजूरी दे दी है। जर्नल 'फिश बायोलॉजी' में इसे 'सोलेनोस्टोमस स्नफलपगस' के नाम से दर्ज किया गया है। समंदर की गहराइयों में एक ऐसी मछली मिली है जो हूबहू मशहूर बच्चों के शो 'सेसमी स्ट्रीट' के कैरेक्टर मिस्टर स्नफलपगस जैसी दिखती है। ग्रेट बैरियर रीफ में खोजी गई इस 'हेयरी घोस्ट पाइपफिश' का नाम भी अब आधिकारिक तौर पर स्नफलपगस पर रख दिया गया है। साइंटिस्ट डेविड हरास्ती ने इसे खोजने के लिए 20 साल तक लंबा इंतजार किया है।

महिला ने बालों से उठाया 75 किलो वजन अपने नाम किया नया विश्व रिकॉर्ड

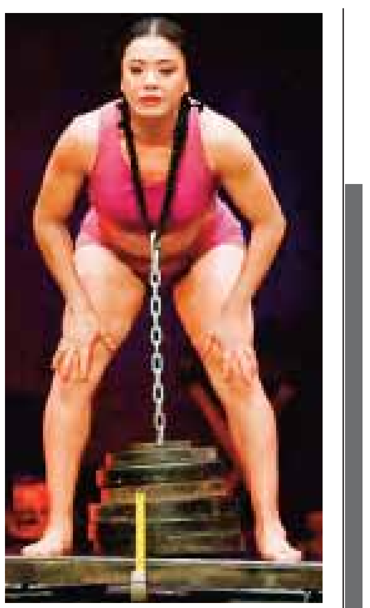

मेक्सिको। बाल महिलाओं के श्रृंगार का सबसे अहम हिस्सा होते हैं, जो उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा देते हैं। हालांकि, कुछ महिलाएं इन्हीं बालों को अपनी सबसे बड़ी ताकत बना लेती हैं। ऐसा ही कमाल मेक्सिको की रहने वाली एक पॉवरलिफ्टर महिला ने कर दिखाया है। आपको जानकर हैरानी होगी कि उन्होंने महज अपने बालों के जरिए 75 किलोग्राम का वजन उठाया है। ऐसा करके उन्होंने अपना नाम गिनीज बुक में शामिल कर लिया है।

चोटियों में बांधकर उठाया इतना वजन

मैक्सिको के पोटोसी स्थित सैन लुइस की रहने वाली डायना एलिजाबेथ बैट्रेस हर्मोसिलो ने यह हैरतअंगेज कारनामा कर दिखाया। वह पेशे से एक प्रतिभाशाली सर्कस कलाकार भी हैं। उन्होंने 28 फरवरी, 2026 को ले पाज थिएटर में यह रिकॉर्ड कायम किया। उन्होंने स्टेज पर खड़े होकर अपनी 2 चोटियों में 6 वजन उठाने वाली प्लेटें बांधी, जिनका कुल वजन 75.35 किलोग्राम था। अब वह बालों से सबसे ज्यादा वजन उठाने वाली महिला बन गई हैं।

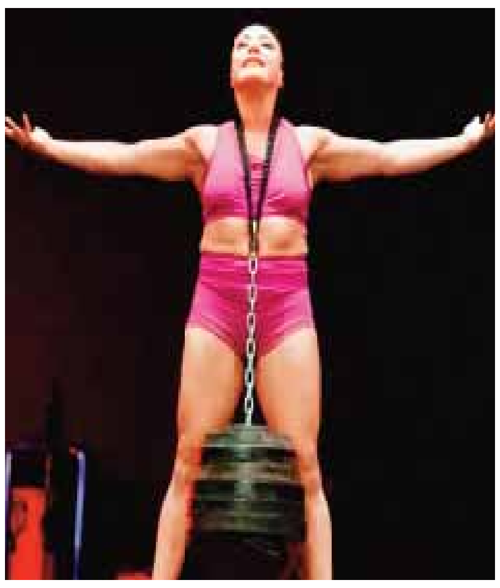

एलिजाबेथ ने रिकॉर्ड के लिए महीनों की थी मशक्कत

एलिजाबेथ ने अपने इस प्रयास से भारतीय वेटलिफ्टर आशा रानी का पिछले रिकॉर्ड तोड़ा है। उन्होंने जुलाई 2014 में पंजाब के रामपुर में अपने बालों से 122.58 पाउंड (55.6 किलोग्राम) भार उठाया था। इस बेहतरीन रिकॉर्ड को कायम करने की तैयारी एलिजाबेथ पिछले 26 सालों से करती आई हैं। इस प्रयास के लिए एलिजाबेथ ने 6 महीने तक प्रशिक्षण लिया, ताकि वह सिर, गर्दन और पीठ पर पड़ने वाले दबाव को सहन कर सकें।

ऐसे कर पाईं यह काबिले तारीफ कारनामा

तैयारी के दौरान एलिजाबेथ ने जिम में रखीं भारी डिस्क को एक स्टील की चेन में जोड़ा था। ऐसा करके उन्होंने एक ऐसा उपकरण बना लिया, जिसे वह अपनी चोटियों से जोड़ सकती थीं। धीरे-धीरे करके उन्होंने वजन बढ़ाना शुरू किया और रोजाना अभ्यास भी करती रहीं। रिकॉर्ड प्रयास से पहले उन्होंने बालों को 2 बराबर भागों में बांटकर 2 चोटियां बनाईं और उन्हें एक रबर बैंड से एक साथ जोड़ा। इसके बाद उन्होंने चेन लटकाकर वजन को उठाया।

एलिजाबेथ का दूसरा करतब देख भी हैरान थे लोग

एलिजाबेथ ने न केवल बालों से 75.35 किलोग्राम वजन उठाया, बल्कि उसे 14 सेकंड तक उठाए रखने में कामयाब भी रहीं। एलिजाबेथ यहीं नहीं रुकीं, बल्कि उन्होंने उसी रात एक और हैरतअंगेज करतब कर दिखाया। अपने इस शानदार प्रदर्शन के बाद वह एक बार फिर मंच पर लौटीं और अपने पूरे शरीर का वजन हवा में केवल अपने बालों की ताकत से लटकाए रखा। इस कारनामे ने भी लोगों को दांतों तले उंगलियां दबा लेने पर मजबूर कर दिया था।

साल में दो बार अचानक खुद ही फटकर रास्ता बना देता है ये समुद्र

सियोल। किस्से-कहानियों में तो बहुत सुना होगा कि किसी ने छड़ी घुमाई और समंदर दो फाड़ हो गया, पर असल जिंदगी में ऐसा नजारा देखना हो तो दक्षिण कोरिया के जिंदो द्वीप चले आइए। यहां कुदरत का ऐसा 'मिरेकल' होता है, जिसे देखकर बड़े-बड़े सूरमाओं के पसीने छूट जाएं। साल में सिर्फ दो बार ये समंदर अपनी मर्जी से मुसाफिरों को रास्ता देता है और फिर अचानक ऐसे गायब हो जाता है, जैसे कभी था ही नहीं।

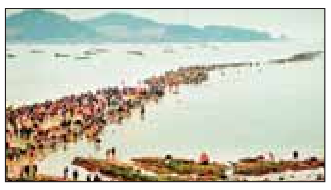

वक्त की पाबंदी और समंदर की मौज : जब यह रास्ता खुलता है, तो वहां नजारा किसी जश्न से कम नहीं होता. हजारों की तादाद में लोग समंदर के बीचों-बीच टहलने, फोटो खिंचवाने और रेत में छिपे समुद्री जीवों को ढूंढने पहुंच जाते हैं। इसे 'जिंदो मिरेकल फेस्टिवल' के तौर पर मनाया जाता है, जहां लोग नाचते-गाते इस अनोखी घड़ी का लुत्फ उठाते हैं।

SHRI RAM INSTITUTE OF SCIENCE AND TECHNOLOGY
Near ITI, Madhotal, Jabalpur (M.P.)
ESTD 2001

Applications for the Post of Junior Research Fellow (JRF)

Applications are invited on purely temporary basis for one position of junior Research Fellow (JRF) to work on a project entitled "An integrated AI and IOT system for real-time crop disease monitoring and smart water management" to be conducted on department of Computer Science Engineering, SRIST Jabalpur (M.P.) Under the guidance of Dr. Meena Tiwari (PI) and Prof. Vivek Nema (Co-PI). The Project is funded under the research and development grant given by MPCST Bhopal (M.P.)
Essential Qualifications : ME/M.Tech in CSE/AI/AIML/IOT with first class. **Duration** : 2 Year. **Fellowship** : Rs.20,000 per month + HRA (as per MPCST/Institute norms).
Interested candidates may apply with application, CV, Xerox Copy of UG, PG Degree/ Marksheet, Pancard & Aadhar Card, 2 Passport Size Photo with in 10 Days from the Date of Publication.
Note : Only shortlisted candidates will be informed through email/phone for interview.
Contact Person : Dr. Meena Tiwari (Associate Professor)
CSE Department, SRIST Jabalpur (M.P.), Contact No. : +91- 9131189466
E-mail: phmeenatiwari@gmail.com., For more details kindly visit www.sritgroup.net

SHRI RAM INSTITUTE OF SCIENCE AND TECHNOLOGY
Near ITI, Madhotal, Jabalpur (M.P.)
ESTD 2001

Applications for the Post of Junior Research Fellow (JRF)

Applications are invited on purely temporary basis for one position of junior Research Fellow (JRF) to work on a project entitled "Application of phase change materials (pcm) in hybrid thermal energy systems with embedded electronics and intelligent control for enhanced energy efficiency and thermal performance" to be conducted on department of Mechanical Engineering, SRIST Jabalpur (M.P.) Under the guidance of Dr. Prashant Sharma (PI) and Dr. Yogesh Mohan Dubey (Co-PI). The Project is funded under the research and development grant given by MPCST Bhopal (M.P.)
Essential Qualifications : ME/M.Tech in Mechanical Engineering with first class. **Duration** : 1 Year. **Fellowship** : Rs.20,000 per month + HRA (as per MPCST/Institute norms).
Interested candidates may apply with application, CV, Xerox Copy of UG, PG Degree/ Marksheet, Pancard & Aadhar Card, 2 Passport Size Photo with in 10 Days from the Date of Publication.
Note : Only shortlisted candidates will be informed through email/phone for interview.
Contact Person : Dr. Prashant Sharma (Associate Professor)
ME Department, SRIST Jabalpur (M.P.), Contact No. : +91- 9926520216
E-mail: pra.sharma30683@gmail.com., For more details kindly visit www.sritgroup.net

SHRI RAM GROUP OF INSTITUTIONS FACULTY OF PHARMACY
Near ITI, Madhotal, Jabalpur (M.P.)
ESTD 2001

Applications for the Post of Junior Research Fellow (JRF)

Applications are invited on purely temporary basis for one position of junior Research Fellow (JRF) to work on a project entitled "Artificial intelligence-optimized trastuzumab microspheres for controlled drug delivery in breast cancer" to be conducted on department of SRGI Pharmacy, Jabalpur (M.P.) Under the guidance of Dr. Arun Patel (PI) and Prof. Mahendra Rai (Co-PI). The Project is funded under the research and development grant given by MPCST Bhopal (M.P.)
Essential Qualifications : B.Pharma /M.Pharma in PHARMACY with first class.
Duration : 2 Year. **Fellowship** : Rs.20,000 per month + HRA (as per MPCST/Institute norms).
Interested candidates may apply with application, CV, Xerox Copy of UG, PG Degree/ Marksheet, Pancard & Aadhar Card, 2 Passport Size Photo with in 10 Days from the Date of Publication.
Note : Only shortlisted candidates will be informed through email/phone for interview.
Contact Person : Dr. Arun Patel (Principal)
SRGI Pharmacy Jabalpur (M.P.), Contact No. : +91- 9300489906
E-mail: arun.patelnsp@gmail.com., For more details kindly visit www.sritgroup.net

एल नीनो का असर: यूरोप में चलेगी लू तो ऑस्ट्रेलिया में आएगा सूखा

वॉशिंगटन। दुनिया पर ग्लोबल वॉर्मिंग के बढ़ते खतरे के बीच वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि साल 2026 अब तक के सबसे गर्म वर्षों में से एक बन सकता है। यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जब संभावित अल नीनो के बीच उत्तरी गोलार्ध गर्मी के मौसम में प्रवेश कर रहा है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने अप्रैल के अंत में अपनी रिपोर्ट में कहा था कि भूमध्य रेखा पर प्रशांत क्षेत्र में समुद्र की सतह तेजी से गर्म हो रही है। इससे मई और जुलाई के बीच अल नीनो की स्थितियां बनने की संभावना है। हालांकि, अभी भी पूर्वानुमान लगाना मुश्किल बना हुआ है।

यूरोप में लंबे समय तक लू का खतरा

यूरोपीय यूनियन की कॉपरनिकस जलवायु परिवर्तन सेवा ने इस साल की शुरुआत में ही अटलांटिक और भूमध्य सागर के कुछ हिस्सों में समुद्र की सतह के असामान्य रूप से गर्म तापमान की सूचना दी। इससे यूरोप में लू की आशंका बढ़ गई है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन के डेप्युटी सेक्रेटरी को बैरेट ने कहा कि जैसे-जैसे तापमान में वृद्धि से जलवायु जोखिम बढ़ रहे हैं, प्रारंभिक चेतावनी महत्वपूर्ण होती जा रही है। यही वजह है कि डब्ल्यूएचओ और संयुक्त राष्ट्र ने प्रारंभिक चेतावनी पहल को बढ़ावा देना शुरू कर दिया है।

वैज्ञानिकों ने दी खतरे की चेतावनी

ऑस्ट्रेलिया और इंडोनेशिया में सूखे की स्थिति

वैज्ञानिकों के पूर्वानुमान के अनुसार, संभावित अल नीनो की स्थिति बनने पर अमेरिका के दक्षिणी इलाके, दक्षिण अमेरिका महाद्वीप और हॉर्न ऑफ अफ्रीका में अधिक नमी की संभावना है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया और इंडोनेशिया में सूखे की स्थिति पैदा हो सकती है। वैज्ञानिकों की चेतावनी में कहा गया है कि जलवायु परिवर्तन से संबंधित प्रभाव और भी तेज हो सकता हैं।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, डिण्डौरी (म.प्र.)

नि.सू.क्र./08-10/व.ले.लि./का.यं./लो.स्वा.यां./2026 डिण्डौरी, दिनांक 11.05.2026

निविदा आमंत्रण सूचना

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा निम्नानुसार ई-टेण्डर ऑनलाईन डिजिटल मुहरबंद (Digitaly Scaled) डिण्डौरी जिले के अन्तर्गत ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। https://www.mptenders.gov.in जिसका अवलोकन बेवसाईट में किया जा सकता है। निविदा प्रपत्र केवल ऊपर उल्लेखित बेवसाईट से ऑनलाईन क्रय किये जा सकते है। जिसके मूल्य का भुगतान इण्टरनेट बैंकिंग से किया जावेगा। निविदा दिनांक 11.05.2026 को दोपहर 18.00 बजे से दिनांक 22.05.2026 को शाम 17.30 बजे तक ऑनलाईन प्रस्तुत किये जा सकते है।

निविदा में संशोधन की स्थिति में बेवसाईट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा जिसका पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नही दिया जावेगा । विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना एवं अन्य जानकारी उक्त बेवसाईट पर देखी जा सकती है।

स.क्र.	ई निविदा क्र.	नि.सू.क्र.	वि.खं./जिला	विवरण	अनु.लागत (PAC) (रू.)	धरोहर राशि (PAC) (रू. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू. में)	रिमार्क
1	2026_PHED_506689_1	08	डिण्डौरी	Reparing and Maintenance work of Piped water supply scheme at Village- Dhangaon, Batondha, Mighroudi, Ganwahi, Duhaniya Ryt. And Village Dandvidaypur Mal Block Dindori District Dindori.	18.46	36920.00	2000.00	प्रथम आमंत्रण
2	2026_PHED_506722_1	09	शहपुरा एवं मेंहदवानी	...."".....Village-Badjhar Mal Block-Shahpura, Village Barrai Ryt.,Khamhariya Mal Block- Mehandwani and Drinking water arrangement at Village Domdadar Block Shahpura District Dindori.	19.19	38380.00	2000.00	प्रथम आमंत्रण
3	2026_PHED_506740_1	10	शहपुरा एवं मेंहदवानी	...."".....Village- Salaiya Mal, Dalkakhamhriya, dadargaon Block-Shahpura,Village Kusera, Kaneri Mal Block-Mehandwani District Dindori.	19.71	39420.00	2000.00	प्रथम आमंत्रण

G-12956/26 **कार्यपालन यंत्री**
"बच्चों की मुस्कान है अनमोल, इसे सुरक्षित रखें हर हाल" **लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, डिण्डौरी (म.प्र.)**

केंद्र की सरकार को बनाने और गिराने की ताकत रखने वाले कुछ प्रमुख क्षेत्रीय दल आज अपने ही गढ़ों में बेहद सीमित होकर रह गए हैं। हाल ही में हुए बिहार, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल जैसे कई राज्यों में चुनाव परिणाम इसी ओर इशारा कर रहे हैं। मतदाता अब जागरूक हो गए हैं। वे केवल क्षेत्रीय पहचान, भाषायी अस्मिता और स्थानीय भावनाओं के आधार पर वोट नहीं कर रहे, बल्कि विकास, स्थिर नेतृत्व और राष्ट्रीय दृष्टि को भी प्राथमिकता देने लगे हैं। कह सकते हैं कि लंबे समय तक सत्ता में बने रहने वाले क्षेत्रीय दलों के सामने अब नई चुनौतियां खड़ी हो रही हैं। भारतीय राजनीति में निर्णायक बदलाव 2014 के बाद देखने को मिला। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने पहली बार पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता हासिल की और उसके बाद राष्ट्रीय राजनीति का चरित्र तेजी से बदलने लगा। इससे पहले केंद्र में बनने वाली सरकारें क्षेत्रीय दलों के समर्थन पर निर्भर रहती थीं। क्षेत्रीय दलों के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता बनाए रखने की है। बदलते राजनीतिक दौर में यदि क्षेत्रीय दलों को अपना अस्तित्व बचाना है, तो उन्हें अपनी एकाधिकार वाली सोच को बदलना होगा। आने वाले वर्षों में यह स्पष्ट होगा कि क्षेत्रीय दल नई परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढाल पाते हैं या नहीं। ***इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...।***

खत्म हो रहा क्षेत्रीय दलों का वर्चस्व !

विश्लेषण

अनिरुद्ध प्रताप सिंह
स्वतंत्र पत्रकार

भारतीय राजनीति, लंबे समय तक, क्षेत्रीय दलों की शक्ति और प्रभाव के इर्द-गिर्द घूमती रही है। साल 1989 के बाद का दौर ऐसा था, जब केंद्र की सत्ता में कोई भी राष्ट्रीय दल अपने दम पर स्थिर बहुमत हासिल नहीं कर पा रहा था। उस समय क्षेत्रीय दल न केवल राज्यों की राजनीति नियंत्रित करते थे, बल्कि दिल्ली की सत्ता के गठन और संचालन में भी निर्णायक भूमिका निभाते थे। राष्ट्रीय परिदृश्य यह संकेत देता है कि मतदाताओं का झुकाव धीरे-धीरे राष्ट्रीय दलों की ओर बढ़ रहा है। विपक्षी दल लगातार संघीय ढांचे, राज्यों के अधिकारों और केंद्र सरकार की नीतियों को मुद्दा बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

भारतीय राजनीति एक ऐसे निर्णायक मोड़ पर जा पहुंची है, जहां दशकों तक सत्ता और समीकरण तय करने वाले क्षेत्रीय दलों का प्रभाव घटता दिखाई दे रहा है। कभी केंद्र की सरकारों को बनाने और गिराने की ताकत रखने वाले ये दल आज अपने ही गढ़ों में बेहद सीमित होकर रह गए हैं। पश्चिम बंगाल से तमिलनाडु और ओडिशा तक हालिया चुनाव परिणामों में देखा जा सकता है कि मतदाता अब केवल क्षेत्रीय पहचान, भाषाई अस्मिता और स्थानीय भावनाओं के आधार पर वोट नहीं कर रहे, बल्कि विकास, स्थिर नेतृत्व और राष्ट्रीय दृष्टि को भी प्राथमिकता दे रहे हैं। भारतीय राजनीति, लंबे समय तक, क्षेत्रीय दलों की शक्ति और प्रभाव के इर्द-गिर्द घूमती रही है। साल 1989 के बाद का दौर ऐसा था, जब केंद्र की सत्ता में कोई भी राष्ट्रीय दल अपने दम पर स्थिर बहुमत हासिल नहीं कर पा रहा था। उस समय क्षेत्रीय दल न केवल राज्यों की राजनीति नियंत्रित करते थे, बल्कि दिल्ली की सत्ता के गठन और संचालन में भी निर्णायक भूमिका निभाते थे। लेकिन हाल के विधानसभा चुनावों ने एक नई बहस को जन्म दिया है।

क्षेत्रीय दलों का रहा स्वर्णकाल

क्या भारत में क्षेत्रीय दलों का स्वर्णकाल समाप्ति की ओर बढ़ रहा है? पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस और तमिलनाडु में डीएमके जैसी मजबूत क्षेत्रीय पार्टियों को हालिया चुनावों में उम्मीद से कहीं अधिक नुकसान हुआ है। बंगाल में भाजपा का अभूतपूर्व प्रदर्शन और तमिलनाडु में डीएमके की हार ने यह संकेत दिया है कि मतदाता अब केवल क्षेत्रीय पहचान की राजनीति से प्रभावित नहीं हो रहे। यह बदलाव केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक प्राथमिकताओं में बदलाव का संकेत भी माना जा रहा है। तमिलनाडु की राजनीति इसका सबसे बड़ा उदाहरण बनकर सामने आई है। दशकों तक द्रविड़ राजनीति और तमिल अस्मिता के मुद्दों पर चुनाव जीतने वाली

डीएमके को इस बार जनता ने सत्ता से बाहर कर दिया। यहां तक कि मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन स्वयं अपनी सीट नहीं बचा सके। यह केवल एक नेता की हार नहीं, बल्कि उस राजनीतिक नैरेटिव को चुनौती है, जो लंबे समय तक तमिल पहचान के आधार पर मजबूत बना रहा। हाल के चुनाव परिणामों ने यह स्पष्ट किया है कि मतदाता अब बदलाव और प्रशासनिक प्रदर्शन को अधिक महत्व देने लगे हैं।

राज्यों में सत्ता विरोधी लहर

क्षेत्रीय अस्मिता और स्थानीय भावनाओं के साथ-साथ अब विकास, स्थिरता और मजबूत नेतृत्व जैसे मुद्दे निर्णायक बनते जा रहे हैं। तमिलनाडु में डीएमके के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर ने उसके पारंपरिक वोट बैंक को प्रभावित किया। दिल्ली और पंजाब तक सीमित रह गई आम आदमी पार्टी का कमजोर होता प्रभाव भी इसी बदलाव का हिस्सा माना जा सकता है। तकनीकी रूप से राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा प्राप्त होने के बावजूद उसका प्रभाव सीमित रहा और हाल के समय में उसे राजनीतिक झटके झेलने पड़े। इसी तरह वामपंथ की सबसे बड़ी पार्टी सीपीआई (एम) भी अब केरल तक सिमटती दिखाई दे रही है। ओडिशा में नवीन पटनायक की बीजू जनता दल की हार ने भी इस प्रवृत्ति को मजबूत किया। करीब 24 वर्षों तक सत्ता में रहने के बाद बीजेडी का सत्ता से बाहर होना यह दर्शाता है कि लंबे समय तक सत्ता में बने रहने वाले क्षेत्रीय दलों के सामने अब नई चुनौतियां खड़ी हो रही हैं। भाजपा ने वहां केवल चुनाव नहीं जीता, बल्कि क्षेत्रीय राजनीति के सबसे मजबूत गढ़ों में सेंध लगाने का संदेश दिया। हालांकि, यह कहना जल्दबाजी होगी कि सभी क्षेत्रीय दल समाप्ति की ओर बढ़ रहे हैं।

झारखंड व जेके में पकड़ कायम

झारखंड में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली झारखंड मुक्ति मोर्चा अभी भी मजबूत स्थिति में है। जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस की राजनीतिक पकड़ भी बनी हुई है। लेकिन इन राज्यों की राजनीतिक परिस्थितियां अलग हैं और वहां सामाजिक-सांस्कृतिक समीकरण राष्ट्रीय राजनीति से अलग रूप लेते हैं। इसके बावजूद व्यापक राष्ट्रीय परिदृश्य यह संकेत देता है कि मतदाताओं का झुकाव धीरे-धीरे राष्ट्रीय दलों की ओर बढ़ रहा है। विपक्षी दल लगातार संघीय ढांचे, राज्यों के अधिकारों और केंद्र सरकार की नीतियों को मुद्दा बनाने की कोशिश कर रहे हैं। राज्यों को फंड आवंटन, केंद्रीय एजेंसियों के उपयोग और परिसीमन जैसे विषयों पर बहस तेज हुई है, लेकिन इन मुद्दों का चुनावी असर सीमित दिखाई दिया। समाजवादी पार्टी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में उल्लेखनीय प्रदर्शन जरूर किया, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा की राजनीतिक पकड़ कमजोर नहीं हुई। भाजपा की सीटें कम होने के बावजूद उसका प्रभाव बरकरार रहा और उसके सहयोगी दल भी उसके साथ मजबूती से खड़े दिखाई दिए। इससे यह संकेत मिला कि राष्ट्रीय राजनीति में भाजपा अभी भी केंद्रीय शक्ति बनी हुई है। भारतीय राजनीति में निर्णायक बदलाव 2014 के बाद देखने को मिला। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने पहली बार पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता हासिल की और उसके बाद राष्ट्रीय राजनीति का चरित्र तेजी से बदलने लगा। इससे पहले केंद्र में बनने वाली सरकारें क्षेत्रीय दलों के समर्थन पर निर्भर रहती थीं। भाजपा की मजबूत पकड़ ने समाजवादी पार्टी, बसपा, आरजेडी, शिवसेना और एनसीपी जैसे दलों को कमजोर कर दिया। कई क्षेत्रीय दलों में विभाजन हुआ और उनके गुट राष्ट्रीय गठबंधनों का हिस्सा बन गए। बिहार में जनता दल (यूनाइटेड) ने लंबे समय तक राजनीतिक संतुलन बनाए रखा, लेकिन वहां भी भाजपा का प्रभाव लगातार बढ़ा।

राजनीतिक प्रासंगिकता का सवाल

तेलंगाना में बीआरएस जैसी पार्टी, जिसने राज्य निर्माण की राजनीति के आधार पर अपनी पहचान बनाई थी, उसे कांग्रेस ने सत्ता से बाहर कर दिया। यह दर्शाता है कि केवल क्षेत्रीय पहचान अब चुनावी सफलता की गारंटी नहीं रह गई है। क्षेत्रीय दलों के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता बनाए रखने की है। तमिलनाडु, तेलंगाना और केरल जैसे राज्यों में राष्ट्रीय दलों की बढ़ती सक्रियता आने वाले समय में राजनीति की दिशा बदल सकती है। फिर भी भारतीय लोकतंत्र की विविधता को देखते हुए क्षेत्रीय दलों की भूमिका पूरी तरह समाप्त होती नहीं दिखाई देती। आने वाले वर्षों में यह स्पष्ट होगा कि क्षेत्रीय दल नई परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढाल पाते हैं या नहीं।

द्रविड़ राजनीति के नए अध्याय की शुरुआत

सियासत

भूपेन्द्र
वरिष्ठ पत्रकार

तमिलनाडु की राजनीति पांच दशकों से द्रविड़ दलों के इर्द-गिर्द घूमती रही है। एम. करुणानिधि और जे. जयललिता जैसे नेताओं ने राज्य की राजनीति को ऐसी दिशा दी, जहां राष्ट्रीय दल हमेशा सीमित भूमिका में दिखाई दिए। लगभग छह दशकों में पहली बार ऐसा हुआ कि "द्रविड़" शब्द के बिना किसी पार्टी ने तमिलनाडु की सत्ता संभाली। हालांकि, टीवीके और विजय द्रविड़ विचारधारा से कितनी दूरी बनाए रखेंगे, यह अभी देखना बाकी है। क्योंकि सत्ता संभालने के तुरंत बाद ही विजय ने द्रविड़ आंदोलन के प्रमुख नेता पेरियार ई.वी. रामासामी को श्रद्धांजलि अर्पित की, लेकिन अब, अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी तमिलागा वेट्रूरी कज़गम (टीवीके) की ऐतिहासिक जीत और विजय के मुख्यमंत्री बनने के बाद यह सवाल तेजी से उठ रहा है कि क्या तमिलनाडु में द्रविड़ राजनीति का युग समाप्त हो रहा है? इस प्रश्न का उत्तर इतना सीधा नहीं है। टीवीके की जीत निश्चित रूप से तमिल राजनीति में एक बड़े बदलाव का संकेत है, लेकिन इसे द्रविड़ राजनीति के अंत के रूप में देखना जल्दबाज़ी हो सकती है। तमिलनाडु में द्रविड़ आंदोलन केवल राजनीतिक विचारधारा नहीं रहा, बल्कि सामाजिक न्याय, क्षेत्रीय पहचान और हिंदी विरोध की भावना से जुड़ा एक सांस्कृतिक आंदोलन था। सीएन अन्नादुराई और पेरियार ई.वी. रामासामी ने जिस आंदोलन की शुरुआत की, उसने ब्राह्मणवादी वर्चस्व, जातीय असमानता और केंद्र के प्रभुत्व के खिलाफ एक नई राजनीतिक चेतना पैदा की। इसी कारण द्रमुक और अन्नाद्रमुक जैसी पार्टियां केवल चुनावी संगठन नहीं रहीं; वे तमिल पहचान का हिस्सा बन गईं।

एम. के. स्टालिन के नेतृत्व में द्रमुक सत्ता में बनी रही, लेकिन युवाओं के बीच राजनीति को लेकर एक नई बेचैनी भी उभरी। अन्नाद्रमुक लगातार आंतरिक संघर्ष से कमजोर होती गई। ऐसे माहौल में विजय ने खुद को "नई राजनीति" के प्रतीक के रूप में पेश किया।

मुफ्त योजनाएं, सामाजिक कल्याण, शिक्षा और क्षेत्रीय गौरव-इन सब ने द्रविड़ दलों को जनता के बीच मजबूत आधार दिया। तमिलनाडु में इस बदलाव के पीछे कई कारण रहे हैं। तमिलनाडु का राजनीतिक इतिहास राजनीतिक नाटकीयता का अभ्यस्त रहा है, जहां सिनेमा और सत्ता अक्सर एक ही धारा में घुल-मिल जाते हैं। एम. जी. रामचंद्रन और फिर जे. जयललिता के बाद से कुछ वर्षों में तमिलनाडु की राजनीति में नेतृत्व का संकट साफ दिखाई देने लगा था। एम. के. स्टालिन के नेतृत्व में द्रमुक सत्ता में बनी रही, लेकिन युवाओं के बीच राजनीति को लेकर एक नई बेचैनी भी उभरी। अन्नाद्रमुक लगातार आंतरिक संघर्ष से कमजोर होती गई। ऐसे माहौल में विजय ने खुद को "नई राजनीति" के प्रतीक के रूप में पेश किया। फिल्मों में उनकी लोकप्रियता पहले से ही बहुत बड़ी थी, लेकिन उन्होंने केवल स्टारडम पर निर्भर रहने के बजाय बेरोज़गारी, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक सुधार जैसे मुद्दों को उठाया। जो टीवीके की जीत के पीछे मुख्य बड़ा कारण रही। टीवीके की जीत के पीछे दूसरा सबसे बड़ा कारण है लंबे समय से द्रमुक और अन्नाद्रमुक के बीच घूमती राजनीति से जनता का एक वर्ग थक चुका था, मुख्य रूप से युवा, इसलिए युवाओं का समर्थन विजय की पार्टी टीवीके को मिला और पहली बार वोट देने वाले मतदाताओं ने पारंपरिक राजनीति से अलग विकल्प चुना। टीवीके की जीत तमिलनाडु की राजनीति में एक ऐतिहासिक मोड़ जरूर है, लेकिन इसे द्रविड़ राजनीति के अंत के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

यह अधिक सही होगा कि इसे द्रविड़ राजनीति के "नए अध्याय" की शुरुआत कहा जाए। इस जीत के बाद विजय की सबसे बड़ी चुनौती अब चुनाव जीतना नहीं, बल्कि यह साबित करना होगी कि क्या वे वहां की जनता की उम्मीदों के अनुरूप शासन दे सकते हैं। आने वाले वर्षों में यह तय होगा कि टीवीके केवल एक करिश्माई लहर थी या तमिलनाडु की राजनीति का एक स्थायी भविष्य। विजय खुद भले नई राजनीति की बात करते हों, लेकिन उनकी राजनीति पूरी तरह द्रविड़ विचारधारा से अलग नहीं दिखती।

सामाजिक न्याय, तमिल पहचान और कल्याणकारी योजनाओं पर उनका जोर द्रविड़ राजनीति की ही विरासत को आगे बढ़ाता है। अंतर केवल शैली और नेतृत्व में है। टीवीके अधिक आधुनिक, युवा-केंद्रित राजनीति करती है। विजय की छवि पारंपरिक नेताओं से अलग, "सिस्टम बदलने वाले" नेता की बनाई गई है। इसलिए कहा जा सकता है कि तमिलनाडु में द्रविड़ राजनीति खत्म नहीं हुई है; बल्कि उसका नया संस्करण सामने आया है।

घटते- घटते इस बार वामदलों का पूरा सफाया

संकेत

डॉ. पवन कुमार शर्मा
स्वतंत्र टिप्पणीकार

केरल में 2026 विधानसभा चुनाव में एलडीएफ सरकार के सत्ता से हटने के बाद, भारत के नक्शे पर एक भी राज्य ऐसा नहीं बचा, जहां वामपंथी दलों का सीधा शासन हो। 1967 के बाद पहली बार ऐसा हुआ है जब वामपंथ के तीन गढ़ों- त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल और केरल में से एक में भी वे सत्ता में नहीं हैं। यह चुनावी हार भारतीय राजनीति में लेफ्ट के खात्मे का संकेत है। केरल में लेफ्ट फ्रंट वैकल्पिक रूप से सत्ता में आता रहा है। 2021 में एलडीएफ ने 99 सीटें जीतकर इतिहास रचा था। यह पहली बार था जब वहां कोई गठबंधन लगातार दूसरी बार जीता, लेकिन 2024 लोकसभा चुनाव में एलडीएफ को 19 में से महज 1 सीट मिली जबकि यूडीएफ को 18 सीटें मिलीं। यह संकेत था कि 2026 विधानसभा में बदलाव होगा और ऐसा हुआ भी। केरल में एलडीएफ का वोट शेयर 2021 में 49% के मुकाबले गिरकर 2026 में 34% रह गया। जबकि यूडीएफ का वोट शेयर 38% से बढ़कर 48% हो गया यानी 10 प्रतिशत का उछाल।

भारत में वामपंथी दलों का राष्ट्रीय वोट शेयर बीते 35 वर्षों से लगातार गिर रहा है। 1989 लोकसभा चुनाव में लेफ्ट को 8.03 फीसदी वोट और 53 सीटें मिली थीं। 2014 लोकसभा में यह वोट शेयर घटकर 4.08 प्रतिशत और 10 सीटों तक सीमित हो गया। 2019 लोकसभा में लेफ्ट को महज 2.93 फीसदी वोट और 5 सीटें मिलीं। 2024 लोकसभा में यह घटकर 2.63 प्रतिशत और महज 7 सीटों तक सिमट गया। राष्ट्रीय परिदृश्य में वामपंथ के सिमटने के तीन मुख्य कारण हैं- पहला, क्षेत्रीय दलों का उदय। पश्चिम बंगाल में टीएमसी, त्रिपुरा में बीजेपी, केरल में कांग्रेस ने वामपंथी मतदाता को खींचा। वामपंथी वोटर अब विचारधारा से ज्यादा सत्ता-विरोध और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर वोट करता है। दूसरा, आर्थिक मॉडल की चुनौती। केरल में 94% साक्षरता है लेकिन बेरोजगारी 12% है। वहीं बीजेपी और कांग्रेस ने "विकास+रोजगार" का नारा देकर युवाओं को आकर्षित किया। तीसरा, राष्ट्रीय राजनीति में 2014 के बाद वामपंथी दलों ने कांग्रेस से दूरी बना ली। राष्ट्रीय बहस में आर्थिक मुद्दों की जगह पहचान, राष्ट्रवाद ने ले ली, जहां वामपंथी नैरेटिव कमजोर पड़ता है।

भारत में वामपंथी दलों का राष्ट्रीय वोट शेयर बीते 35 वर्षों से लगातार गिर रहा है। 1989 लोकसभा चुनाव में लेफ्ट को 8.03 फीसदी वोट और 53 सीटें मिली थीं। 2024 चुनाव में यह वोट शेयर घटकर 2.63 प्रतिशत और महज 7 सीटों तक सिमट गया।

दक्षिण भारत के एक दूसरे राज्य तमिलनाडु की राजनीति भारत में सबसे अलग रही है। यहां न तो कांग्रेस का एकाधिकार कभी पूरी तरह बना और न ही बीजेपी का सीधा प्रवेश हुआ। इसका कारण है द्रविड़ आंदोलन और पेरियार ई. वी. रामासामी की विचारधारा जिसने बीते 80 वर्षों से राज्य की सत्ता को परिभाषित किया। तमिलनाडु की राजनीति की जड़ें 1920 के दशक में हैं। ई. वी. रामासामी 'पेरियार' ने 1925 में आत्मसम्मान आंदोलन शुरू किया। 1938 में हिंदी अनिवार्यता के खिलाफ आंदोलन में पेरियार की पत्नी नागम्माई और बहन मुथम्मल ने 1700 महिलाओं के साथ जेल भराव किया। इसी आंदोलन से सी. एन. अन्नादुराई निकले जिन्होंने 1949 में द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) बनाई। 1967 में डीएमके ने पहली बार कांग्रेस को हराया। इस चुनाव में डीएमके को 138 सीटें, कांग्रेस को 50 सीटें मिलीं। यह दक्षिण भारत में कांग्रेस की पहली बड़ी हार थी। 1967 के बाद तमिलनाडु में राजनीति दो ध्रुवों में बंट गई। एक तरफ पेरियार के तर्कवाद, तमिल पहचान और सामाजिक न्याय पर जोर के साथ डीएमके थी तो दूसरी ओर 1972 में एम. जी. रामचंद्रन द्वारा बनाई गई यानी ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम। एमजीआर ने डीएमके से अलग होकर फिल्मी लोकप्रियता और अम्मा छवि से राजनीति की।

खास बात यह भी है कि तमिलनाडु में धर्म और राजनीति आपस में जुड़ी हैं। रजनीकांत की आध्यात्मिक राजनीति हिंदू वोट एवं तर्कवादी डीएमके वोट, दोनों को आकर्षित कर सकती है। स्टार पावर अकेले नहीं चलती, पार्टी संगठन की मजबूती बहुत जरूरी है। रजनीकांत के पास करिश्मा है पर संगठन और स्वास्थ्य बड़ी बाधा हैं। अगर वे आते भी हैं तो डीएमके-एआईएडीएमके के सियासी आधार और उनकी तुलना में युवा एक्टर विजय की टीवीके के बढ़ते प्रभुत्व को तोड़ना आसान नहीं होगा।

क्षेत्रीय राजनीति के ढहते किले और राष्ट्रीय विकल्प का उदय

मंथन

डा. चंद्र त्रिखा
वरिष्ठ स्तंभकार

भारतीय राजनीति के समकालीन परिदृश्य में एक बड़ा और युगांतकारी बदलाव स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। देश के भीतर प्रादेशिक क्षत्रपों और क्षेत्रीय दलों की जो प्रभुता कभी अजेय मानी जाती थी, उसका दायरा अब धीरे-धीरे सिमटने लगा है। आज चाहे कोई भी प्रदेश क्यों न हो, मतदाता अब लोकलुभावन और संकीर्ण क्षेत्रीय विमर्श से बाहर निकलकर राष्ट्रीय प्राथमिकताओं, सुरक्षा और एक मजबूत केंद्रीय विकल्प की ओर कदम बढ़ा रहा है।

किसी भी राज्य में आने वाले चुनावी परिणाम केवल एक सत्ता परिवर्तन मात्र नहीं हैं, बल्कि वे इस बात के जीवंत प्रमाण हैं कि वैचारिक आधार के बिना केवल प्रादेशिक अस्मिता के भरोसे राजनीति के अभेद्य किले हमेशा के लिए सुरक्षित नहीं रखे जा सकते। पश्चिम बंगाल के हालिया राजनीतिक घटनाक्रम को इसी बदलते राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में देखा जा सकता है। जैसे ही वहां चुनावी नतीजे आने शुरू हुए, पंद्रह वर्षों से सत्ता के शिखर पर बैठी ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी का वजन घटने लगा। लगभग यह स्पष्ट हो गया कि ममता बनर्जी का जिसे अभेद्य समझा जाने वाला राजनीतिक किला कहा जाता था, वह ढह चुका है। आज बड़े-बड़े राजनीतिक पंडितों के अनुमान, सर्वेक्षण और विश्लेषण धराशाई हो जाते हैं। बंगाल में भी वही हुआ। आज़ादी के इतिहास में पहली बार बीजेपी दो सौ का आंकड़ा पार कर बंगाल सत्ता के शीर्ष पर पहुंच गई। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि मतदाता अब क्षेत्रीय दलों के एकाधिकार को चुनौती देने के लिए तैयार हो चुका है। 33 वर्षों के लेफ्ट के शासन को उखाड़ फेंकने वाली ममता बनर्जी आज स्वयं बहुत असहाय सी प्रतीत हो रही हैं। पहले कांग्रेस, फिर लेफ्ट और फिर ममता बनर्जी की टीएमसी उसी पैटर्न पर चलते हुए सत्ता के शिखर तक पहुंची थीं। पंद्रह वर्ष पूर्व ममता बनर्जी ने लेफ्ट के जिस रक्त-रंजित करने वाले कैडर को अपनी जुझारू छवि के बलबूते पर उखाड़ फेंका था, बाद में वही चरित्र वाला राजनीतिक कैडर टीएमसी का सिपहसालार बनकर अपने हित साधने लगा और बंगाल

विस चुनाव के बाद यह लगभग स्पष्ट हो गया है कि ममता बनर्जी का जिसे अभेद्य समझा जाने वाला राजनीतिक किला कहा जाता था, वह ढह चुका है।

की राजनीति एक ऐसे अभेद्य किले के रूप में स्थापित हो गई, जिसे भेद पाना लगभग असंभव लगने लगा था। संदेशखाली और आर जी कर जैसी वीभत्स घटनाओं के बाद जिस तरह का एक कड़ा संदेश ममता बनर्जी को देना चाहिए था, वो नहीं दे पाईं। पूरे बंगाल में विरोध प्रदर्शन हुए और परिणाम यह हुआ कि मध्यम वर्ग का एक बड़ा तबका असुरक्षा की भावना के साथ उनके खिलाफ खड़ा हो गया। टीएमसी की सत्ता के विरुद्ध एक चिंगारी धीरे-धीरे सुलगने लगी और अंततः उस चिंगारी ने भीषण आग का रूप ले लिया। आज जबकि ममता बनर्जी सत्ता से बाहर हो चुकी हैं, तो बहुत सारे नए प्रश्न उठ खड़े हुए हैं। अपने जुझारूपन के लिए प्रसिद्ध ममता बनर्जी क्या फिर से वापसी कर पाएंगी या वह प्रदेश की कमान किसी अन्य व्यक्ति को सौंप कर केंद्र की राजनीति करेंगी। यह चुनौती सिर्फ उनकी नहीं है, बल्कि देश के उन तमाम क्षेत्रीय दलों की है जो एक ही ढर्रे पर चल रहे हैं। ममता बनर्जी के लिए एक बड़ा प्रश्न पार्टी और परिवार में से किसी एक को चुनना भी है। पार्टी पर होल्ड अभिषेक बनर्जी का है, जिनकी छवि साफ-सुथरी नहीं है। इसके साथ ही कई कद्दावर और साफ छवि के नेता अपनी दावेदारी ठोक सकते हैं जिससे आंतरिक संघर्ष बढ़ेगा। यही क्षेत्रीय दलों की सबसे बड़ी कमजोरी रही है कि वे पारिवारिक नियंत्रण या एक व्यक्ति के दायरे से बाहर नहीं सोच पाते, जिसके कारण राष्ट्रीय लहर के सामने उनका बिखरना तय हो जाता है। अब इस चुनौती से ममता बनर्जी पार्टी को निकाल कर कैसे खड़ा करती हैं, यह देखना होगा। इस सब के अतिरिक्त एक बड़ी और गंभीर चुनौती है ममता बनर्जी और पार्टी पर मुस्लिम तुष्टिकरण का गंभीर आरोप। स्थिति यह है कि आसनसोल के बस्तीन बाजार का दुर्गा मंदिर, जो लेफ्ट के शासनकाल में बंद कर दिया गया था, पंद्रह वर्षों के टीएमसी के शासनकाल में भी नहीं खोला जा सका। पश्चिम बंगाल की राजनीति अब विकास, सुरक्षा, प्रशासन और न्याय व्यवस्था की परिधि से निकलकर धर्म और राष्ट्रीय अस्मिता की मुख्यधारा में आ चुकी है। बदलते राजनीतिक दौर में यदि क्षेत्रीय दलों को अपना अस्तित्व बचाना है, तो उन्हें अपनी एकाधिकार वाली सोच को बदलना होगा। बंगाल में विपक्ष के नाम पर भले ही टीएमसी के सिवाय कोई और विकल्प न हो, लेकिन यदि उन्होंने समय रहते नए सिरे से संघर्ष की जमीन तैयार नहीं की, तो राष्ट्रीय प्रवाह के इस नए युग में इस क्षेत्रीय दल की डगर आगे और भी कठिन होने वाली है।

उप्र : सपा को सोच में लाना होगा बुनियादी बदलाव

दृष्टिकोण

चरणजीत 'चरण'
स्वतंत्र स्तंभकार

उत्तर प्रदेश की राजनीति में भी आज कुछ वैसी ही पटकथा लिखी जा रही है, जैसी कभी अन्य राज्यों के क्षेत्रीय दलों के अवसान के समय देखी गई थी। बिहार में जिस तरह भाजपा ने बिसात बिछाकर लालू प्रसाद यादव के राष्ट्रीय जनता दल को सत्ता के गलियारों से दूर धकेल दिया था, उसी तरह से बंगाल में ममता बनर्जी का अभेद्य समझा जाने वाला राजनीतिक किला ढह गया है। आज का मतदाता खामोशी से सब देखता है और अंतिम समय तक इसकी भनक किसी को नहीं लगने देता कि इस बार ऊंट किस करवट बैठने जा रहा है।

इसी बदलते दौर में अब सबसे बड़ा सवाल उत्तर प्रदेश की समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव के सामने खड़ा है कि क्या वे क्षेत्रीय पार्टियों के इस ढहते सिलसिले के बीच खुद को बचा पाएंगे? यूपी के आगामी चुनावी समर को देखें तो सपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपनी पुरानी राजनीति के ढर्रे से बाहर निकलने की है। पार्टी दशकों तक मुस्लिम और यादव (एम-वाई) समीकरण के सहारे सत्ता के शिखर तक पहुंचती रही, लेकिन आज के दौर में यह सोशल इंजीनियरिंग पूरी तरह कुंद हो चुकी है। अखिलेश यादव ने इस कमजोरी को भांपते हुए पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों को जोड़ने के लिए 'पीडीए' का नारा जरूर उछाला है, लेकिन केवल कागजों या चुनावी भाषणों में नारा देना एक बात है और उसे जमीन पर उतारना बिल्कुल दूसरी बात। असल संकट यह है कि भाजपा ने पिछले एक दशक में गैर-यादव ओबीसी और गैर-जाटव दलित जातियों के भीतर अपना एक ऐसा मजबूत और वफादार वोट बैंक तैयार कर लिया है, जिसे भेद पाना सपा के लिए टेढ़ी खीर साबित हो रहा है।

आम जनता के बीच यह धारणा गहरे तक बैठ चुकी है कि सपा के आते ही केवल एक विशेष जाति का दबदबा बढ़ जाता है। जब तक अखिलेश यादव इस धारणा को तोड़कर संगठन और टिकटों में इन अति-पिछड़ी जातियों को वास्तविक हिस्सेदारी नहीं देते, तब तक 'पीडीए' महज एक

सूबे की राजनीति बहुसंख्यक पहचान और हिंदुत्व के एक ऐसे मजबूत ताने-बाने में बंध चुकी है जिससे सीधे टकराना सपा के लिए हर बार आत्मघाती साबित हुआ है

किताबी जुमला बनकर रह जाएगा। वहीं, सूबे की राजनीति पिछले कुछ वर्षों से सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, बहुसंख्यक पहचान और हिंदुत्व के एक ऐसे मजबूत ताने-बाने में बंध चुकी है जिससे सीधे टकराना सपा के लिए हर बार आत्मघाती साबित हुआ है। सपा जब भी इस मोर्चे पर आक्रामक होती है, उस पर तुरंत 'मुस्लिम तुष्टिकरण' का ठप्पा लगा दिया जाता है। उत्तर प्रदेश का एक बड़ा मध्यम वर्ग और बहुसंख्यक आबादी का हिस्सा आज कानून-व्यवस्था, राष्ट्रवाद और धार्मिक गौरव के नाम पर मौजूदा सरकार के साथ मजबूती से खड़ा है।

सपा के सामने धर्मसंकट यह है कि वह बिना अपनी धर्मनिरपेक्ष छवि को खोए, इस बहुसंख्यक समाज के दिल में अपनी जगह कैसे बनाए? एक और गंभीर चुनौती सपा के अंदरूनी सांगठनिक ढांचे की है। भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका पन्ना प्रमुख और बूथ स्तर का वह मुस्तैद कैडर है जो सारा साल जमीन पर सक्रिय रहता है। इसके विपरीत, समाजवादी पार्टी आज भी काफी हद तक स्थानीय क्षत्रपों, रसूखदार नेताओं और कुछ खास परिवारों के भरोसे चुनाव लड़ती है।

क्षेत्रीय पार्टियों के बिखरने का एक बड़ा कारण यही रहा है कि वे संस्थागत रूप से मजबूत होने के बजाय किसी एक चेहरे या परिवार पर आश्रित हो जाती हैं। उसे अपनी पुरानी सामंती कार्यशैली को छोड़कर संगठन को बूथ स्तर तक बेहद पेशेवर और मुस्तैद चुनावी मशीनरी में बदलना होगा। गठबंधन की राजनीति के मोर्चे पर भी सपा के अनुभव बहुत सुखद नहीं रहे हैं। जब भी क्षेत्रीय दल किसी बड़े मोर्चे में शामिल होते हैं, तो सीटों के बंटवारे और नेतृत्व के अहंकार को लेकर खींचतान शुरू हो जाती है। सपा के लिए चुनौती यह है कि वह कांग्रेस और अन्य छोटे जातीय दलों को साथ लेकर तो चले, लेकिन अपनी खुद की राजनीतिक जमीन को उनके हाथों में न सौंप दे। अब चुनाव भारी-भरकम बजट, सोशल मीडिया के चौबीस घंटे चलने वाले नैरेटिव और डेटा के बारीक विश्लेषण के जरिए मतदाताओं के मोबाइल स्क्रीन पर लड़े जा रहे हैं।

अंततः, समाजवादी पार्टी समय रहते अपनी रणनीति, सोशल इंजीनियरिंग और सोच में बुनियादी बदलाव नहीं ला पाती, तो क्षेत्रीय दलों के पतन के इस दौर में उसके लिए भी अपनी राजनीतिक जमीन बचा पाना बेहद चुनौतीपूर्ण हो जाएगा।

धार भोजशाला मामले पर आए फैसले से हिंदू धर्मगुरुओं में खुशी की लहर, बोले- राम मंदिर जैसा ऐतिहासिक फैसला

धार भोजशाला को लेकर हाईकोर्ट का फैसला स्वागत योग्य ऐतिहासिक तथ्य स्पष्ट हुए, यह सत्य और सनातन की जीत

भोपाल। धार भोजशाला को लेकर मप्र हाई कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। इस फैसले को लेकर हरिभूमि ने राजधानी के हिंदू धर्मगुरुओं-संतों, जनप्रतिनिधियों से बात की। उन्होंने इस फैसले को राम मंदिर जैसा ऐतिहासिक बताते हुए इसका स्वागत किया और खुशी जताई है।

धार भोजशाला पर हाईकोर्ट के निर्णय से प्रसन्न संगठन करेंगे आज हवन-पूजन

हरिभूमि चर्चा

- संवैधानिक व्यवस्था के तहत हिंदुओं ने कानूनी लड़ाई लड़ी, जिसके बाद यह फैसला आया
- हाईकोर्ट का निर्णय भारतीय संस्कृति, आस्था, विरासत के सम्मान को नई मजबूती प्रदान करने करने वाला
- न्यायालय के निर्णय का सम्मान करते हुए सौहार्द और सांस्कृतिक गौरव को आगे बढ़ाने पर जोर

जाति एवं वर्गों को हाईकोर्ट के फैसले का सम्मान करना चाहिए

अखिल भारतीय संत समिति मप्र के कार्यकारी अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी अनिलानंद महाराज ने कहा कि भोजशाला को लेकर हाईकोर्ट द्वारा जो फैसला सुनाया गया, वह सर्वमान्य होना चाहिए, क्योंकि भारतीय संविधान के अनुसार हम लोग कोर्ट का अनुपालन करते हैं और सम्मान करते हैं। सभी जाति और वर्गों को कोर्ट का सम्मान करना चाहिए और निर्णय को स्वीकार करें। हिंदू संस्कृति के हिसाब से वहां मंदिर होने के संबंध में हाईकोर्ट ने जो फैसला दिया है, उसकी सभी को मान्य होना चाहिए। हम सभी कोर्ट का सम्मान करेंगे। उसको स्वीकार करेंगे, तथ्यों के आधार पर राजा भोज के द्वारा माता सरस्वती का वहां स्थान जो बनाया गया था, वह प्रमाणित हो चुका है।

धार भोजशाला का फैसला हिंदू धर्म की जीत

धार भोजशाला का फैसला हिन्दू धर्म की जीत है। इस फैसले से भेल बरखेड़ा स्थिति मां सरस्वती देवी मंदिर में आने वाले भक्तों व बिहार सांस्कृतिक परिषद में खुशी की लहर है। यह भी एक ऐतिहासिक मंदिर है, जिसकी स्थापना 66 साल पहले 1960 में की गई थी, तभी से इस मंदिर में हर साल वसंत पंचमी पर मां सरस्वती की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। हाई कोर्ट के फैसले के बाद अब हिन्दू समाज के लोग आ-जा सकेंगे। वहां पर पूजा कर सकेंगे। यह तो पहले से ही तय था कि वहां सरस्वती माता का मंदिर है। कोर्ट के फैसले से यह साबित भी हुआ। परिषद के महासचिव सतेंद्र कुमार ने बताया कि इस फैसले के बाद मंदिर में शनिवार को हवन-पूजन व प्रसादी वितरण किया जाएगा।

भोजशाला के लिए सनातनियों ने लंबे समय तक संघर्ष किया

मां चामुंडा दरबार भोपाल पुजारी रामजीवन दुबे ने बताया कि धार भोजशाला मामले को लेकर जो फैसले आया है, वह स्वागत योग्य है। यह सत्य और सनातन की जीत है। भारत के सनातन हिंदू धर्म पर इतिहास में लगातार आक्रमण हुए, मंदिर तोड़े गए और हिंदुओं पर अत्याचार किए गए। लेकिन इसके बावजूद हिंदू समाज अपनी संस्कृति और धर्म के लिए लगातार संघर्ष करता रहा। भोजशाला के लिए सनातनियों ने लंबे समय तक संघर्ष किया। हम सभी सनातनियों को न्यायालय पर विश्वास बना रहा। उसी विश्वास और सत्य की जीत हुई है। यह केवल एक कानूनी जीत नहीं, बल्कि सनातन परंपरा की जीत है।

जैसी उम्मीद थी, वैसा आया फैसला

मप्र परशुराम कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष पंडित विष्णु राजोरिया ने भोजशाला को लेकर हाई कोर्ट के फैसले को ऐतिहासिक बताया है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर' जैसी जीत की उम्मीद थी। वहीं फैसला कोर्ट ने सुनाया। उन्होंने कहा है कि न्यायालय ने भोजशाला मामले में साक्ष्यों और एएसआई की रिपोर्ट को प्राथमिकता दी है। मुगल शासकों ने तलवार के दम पर हमारे प्राचीन धार्मिक स्थलों पर अवैध कब्जा किया था। अब इस प्रकार के फैसले से हिंदुओं में न्याय की उम्मीद जगी है। धार भोजशाला सनातन और सत्य की बड़ी जीत है। यह एक ऐतिहासिक क्षण था।

सभी समाज, वर्ग सत्य को स्वीकार करेंगे

गुफा मंदिर के महंत राम प्रवेश दास महाराज ने कहा कि धार स्थित भोजशाला मामले में आए हाईकोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। महाराज ने कहा कि भोजशाला परिसर को देखने पर यह स्पष्ट होता है कि वहां का स्वरूप मंदिर जैसा है। उन्होंने कहा कि देश में कई ऐसे प्राचीन मंदिर हैं, जिन पर समय के साथ अन्य ढांचे स्थापित हुए हैं और इस दिशा में शोध व अध्ययन जारी है। अब न्यायालय के फैसले ने ऐतिहासिक तथ्यों को स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि संवैधानिक व्यवस्था के तहत लोगों ने लगातार कानूनी लड़ाई लड़ी, जिसके बाद यह फैसला आया है। उन्हें उम्मीद है कि सभी समाज, वर्ग सत्य को स्वीकार करेंगे। जिन मंदिरों को मुगल शासकों के दौर में नुकसान पहुंचाया गया, उन्हें वापस करके भाईचारे और दोस्ती का संदेश देगा।

करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं का सम्मानः खंडेलवाल

धार स्थित भोजशाला को लेकर मप्र हाईकोर्ट के फैसले के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा कि ऐतिहासिक भोजशाला को लेकर मप्र उच्च न्यायालय का निर्णय भारतीय संस्कृति, आस्था और हमारी गौरवशाली विरासत के सम्मान को नई मजबूती प्रदान करने वाला है। मां वाग्देवी की आराधना स्थली के रूप में भोजशाला की मान्यता एवं इसे संरक्षित स्मारक के रूप में संरक्षण मिलना करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं का सम्मान है। यह निर्णय श्रद्धालुओं के अधिकारों को सशक्त करेगा तथा भोजशाला की गरिमा को और मजबूती देगा। मां वाग्देवी की प्रतिमा को भारत वापस लाने संबंधी निर्देश भी स्वागत योग्य हैं। हम सभी को न्यायालय के निर्णय का सम्मान करते हुए सामाजिक समरसता, सौहार्द और सांस्कृतिक गौरव को आगे बढ़ाना है।

धार भोजशाला के लिए सनातनियों ने लड़ी लंबी लड़ाईः शर्मा

धार भोजशाला के निर्णय का स्वागत कर भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि भारत के सनातन हिंदू धर्म पर लगातार आक्रमण हुए, मुगलों ने मंदिरों पर आक्रमण किए, मंदिर तोड़े गए, वेद पुराण जलाए गए, लाखों हिंदुओं का रक्त बहाया गया लेकिन अपने धर्म के लिए, अपने हिंदुस्तान के लिए, अपनी संस्कृति के लिए हिंदू फिर भी लड़ता रहा। धार भोजशाला के लिए भी सनातनियों ने लंबी लड़ाई लड़ी है। न्यायालय पर हमारा विश्वास बना रहा कि यहां सत्य जीतेगा और आज इसी सत्य की जीत हुई है। मैं सनातन के लिए लड़ने वाले करोड़ बलिदानी हिंदुओं को नमन करता हूं। यह सनातन की जीत है। हम उम्मीद करते हैं कि मुसलमान भी सत्य को स्वीकार करेंगे और जहां-जहां हिंदुओं के स्मृति चिन्ह है, जिन-जिन मंदिरों को मुगल लुटेरों ने तोड़ा है, उनको वापस करके हिंदुओं की तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ाएंगे।

मुस्लिम पक्ष करेगा अपील

धार के भोजशाला को लेकर हाईकोर्ट ने आदेश जारी किया है, जिसमें इस जगह को मंदिर मानने की बात सामने आई है। ऐसे में इस मामले को लेकर मुस्लिम पक्ष सुप्रीम कोर्ट जाएगा। जिसके तहत अपना पक्ष रखा जाएगा। यहां पर मस्जिद होने के सबूत पेश किए जाएंगे। एएसआई के सर्वे को लेकर भी कई तरह की बातें सामने आ रही हैं।

अहमद खुर्रम, अध्यक्ष ऑल इंडिया मुस्लिम त्यौहार कमेटी

खबर संक्षेप

बाल आयोग में हुई दो सदस्यों की नियुक्ति

भोपाल। राज्य शासन ने बाल अधिकार संरक्षण आयोग में दो सदस्यों की नियुक्ति की है। इससे पहले डॉ. निवेदिता शर्मा को आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया जा चुका है। आयोग में अब एक अध्यक्ष और दो सदस्यों की पूर्ण समिति कार्यरत होगी। इससे बाल अधिकार संरक्षण, बाल सुरक्षा और बाल कल्याण से जुड़े कार्यों का संचालन और अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकेगा। जानकारी के अनुसार, राज्य शासन ने मप्र बाल अधिकार संरक्षण आयोग में सोनम निनामा और अधिवक्ता अर्चना गुप्ता को सदस्य नियुक्त किया है।

72 अभ्यर्थियों को जारी किए नियुक्ति-पत्र

भोपाल। मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड द्वारा कंपनी द्वारा दस्तावेज सत्यापन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद 72 चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति प्रस्ताव जारी किए गए हैं। इनमें पूर्व में घोषित प्रथम प्रतीक्षा सूची के 29 अभ्यर्थी भी सम्मिलित हैं। सितंबर 2025 से अब तक विभिन्न पदों पर 277 चयनित अभ्यर्थियों के नियुक्ति-पत्र जारी कर दिए गए हैं। सीधी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत विभिन्न श्रेणी-2 एवं श्रेणी-3 पदों के लिए कुल 43 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र जारी किए गए हैं। अभ्यर्थियों को निर्धारित समय-सीमा में आवश्यक दस्तावेजों सहित उपस्थित होने के लिए कहा गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन स्वयं करेंगे कार्यालयों में कर्मचारियों की उपस्थिति का निरीक्षण

होमगार्ड संभालेंगे धार्मिक स्थलों का प्रबंधन प्रदेश में शुरू किए जाएंगे आईवीएफ सेंटर

प्रदेश के सभी शासकीय कार्यालयों में लागू होगी बायोमीट्रिक अटेंडेंस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि विभाग और जिले जिन क्षेत्रों में पीछे हैं, उनमें सुधार के लिए हर संभव प्रयास किए जाएं। मप्र को सभी क्षेत्रों में देश के अग्रणी राज्यों में स्थापित करना हमारा प्रयास हो। जनहित में किए जाने वाले सभी नवाचारों को राज्य सरकार प्रोत्साहित करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न शासकीय कार्यक्रमों और योजनाओं के क्रियावयन के संबंध में शुक्रवार को मंत्रालय में आयोजित नोडल विभागों की समीक्षा बैठक में बोल रहे थे।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन सहित अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिव स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि स्वामित्व योजना में महिलाओं के नाम से रजिस्ट्री कराई जाए।

बैठक में सीएस, डीजीपी समेत अधिकारियों से चर्चा करते सीएम डॉ. मोहन यादव।

सभी कार्यों की समीक्षा के लिए माह के पहले सोमवार को होगी बैठक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि ग्राम पंचायत स्तर पर स्थानीय लोगों को जागरूक कर नर्मदा समग्र अभियान से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि नर्मदा समग्र मिशन से जुड़े सभी कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए सभी विभागों के अधिकारियों को माह के पहले सोमवार को बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नर्मदा परिक्रमा यात्रियों की सुविधा के लिए पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए।

कपास उत्पादक किसानों के लिए कम किया मंडी शुल्क

मुख्यमंत्री ने कृषक कल्याण वर्ष 2026 में नवाचार और नई योजनाओं की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने बताया कि खंडवा और बुरहानपुर की मंडियों में कपास उत्पादक किसानों से लिया जा रहा मंडी शुल्क एक रुपए से घटाकर 55 पैसे करने के निर्देश दिए हैं। प्रदेश के कपास उत्पादक किसानों को उपज बेचने में कठिनाई न हो इसके लिए कपास का मंडी शुल्क पड़ोसी महाराष्ट्र राज्य के बराबर 55 पैसे किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने अग्निवीरों की भर्ती प्रक्रिया में केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से मिले निर्देशों को लागू करने के निर्देश दिए।

उत्तर प्रदेश सरकार के साथ चित्रकूट धाम के समग्र विकास के लिए होगी संयुक्त बैठक

मुख्यमंत्री ने कहा कि चित्रकूट धाम के समग्र विकास के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के साथ संयुक्त बैठक आयोजित की जाएगी। चित्रकूट धाम की मंदाकिनी नदी में पानी की धारा को अविरल रखने की योजना पर कार्य किया जाएगा। देश में विरासत से विकास के मॉडल के साथ धार्मिक पर्यटन का इकोसिस्टम तैयार किया गया है।

बायोमीट्रिक उपस्थित लागू होगी

मुख्यमंत्री ने राजधानी भोपाल में मंत्रालय, विंध्याचल और सतपुड़ा भवन में तैनात कर्मचारियों की बायोमीट्रिक उपस्थिति की व्यवस्था की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि बायोमीट्रिक अडेंटेंस एक नवाचारी पहल है। इसे प्रदेश के सभी शासकीय कार्यालयों में लागू किया जाए। सभी कार्यालयों में बॉयोमैट्रिक उपस्थित लागू होने से शासकीय कार्य कुशलता और समय बद्धता में वृद्धि होगी।

सांदीपनी विद्यालय परिसरों में अकादमी समय के बाद संचालित हों स्किल डेवलपमेंट गतिविधियां

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में आईवीएफ सेंटर स्थापित करने के लिए आवश्यक कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सांदीपनी विद्यालय परिसरों तथा महाविद्यालयों में अकादमी समय के बाद स्किल डेवलपमेंट, कम्प्यूटर प्रशिक्षण और कोचिंग जैसी गतिविधियां संचालित की जा सकती है।

निर्माण समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश

सिंहस्थ संबंधी कार्यों में सहयोग कर नई मिशाल पेश कर रही उज्जैन की जनताः मुख्यमंत्री

सीएम ने किया हरसिद्धि पाल से रामघाट मार्ग चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सिंहस्थः 2028 के लिए श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों के आवागमन एवं सुविधाएं बढ़ाने के लिए घाटों एवं मार्गों के चौड़ीकरण कार्य किए जा रहे हैं। सरकार द्वारा सभी कार्यों की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है।

सिंहस्थ के लिए सभी कार्य इस तरीके से किए जा रहे हैं कि पौराणिक और धार्मिक नगरी उज्जैन को लंबे समय तक उनका लाभ प्राप्त हो। उज्जैन के जनप्रतिनिधि, सभी धर्म के अनुयायी और नागरिक विकास कार्यों का समर्थन कर रहे हैं और सहयोग प्रदान कर देश के लिए एक नई मिसाल बन रहे है। डॉ. यादव ने शुक्रवार को उज्जैन में रामघाट पहुंचकर हरसिद्धि पाल से राम घाट मार्ग चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत कार्य तेज गति, गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करें।

बाढ़ बचाव प्रशिक्षण का किया अवलोकन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हरसिद्धि पाल से रामघाट मार्ग चौड़ीकरण के निरीक्षण के बाद होमगार्ड द्वारा आयोजित बाढ़ बचाव प्रशिक्षण का अवलोकन भी किया। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे होमगार्ड जवानों की हौसला अफजाई की। डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट संतोष कुमार जाट ने जानकारी दी कि होमगार्ड द्वारा 250 होमगार्ड जवानों को बाढ़ बचाव के लिए डीप डाइविंग, नाविकों, स्विमिंग, लाइफ जैकेट के उपयोग का तरीका, आपदा और बाढ़ बचाव सामग्री का उचित प्रयोग, अंडर वाटर रेस्क्यू और सर्फेस वाटर रेस्क्यू का 15 दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान उज्जैन विकास प्राधिकरण अध्यक्ष रवि सोलंकी, राज्यसभा सांसद बालयोगी उमेशनाथ महाराज, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा आदि मौजूद रहे।

भिठीकला गांव की घटना, पति अस्पताल से फरार

पति ने तीन माह की गर्भवती पत्नी को बेरहमी से पीटा, मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सरगुजा

जिले के अंबिकापुर में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक पति पर अपनी तीन माह की गर्भवती पत्नी की बेरहमी से हत्या करने का आरोप लगा है। भिठीकला गांव में हुई इस वारदात के बाद आरोपी पति अस्पताल से फरार हो गया।

पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। मिली जानकारी के अनुसार, गुरुवार दोपहर भिठीकला निवासी प्रदीप अगरिया ने अपनी 23 वर्षीय गर्भवती पत्नी हीराबाई के साथ विवाद के बाद बुरी तरह मारपीट की। दंपती की पांच वर्षीय बेटी ने पुलिस को बताया कि उसके पिता ने उसकी मां के साथ बेरहमी से मारपीट की थी। बताया जा रहा है कि महिला के बेहोश होने पर आरोपी उसे बाइक से अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले गया। वहां उसने डॉक्टरों को बताया कि उसकी पत्नी सड़क दुर्घटना में घायल हुई है। जांच के दौरान चिकित्सकों ने हीराबाई को मृत घोषित कर दिया। पत्नी की मौत की खबर मिलते ही आरोपी अस्पताल परिसर से बाइक लेकर फरार हो गया। शुक्रवार को परिजनों की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम कराया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में महिला के शरीर पर 16 चोट के निशान पाए गए हैं। साथ ही निजी अंग में गंभीर चोट मिलने की भी जानकारी सामने आई है।

विवाद के बाद युवती का गला घोंटा और पत्थर से वार कर की हत्या

युवती की निर्मम हत्या के मामले में गिरफ्तार आरोपी प्रेमी ने किया चौंकाने वाला खुलासा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायगढ़

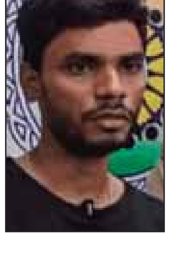

जिले के पूंजीपथरा थाना क्षेत्र में एक युवती की निर्मम हत्या मामले में प्रेमी ने पूछताछ में खुलासा किया है। पुलिस ने प्रेमी लोकनाथ पटेल को गिरफ्तार किया है। लोकनाथ ने पूछताछ में बताया कि शादी के विवाद के बाद उसने युवती की गला घोंटकर और पत्थर से वार कर हत्या की।

शादी की बात पर दोनों के बीच हुआ विवाद

उसी रात शादी की बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ। अगली सुबह 11 मई को वे सक्ति से खरसिंया, आमापाली होते हुए तुमीडिही के जंगल पहुंचे। जंगल में लोकनाथ ने आराधना की गला घोंटकर हत्या कर दी। पूंजीपथरा पुलिस ने मामला दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी लोकनाथ पटेल को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। लोकनाथ ने बताया कि जंगल में आराधना ने उससे प्यार करने की बात कही। इसके बाद उसने पीछे से उसका गला एक मिनट तक दबाया, जिससे आराधना बेहोश होकर जमीन पर गिर गई। फिर उसने एक पत्थर से उसके सिर और कनपटी पर चार-पांच बार जोर से वार किए। इसके बाद उसने चाकू से आराधना के जबड़े, मुंह, नाक और गले के आगे-पीछे काटा। हत्या के बाद लोकनाथ ने आराधना के कपड़े उतारकर वहीं फेंक दिए।

लॉज में पति-पत्नी बनकर रुके

पुलिस के अनुसार, लोकनाथ पटेल ने 16 मई को दिए अपने बयान में पूरी घटना का खुलासा किया। उसने बताया कि 9 मई 2026 की रात उसने आराधना नामक युवती से फोन पर बात की और अगले दिन मिलने का तय किया। 10 मई की सुबह वह आराधना और उसकी बुआ की लड़की से पंजरी संयंत्र में मिला। इसके बाद वह आराधना को अपनी मोटरसाइकिल पर बिठाकर विभिन्न स्थानों से होते हुए सक्ति ले गया। सक्ति में उन्होंने एक लॉज में कमरा किराए पर लिया, जहां लोकनाथ ने रजिस्टर में अपना नाम और आराधना के नाम को बदलकर निमा पत्नी के रूप में दर्ज कराया।

आदेश जारी, बतौर प्रभारी डीजी दे रहे थे सेवाएं

आईपीएस अरुणदेव गौतम छग के पूर्णकालिक डीजीपी नियुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

डीजीपी गौतम।

आईपीएस अरुणदेव गौतम छत्तीसगढ़ के पूर्णकालिक डीजीपी नियुक्त किए गये हैं। इस संबंध में गृह विभाग की प्रमुख सचिव निहारिक बारिक सिंह ने आदेश जारी किया है। बता दें कि साय सरकार ने उन्हें 17 महीने पहले प्रभारी डीजीपी नियुक्त किया था। वर्ष 1992 बैच के आईपीएस ऑफिसर अरुणदेव गौतम अब तक प्रभारी डीजीपी के तौर पर काम कर रहे थे। राज्य शासन ने संघ लोक सेवा आयोग की पुलिस महानिदेशक की नियुक्ति के लिए गठित पैनल की अनुशंसा के बाद उन्हें पूर्णकालिक डीजीपी के पद पर पदस्थ किया है।

फतेहपुर जिले के रहने वाले हैं अरुण देव

किसान परिवार में पले बढ़े अरुण देव गौतम उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले के अभयपुर गांव के रहने वाले हैं। उनका जन्म 2 जुलाई 1967 को हुआ था। उन्होंने आठवीं तक अपने गांव के ही सरकारी स्कूल से शिक्षा ली। इसके बाद आगे की पढ़ाई के लिये अपने बड़े भाई के पास प्रयागराज आ गए। राजकीय इंटर कॉलेज इलाहाबाद से दसवीं और बारहवीं की शिक्षा ली। इसके बाद इलाहाबाद विश्वविद्यालय में एडमिशन लिया। वहां से बीए और राजनीति में एमए किया। इसके बाद जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी नई दिल्ली से अंतरराष्ट्रीय कानून में एमफिल की डिग्री ली।

बिना काम किए हर महीने आएगी नियमित इनकम

एसआईपी के अलावा और भी हैं निवेश के बेहतर तरीके

बिना बिजनेस किए भी बन सकती है पैसिव इनकम

कम जोखिम में स्थिर आय चाहते हैं तो ये विकल्प खास

एफडी, बॉन्ड्स व आरईआईटीएस से हर माह हो सकती है कमाई

बाजार जोखिम के बावजूद निवेशकों में बढ़ा डिविडेंड स्टॉक्स का क्रेज

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

आज के समय में हर व्यक्ति चाहता है कि उसकी कमाई का एक हिस्सा ऐसी जगह निवेश हो, जहां से भविष्य सुरक्षित होने के साथ-साथ नियमित मासिक आय भी मिलती रहे। बढ़ती महंगाई, नौकरी की अनिश्चितता और रिटायरमेंट की चिंता के बीच लोग अब केवल बचत नहीं, बल्कि स्मार्ट निवेश की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। आमतौर पर लोग एसआईपी यानी सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान को निवेश का सबसे लोकप्रिय तरीका मानते हैं, लेकिन इसके अलावा भी कई ऐसे विकल्प मौजूद हैं जो हर महीने नियमित कमाई देने में मदद कर सकते हैं। सही योजना और जोखिम क्षमता को ध्यान में रखकर निवेश किया जाए तो हर महीने अच्छी आय प्राप्त की जा सकती है। ऐसे में जानिए एसआईपी के अलावा कई ऐसे स्मार्ट विकल्पों के बारे में, जो लंबे समय में संपत्ति बढ़ाने के साथ नियमित इनकम का मजबूत जरिया बन सकते हैं।

म्यूचुअल फंड एसडब्ल्यूपी

एसडब्ल्यूपी यानी सिस्टेमैटिक विदड्रॉल प्लान उन निवेशकों के लिए बेहतरीन विकल्प माना जाता है, जो अपने निवेश से हर महीने निश्चित रकम निकालना चाहते हैं। इसमें निवेशक पहले किसी म्यूचुअल फंड में एकमुश्त राशि निवेश करता है और फिर हर महीने तय रकम निकाल सकता है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि बाकी बचा पैसा फंड में निवेशित रहता है और उस पर रिटर्न मिलता रहता है। हालांकि, इसमें बाजार जोखिम जुड़ा होता है, इसलिए निवेश से पहले फंड का प्रदर्शन और जोखिम स्तर समझना जरूरी है।

पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम

जो लोग जोखिम से बचना चाहते हैं, उनके लिए पोस्ट ऑफिस की मंथली इनकम स्कीम काफी भरोसेमंद विकल्प है। यह केंद्र सरकार समर्थित योजना है, इसलिए इसमें जमा राशि सुरक्षित मानी जाती है। इस योजना में निवेश करने पर हर महीने निश्चित ब्याज सीधे खाते में जमा होता है। ग्रामीण और छोटे शहरों में आज भी बड़ी संख्या में लोग इसे सुरक्षित आय का साधन मानते हैं। इसमें एक निश्चित अवधि के लिए निवेश किया जाता है और ब्याज दर सरकार समय-समय पर तय करती है। यह योजना उन लोगों के लिए अधिक फायदेमंद है जो स्थिर और गारंटीड आय चाहते हैं।

डिविडेंड स्टॉक्स

शेयर बाजार में निवेश करने वाले लोगों के बीच डिविडेंड स्टॉक्स तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। डिविडेंड स्टॉक्स वे कंपनियां होती हैं जो अपने मुनाफे का एक हिस्सा नियमित रूप से शेयरधारकों को देती हैं। आमतौर पर मजबूत और स्थिर कंपनियां नियमित डिविडेंड देती हैं। ऐसे में निवेशकों को दोहरा फायदा मिलता है एक तरफ शेयर की कीमत बढ़ने की संभावना रहती है और दूसरी ओर नियमित डिविडेंड आय भी प्राप्त होती है। हालांकि, शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव बना रहता है। लंबी अवधि के निवेशकों के लिए यह अच्छा विकल्प साबित हो सकता है।

कॉर्पोरेट बॉन्ड्स

कॉर्पोरेट बॉन्ड्स उन निवेशकों के लिए अच्छा विकल्प माने जाते हैं जो बैंक एफडी से अधिक रिटर्न चाहते हैं। इसमें निवेशक किसी निजी कंपनी को निश्चित समय के लिए पैसा उधार देता है और बदले में कंपनी तय ब्याज का भुगतान करती है। अच्छी रेटिंग वाली कंपनियों के बॉन्ड अपेक्षाकृत सुरक्षित माने जाते हैं और इनमें बैंक एफडी की तुलना में अधिक ब्याज मिल सकता है। कई कंपनियां मासिक, तिमाही या वार्षिक आधार पर ब्याज भुगतान करती हैं।

सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम

सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम खासतौर पर बुजुर्गों के लिए तैयार की गई सुरक्षित निवेश योजना है। इसमें निवेश पर तिमाही आधार पर ब्याज मिलता है और ब्याज दर सामान्य बचत योजनाओं की तुलना में अधिक होती है। इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें सरकार की गारंटी रहती है, जिससे निवेश पूरी तरह सुरक्षित माना जाता है। साथ ही आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत टैक्स छूट का लाभ भी मिलता है।

रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स

आरईआईटीएस यानी रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स उन लोगों के लिए बेहतर विकल्प हैं जो बिना प्रॉपर्टी खरीदे रियल एस्टेट से कमाई करना चाहते हैं। इसमें निवेशक बड़े मॉल, ऑफिस स्पेस, कमर्शियल बिल्डिंग और अन्य प्रॉपर्टी प्रोजेक्ट्स में अप्रत्यक्ष रूप से निवेश करते हैं। इन प्रॉपर्टी से मिलने वाला किराया निवेशकों के बीच बांटा जाता है। इसका फायदा यह है कि कम राशि में भी रियल एस्टेट सेक्टर में निवेश संभव हो जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, आरईआईटीएस लंबी अवधि में स्थिर आय और पूंजी वृद्धि दोनों का अवसर प्रदान करते हैं।

मासिक ब्याज एफडी

मासिक ब्याज एफडी उन लोगों के लिए अच्छा विकल्प है जो अपनी जमा पूंजी पर हर महीने निश्चित आय चाहते हैं। इसमें निवेशक बैंक या एनबीएफसी में फिक्स्ड डिपॉजिट कराते हैं और 'मंथली पेआउट' विकल्प चुनते हैं। इससे हर महीने ब्याज सीधे खाते में आता रहता है, जिसे पेंशन की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है। वर्तमान समय में कई बैंक और वित्तीय संस्थान आकर्षक ब्याज दरें दे रहे हैं। यह विकल्प कम जोखिम वाले निवेशकों के लिए उपयुक्त माना जाता है। हालांकि, ब्याज दरें समय-समय पर बदलती रहती हैं, इसलिए निवेश से पहले विभिन्न बैंकों की दरों की तुलना करना जरूरी है। विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी निवेश विकल्प को चुनने से पहले अपनी आय, खर्च, जोखिम क्षमता और वित्तीय लक्ष्य को समझना जरूरी है।

एसआईपी की भीड़ में छुपा निवेश का सबसे 'स्मार्ट प्लान' एफएमपी

सुझाव

बिजनेस डेस्क

आज के दौर में निवेश की बात हो और एसआईपी का नाम न आए, ऐसा कम ही होता है। हर दूसरा निवेशक एसआईपी के जरिए लंबी अवधि में बड़ा फंड बनाने की बात करता है। लेकिन निवेश की दुनिया केवल शेयर बाजार और इक्विटी फंड्स तक सीमित नहीं है। ऐसे निवेशकों के लिए भी कई विकल्प मौजूद हैं, जो कम जोखिम के साथ स्थिर और अनुमानित रिटर्न चाहते हैं। इन्हीं विकल्पों में एक नाम है एफएमपी यानी फिक्स्ड मैच्योरिटी प्लान?। यह उन लोगों के लिए बेहतर विकल्प माना जाता है जो बैंक एफडी जैसी सुरक्षा चाहते हैं, लेकिन उससे थोड़ा ज्यादा रिटर्न और टैक्स में राहत भी पाना चाहते हैं। यही वजह है कि इसे "म्यूचुअल फंड वाली एफडी " भी कहा जाता है।

क्या होता है एफएमपी ?

एफएमपी यानी फिक्स्ड मैच्योरिटी प्लान एक क्लोज-एंडेड डेट म्यूचुअल फंड होता है। "क्लोज-एंडेड" का मतलब यह है कि इसमें निवेश केवल एक तय समय तक ही किया जा सकता है। जब स्कीम लॉन्च होती है, तभी निवेशक इसमें पैसा लगाते हैं। उसके बाद स्कीम बंद हो जाती है और नए निवेश की अनुमति नहीं रहती।

इसकी सबसे खास बात यह है कि इसकी मैच्योरिटी पहले से तय होती है। यानी फंड हाउस पहले ही बता देता है कि यह योजना 1 साल, 3 साल या 5 साल की होगी। निवेशक को उसी अवधि तक पैसा निवेशित रखना पड़ता है।

कहां निवेश होता है पैसा?

एफएमपी एक डेट फंड है। इसका मतलब है कि इसमें निवेशकों का पैसा शेयर बाजार में नहीं लगाया जाता, बल्कि सरकारी बॉन्ड्स, कॉरपोरेट

बॉन्ड्स, डिबेंचर्स और अन्य फिक्स्ड इनकम इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश किया जाता है। इन साधनों से निश्चित ब्याज मिलता है, इसलिए इसमें जोखिम इक्विटी फंड्स के मुकाबले काफी कम माना जाता है। यही कारण है कि बाजार में भारी गिरावट आने पर भी एफएमपी निवेशकों पर ज्यादा असर नहीं पड़ता।

कैसे काम करता है एफएमपी

एफएमपी का काम करने का तरीका काफी सरल है। मान लीजिए किसी स्कीम की अवधि 3 साल है, तो फंड मैनेजर उन्हीं बॉन्ड्स में निवेश करेगा जिनकी मैच्योरिटी भी लगभग 3 साल बाद हो। इससे फायदा यह होता है कि ब्याज दरों में बीच-बीच में आने वाले उतार-चढ़ाव का असर सीमित हो जाता है। निवेशक को पहले से अंदाजा रहता है कि मैच्योरिटी पर लगभग कितना रिटर्न मिल सकता है।

एफडी से कैसे अलग

अक्सर लोग एफएमपी की तुलना बैंक एफडी से करते हैं। दोनों में ही पैसा एक तय अवधि के लिए निवेश होता है और रिटर्न भी अपेक्षाकृत स्थिर रहता है। लेकिन एफएमपी की सबसे बड़ी ताकत टैक्स बचत मानी जाती है। बैंक एफडी पर मिलने वाले ब्याज पर निवेशक को अपनी टैक्स स्लैब के हिसाब से टैक्स देना पड़ता है। वहीं एफएमपी में लंबी अवधि के निवेश पर इंडेक्सेशन का लाभ मिल सकता है, जिससे टैक्स देनदारी कम हो जाती है। इंडेक्सेशन महंगाई को एडजस्ट करके निवेश की लागत बढ़ा देता है, जिससे टैक्स योग्य लाभ कम दिखता है। इसका फायदा यह होता है कि निवेशक के हाथ में एफडी के मुकाबले ज्यादा नेट रिटर्न बच सकता है।

बाजार की उथल-पुथल में राहत

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में रिटर्न बाजार की चाल पर निर्भर करता है। बाजार तेजी में हो तो मुनाफा अच्छा मिलता है, लेकिन गिरावट आने पर नुकसान भी हो सकता है। इसके विपरीत, एफएमपी में निवेश बॉन्ड्स और फिक्स्ड इनकम इंस्ट्रूमेंट्स में होता है। इसलिए शेयर बाजार में भारी गिरावट आने पर भी इसमें उतार-चढ़ाव सीमित रहता है।

एफएमपी के जोखिम भी समझना जरूरी

एफएमपी को अपेक्षाकृत सुरक्षित माना जाता है, लेकिन इसमें भी कुछ जोखिम मौजूद रहते हैं। सबसे बड़ा जोखिम इसकी कम लिक्विडिटी है। अगर निवेशक को बीच में पैसों की जरूरत पड़ जाए, तो वह एफडी की तरह आसानी से पैसा नहीं निकाल सकता। इसलिए इसमें वही पैसा लगाना चाहिए जिसकी जरूरत मैच्योरिटी से पहले न हो। दूसरा जोखिम क्रेडिट रिस्क का होता है। अगर जिस कंपनी के बॉन्ड में निवेश किया गया है, वह कंपनी भुगतान करने में असफल हो जाए, तो नुकसान हो सकता है।

क्या चुनें?

अगर कोई निवेशक हर महीने छोटी रकम निवेश करना चाहता है और लंबे समय तक जोखिम लेने को तैयार है, तो एसआईपी बेहतर विकल्प हो सकता है। लेकिन जिन लोगों के पास एकमुश्त राशि है जैसे बोनस, रिटायरमेंट फंड या बचत और वे उसे 1 से 3 साल के लिए सुरक्षित रखना चाहते हैं, उनके लिए एफएमपी बेहतर साबित हो सकता है।

समझदारी से लें फैसला

निवेश का सही विकल्प हमेशा व्यक्ति की जरूरत, जोखिम उठाने की क्षमता और निवेश अवधि पर निर्भर करता है। एफएमपी उन निवेशकों के लिए अच्छा विकल्प है जो स्थिरता, अनुमानित रिटर्न और टैक्स में राहत चाहते हैं।एसआईपी और इक्विटी फंड्स जहां लंबी अवधि में अधिक रिटर्न देने की क्षमता रखते हैं, वहीं एफएमपी पोर्टफोलियो में संतुलन और सुरक्षा देने का काम करता है। इसलिए निवेश करते समय केवल भीड़ का हिस्सा बनने के बजाय जरूरतों के हिसाब से फैसला लेना ज्यादा जरूरी है।

अर्थव्यवस्था मजबूत बनाने वाले विकल्पों में करें निवेश

पीएम मोदी की अपील के बाद बदल रही निवेश की सोच

बचत मंत्र

बिजनेस डेस्क

भारत में सोने को हमेशा सुरक्षित निवेश और सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक माना गया है। शादी-ब्याह से लेकर बचत तक, हर घर में सोना एक अहम हिस्सा रहा है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई मंचों से यह अपील की है कि लोग भौतिक सोने की खरीद कम करें और ऐसे निवेश विकल्प अपनाएं जो देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती दें। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर निवेशक सोने में पैसा फंसाने के बजाय भारतीय कंपनियों, सरकारी योजनाओं और उत्पादक क्षेत्रों में निवेश करते हैं, तो इससे न केवल उन्हें बेहतर रिटर्न मिल सकता है, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी फायदा होगा। ऐसे में अगर निवेशक वैकल्पिक साधनों की ओर बढ़ते हैं, तो इससे विदेशी मुद्रा बचाने और घरेलू निवेश को बढ़ावा देने में मदद मिल सकती है।

इक्विटी म्यूचुअल फंडः छोटी रकम से बड़ी भागीदारी

आज के समय में इक्विटी म्यूचुअल फंड निवेश का सबसे लोकप्रिय विकल्प बन चुके हैं। इसमें निवेशकों का पैसा भारतीय कंपनियों के शेयरों में लगाया जाता है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि निवेशक केवल 500 महीने की एसआईपी से भी शुरुआत कर सकते हैं। लंबे समय में इक्विटी फंड महंगाई को मात देने और बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखते हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि जब लोग इक्विटी फंड में निवेश करते हैं, तो उनका पैसा सीधे भारतीय उद्योगों और कारोबार को मजबूत करने में लगता है।

एसजीबी : सोने जैसा भरोसा, बिना स्टोरेज की चिंता

जो लोग सोने में निवेश करना चाहते हैं, उनके लिए सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड यानी एसजीबी बेहतर विकल्प माना जाता है। यह भारत सरकार द्वारा जारी किया जाता है और इसमें निवेशक को सोने की कीमत बढ़ने का फायदा भी मिलता है। सबसे खास बात यह है कि इसमें भौतिक सोना खरीदने जैसी चोरी, शुद्धता और स्टोरेज की चिंता नहीं रहती। इसके अलावा निवेशक को तय ब्याज भी मिलता है। व

रियल एस्टेटः लंबी अवधि का मजबूत विकल्प

रियल एस्टेट हमेशा से भारतीय निवेशकों की पसंद रहा है। खासतौर पर ऐसे क्षेत्रों में जहां सड़क, मेट्रो, इंडस्ट्रियल कॉरिडोर या नई इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाएं विकसित हो रही हों, वहां जमीन और संपत्ति के दाम तेजी से बढ़ सकते हैं। हालांकि रियल एस्टेट में निवेश के लिए बड़ी पूंजी की जरूरत होती है, लेकिन लंबी अवधि में यह अच्छा रिटर्न और संपत्ति निर्माण का माध्यम बन सकता है।

पीपीएफ और एनएससी : सुरक्षित निवेश का विकल्प

जो निवेशक जोखिम नहीं लेना चाहते, उनके लिए सरकार समर्थित बचत योजनाएं बेहतर विकल्प मानी जाती हैं।पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) और नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट (एनएससी) जैसी योजनाएं सुरक्षित और स्थिर रिटर्न देती हैं। पीपीएफ में लंबी अवधि का टैक्स-फ्री रिटर्न मिलता है, जबकि एनएससी निश्चित ब्याज के साथ सुरक्षित निवेश का विकल्प देता है।

कॉरपोरेट एफडी : बैंक एफडी से ज्यादा रिटर्न

कई निवेशक बैंक एफडीसे बेहतर रिटर्न के लिए कंपनी फिक्स्ड डिपॉजिट यानी कॉरपोरेट एफडी की ओर भी रुख कर रहे हैं। कॉरपोरेट एफडी में ब्याज दरें सामान्य बैंक एफडी से अधिक हो सकती हैं।

गोल्ड ईटीएफ और ईजीआर भी बन रहे विकल्प

विशेषज्ञों का कहना है कि अगर कोई निवेशक सोने में निवेश करना ही चाहता है, तो फिजिकल गोल्ड खरीदने के बजाय गोल्ड ईटीएफ या इलेक्ट्रोनिक गोल्ड रिसिप्ट (ईजीआर) जैसे विकल्प बेहतर हो सकते हैं।इससे गोल्ड इम्पोर्ट पर दबाव कम करने में मदद मिलती है।

संतुलित पोर्टफोलियो जरूरी

वित्तीय विशेषज्ञ हमेशा संतुलित निवेश रणनीति अपनाने की सलाह देते हैं। केवल एक ही साधन में पैसा लगाने के बजाय निवेश को इक्विटी, गोल्ड, डेट और सुरक्षित योजनाओं के बीच बांटना बेहतर माना जाता है। इससे जोखिम कम होता है और अलग-अलग बाजार परिस्थितियों में पोर्टफोलियो स्थिर बना रहता है।

डायरेक्ट फंड्स चुनें या रेगुलर?

म्यूचुअल फंड में सही तरीके से ही लें निवेश का फैसला

सावधानी

बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले ज्यादातर लोगों के सामने एक सवाल जरूर आता है—डायरेक्ट फंड चुनें या रेगुलर फंड पहली नजर में दोनों लगभग एक जैसे दिखाई देते हैं। एक ही फंड मैनेजर, एक जैसी निवेश रणनीति और एक जैसा पोर्टफोलियो। लेकिन इन दोनों के बीच का छोटा-सा फर्क लंबे समय में आपकी कमाई पर बड़ा असर डाल सकता है। निवेश शुरू करने से पहले यह समझना जरूरी है कि आखिर डायरेक्ट और रेगुलर फंड में अंतर क्या है और आपके लिए कौन-सा विकल्प ज्यादा बेहतर हो सकता है।

क्या होता है डायरेक्ट और रेगुलर फंड?

डायरेक्ट फंड वह होता है जिसमें निवेशक सीधे म्यूचुअल फंड कंपनी के जरिए निवेश करता है। इसमें कोई एजेंट, डिस्ट्रीब्यूटर या बिचौलिया शामिल नहीं होता। वहीं रेगुलर फंड में निवेश किसी एडवाइजर, बैंक, एजेंट या डिस्ट्रीब्यूटर के माध्यम से किया जाता है। इसके बदले फंड हाउस उन्हें कमीशन देता है, जिसकी लागत निवेशक से वसूली जाती है। यही वजह है कि दोनों फंड्स के रिटर्न में अंतर देखने को मिलता है।

एक्सपेंस रेशियो का खेल समझिए

डायरेक्ट फंड का सबसे बड़ा फायदा इसका कम एक्सपेंस रेशियो होता है। क्योंकि इसमें किसी डिस्ट्रीब्यूटर को कमीशन नहीं दिया जाता, इसलिए निवेशक की लागत कम रहती है। दूसरी तरफ रेगुलर फंड में कमीशन जुड़ने से एक्सपेंस रेशियो थोड़ा ज्यादा हो जाता है। देखने में यह अंतर छोटा लग सकता है, लेकिन लंबे समय में यह आपकी कुल कमाई पर बड़ा असर डालता है। उदाहरण के तौर पर, अगर दो फंड एक जैसा रिटर्न दे रहे हों और उनमें केवल 1% लागत का फर्क हो, तो 10-15 साल में यह अंतर लाखों रुपये तक पहुंच सकता है। डायरेक्ट फंड में रिटर्न ज्यादा क्यों दिखता है? डायरेक्ट फंड में रिटर्न ज्यादा होने का कारण कोई अलग निवेश रणनीति नहीं है। असल वजह यह है कि इसमें फीस कम कटती है। कम लागत का सीधा फायदा निवेशक को मिलता है और लंबी अवधि में कंपाउंडिंग के जरिए यह अंतर और बढ़ जाता है। यही कारण है कि जो निवेशक खुद रिसर्च कर सकते हैं और बाजार को समझते हैं, वे अक्सर डायरेक्ट फंड को प्राथमिकता देते हैं।

फिर लोग रेगुलर फंड क्यों चुनते हैं?

अगर डायरेक्ट फंड सस्ते और ज्यादा रिटर्न देने वाले हैं, तो सवाल उठता है कि लोग रेगुलर फंड क्यों चुनते हैं? असल में रेगुलर फंड केवल निवेश नहीं, बल्कि गाइडेंस भी देते हैं। एक अच्छा वित्तीय सलाहकार निवेशक की आय, लक्ष्य, जोखिम क्षमता और जरूरतों के हिसाब से सही फंड चुनने में मदद करता है। इसके अलावा बाजार में गिरावट आने पर कई निवेशक घबरा जाते हैं और गलत समय पर पैसा निकाल लेते हैं। ऐसे समय में एडवाइजर निवेशक को शांत रखने और सही रणनीति पर टिके रहने में मदद करता है। यानी रेगुलर फंड की अतिरिक्त लागत केवल कमीशन नहीं, बल्कि सलाह और सपोर्ट की फीस भी होती है।

आपके लिए कौन-सा विकल्प सही?

अगर आप निवेश की बेसिक समझ रखते हैं, खुद रिसर्च कर सकते हैं और बाजार के उतार-चढ़ाव में भावनात्मक फैसले नहीं लेते, तो डायरेक्ट फंड आपके लिए बेहतर विकल्प हो सकते हैं। लेकिन अगर आप नए निवेशक हैं, फंड चुनने में कन्फ्यूज रहते हैं या बाजार गिरने पर घबरा जाते हैं, तो रेगुलर फंड ज्यादा सुरक्षित विकल्प साबित हो सकते हैं। कई बार गलत फैसले जैसे बाजार गिरते ही निवेश रोक देना या बार-बार फंड बदलना निवेशक को उस फीस से कहीं ज्यादा नुकसान पहुंचा देते हैं जो वह रेगुलर फंड में देता है। म्यूचुअल फंड में सफलता केवल सही फंड चुनने से नहीं मिलती, बल्कि सही व्यवहार भी उतना ही जरूरी होता है। हाल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाले फंड के पीछे भागना। बाजार गिरते ही निवेश रोक देना। बार-बार पोर्टफोलियो बदलना। छोटी अवधि में बड़े रिटर्न की उम्मीद करना। ये गलतियां निवेश की पूरी रणनीति खराब कर सकती हैं।

लंबी अवधि में अनुशासन ही असली फायदा

डायरेक्ट फंड हो या रेगुलर, दोनों में सबसे ज्यादा जरूरी है अनुशासन और धैर्य। अगर निवेशक लंबे समय तक लगातार निवेश बनाए रखता है, तो कंपाउंडिंग का फायदा धीरे-धीरे बड़ा फंड तैयार करता है। इसलिए निवेश का फैसला केवल कम फीस या ज्यादा रिटर्न देखकर नहीं, बल्कि अपनी समझ, अनुभव और व्यवहार को ध्यान में रखकर लेना चाहिए।

समझदारी से चुनें निवेश का रास्ता

डायरेक्ट और रेगुलर फंड दोनों के अपने फायदे हैं। डायरेक्ट फंड कम लागत और ज्यादा संभावित रिटर्न देते हैं, जबकि रेगुलर फंड सलाह और निवेश अनुशासन बनाए रखने में मदद करते हैं। आखिर में सही विकल्प वही है जो आपकी जरूरत, निवेश ज्ञान और मानसिक आराम के हिसाब से फिट बैठे। क्योंकि सफल निवेश केवल सही फंड चुनने से नहीं, बल्कि लंबे समय तक सही रणनीति पर टिके रहने से बनता है।

सही रणनीति, अनुशासन और धैर्य के साथ करें निवेश

एसआईपी के बेस्ट टिप्स, लंबे समय में बना देंगे बड़ा फंड

- समय पर शुरू की गई एसआईपी देती है बड़ा फायदा
- लंबी अवधि का निवेश ही दिलाता है असली रिटर्न

तैयारी

बिजनेस डेस्क

आज के दौर में हर व्यक्ति चाहता है कि उसका भविष्य आर्थिक रूप से सुरक्षित हो। बेहतर घर, बच्चों की पढ़ाई, रिटायरमेंट के बाद आरामदायक जीवन और अचानक आने वाली जरूरतों के लिए बड़ा फंड तैयार करना अब लोगों की प्राथमिकता बन चुका है, लेकिन जब निवेश की बात आती है तो अधिकतर लोग शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव से डर जाते हैं। ऐसे में म्यूचुअल फंड की एसआईपी यानी सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान एक आसान और भरोसेमंद विकल्प बनकर सामने आती है। एसआईपी केवल हर महीने कुछ रुपये जमा करने का तरीका नहीं है, बल्कि यह एक अनुशासित निवेश रणनीति है। छोटी रकम से शुरू होकर यह लंबे समय में बड़ा फंड तैयार करने की क्षमता रखती है। वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि सही प्लानिंग और धैर्य के साथ एसआईपी करोड़ों रुपये का कॉर्पस तैयार कर सकती है।

अनुशासन जरूरी

कई लोग बाजार गिरने पर घबराकर अपनी एसआईपी बंद कर देते हैं, जबकि यही सबसे बड़ी गलती होती है। एसआईपी का असली फायदा तभी मिलता है जब निवेशक लगातार निवेश करता रहे। बाजार में गिरावट आने पर कम कीमत पर ज्यादा यूनिट्स खरीदने का मौका मिलता है। इसे रुपी कॉस्ट एवरेजिंग (आरसीए)कहा जाता है। लंबे समय में यही रणनीति औसत लागत को कम करती है और बेहतर रिटर्न देने में मदद करती है। इसलिए बाजार की हलचल देखकर निवेश रोकने के बजाय अनुशासन बनाए रखना जरूरी है।

लंबी अवधि का नजरिया रखें

एसआईपी उन लोगों के लिए नहीं है जो एक-दो साल में पैसा दोगुना करना चाहते हैं। म्यूचुअल फंड में असली संपत्ति लंबे समय में बनती है। विशेषज्ञ कम से कम 5 से 10 साल का नजरिया रखने की सलाह देते हैं। शुरुआती वर्षों में निवेश की रफ्तार सामान्य लग सकती है, लेकिन जैसे-जैसे समय बढ़ता है, कंपाउंडिंग का असर तेजी से दिखाई देने लगता है। कई निवेशकों का अनुभव है कि 10-15 साल तक नियमित एसआईपी करने पर बड़ा फंड तैयार किया जा सकता है।

लक्ष्य तय करके करें निवेश

बिना लक्ष्य के निवेश करना अक्सर भ्रम पैदा करता है। इसलिए एसआईपी शुरू करने से पहले यह तय करना जरूरी है कि निवेश किस उद्देश्य के लिए किया जा रहा है। जैसे घर खरीदना, बच्चों की उच्च शिक्षा, शादी, रिटायरमेंट या इमरजेंसी फंड। जब निवेश किसी खास लक्ष्य से जुड़ा होता है तो बाजार की गिरावट में भी निवेशक भावनात्मक रूप से मजबूत बना रहता है।

जोखिम क्षमता को समझें

हर निवेशक की आर्थिक स्थिति और जोखिम लेने की क्षमता अलग होती है। इसलिए दूसरों को देखकर निवेश करना नुकसानदायक हो सकता है। यदि कोई निवेशक ज्यादा जोखिम नहीं लेना चाहता तो उसे लार्ज कैप या इंडेक्स फंड से शुरुआत करनी चाहिए। वहीं, लंबे समय तक निवेश करने वाले और ज्यादा जोखिम लेने वाले निवेशक मिड कैप या स्मॉल कैप फंड का विकल्प चुन सकते हैं। सही फंड का चयन उम्र, आय और वित्तीय जरूरतों को ध्यान में रखकर करना चाहिए।

ज्यादा रिटर्न देख फंड न चुनें

कई लोग पिछले एक साल का शानदार रिटर्न देखकर किसी फंड में निवेश कर देते हैं, जबकि यह तरीका सही नहीं माना जाता। फंड चुनते समय उसके पिछले 5 से 10 साल के प्रदर्शन को देखना जरूरी है। यह भी देखना चाहिए कि बाजार गिरने पर फंड का प्रदर्शन कैसा रहा, फंड मैनेजर का अनुभव कितना है और फंड लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है या नहीं। जैसे-जैसे आय बढ़ती है, निवेश की रकम भी बढ़ानी चाहिए। इसे स्टेपअप एसआईपी कहा जाता है। यदि कोई व्यक्ति हर साल अपनी एसआईपी में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी करता है तो लंबे समय में उसका फंड कई गुना तेजी से बढ़ सकता है। उदाहरण के तौर पर 5 हजार रुपये मासिक एसआईपी शुरू करने वाला निवेशक यदि हर साल इसमें थोड़ी वृद्धि करता रहे, तो भविष्य में करोड़ों रुपये का कॉर्पस तैयार करना आसान हो सकता है।

बाजार की गिरावट को समझें

जब बाजार में भारी गिरावट आती है तो अधिकतर निवेशक डर जाते हैं, लेकिन अनुभवी निवेशक इसे अवसर मानते हैं। गिरावट के दौरान कम कीमत पर खरीदी गई यूनिट्स भविष्य में ज्यादा रिटर्न देने की संभावना रखती हैं। इसीलिए बाजार में उतार-चढ़ाव को लेकर घबराने के बजाय निवेशकों को अपनी रणनीति पर टिके रहना चाहिए। एसआईपी की सबसे बड़ी ताकत यही है कि यह बाजार के अलग-अलग स्तरों पर निवेश जारी रखती है।

धैर्य ही सबसे बड़ी पूंजी

शेयर बाजार में सफलता केवल ज्ञान से नहीं, बल्कि धैर्य से भी मिलती है। बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य बात है। जो निवेशक हर गिरावट में घबराकर फैसले बदलता है, उसे नुकसान उठाना पड़ सकता है। वहीं, जो निवेशक लंबे समय तक अपनी रणनीति पर कायम रहता है, वही अंत में बड़ा लाभ कमाने में सफल होता है। एसआईपी में धैर्य रखने वाले निवेशकों को ही कंपाउंडिंग का असली फायदा मिलता है।

एलन देगा री-नीट देने वाले सभी 23 लाख छात्रों को निशुल्क अकेडमिक सपोर्ट

कोटा। नीट परीक्षा रद्द होने के बाद शिक्षा मंत्रालय ने 21 जून को री-नीट परीक्षा करवाने की घोषणा की है। ऐसे री-नीट देने वाले देशभर के सभी 22.80 लाख स्टूडेंट्स के लिए एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया हैं। स्टूडेंट फर्स्ट के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए प्रतिदिन क्लासेज के साथ-साथ टेस्ट एवं सोल्युशंस सुविधाएं सभी स्टूडेंट्स को निशुल्क दी जा रही है।

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के सीईओ नितिन कुकरेजा ने कहा कि हम समझते हैं कि यह समय स्टूडेंट्स के लिए मानसिक और शैक्षणिक रूप से चुनौतीपूर्ण है। स्टूडेंट्स की तैयारी प्रभावित न हो, आत्मविश्वास बना रहे और वे अपने लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ते रहें, इसके लिए एलन हर संभव शैक्षणिक सहयोग, मार्गदर्शन और

सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है। हम हर स्टूडेंट के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि री-नीट में शामिल होने जा रहे स्टूडेंट्स के लिए एलन एक्सपटर्स फैकल्टीज के निशुल्क अकेडमिक सपोर्ट के साथ कई अन्य सुविधाएं आज 15 मई से शुरू की जा रही है। इसके तहत एलन एप (ALLEN App) पर रोजाना सुबह 9 से 12 बजे तक स्कोर बूस्टर क्लासेज होंगी। इसके बाद एलन एप पर ही दोपहर 2 से 5 बजे तक रोजाना नीट पैटर्न टेस्ट होगा, जिसमें सभी स्टूडेंट्स को डिटेल्ड एनालिसिस भी मिलेगा। इसके साथ ही प्रतिदिन होने वाले पेपर का सायं 5:30 बजे से एलन नीट (ALLENNEET) यू-ट्यूब चैनल पर एक्सपर्ट फैकल्टीज द्वारा रोजाना डिटेल्ड पेपर सोल्युशन्स भी दिया जाएगा। यह सुविधा एलन एप पर रजिस्ट्रेशन करने वाले सभी छात्रों को 100 प्रतिशत निशुल्क प्रदान किए जाएंगे। विद्यार्थियों से हमारा अनुरोध है उन्हें सभी अनावश्यक बातों से दूर रहकर पूरी सकारात्मकता के साथ अपनी तैयारी पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। यह समय निराश होने का नहीं, बल्कि अपने प्रदर्शन को एलन के साथ मिलकर और बेहतर बनाने के अवसर के रूप में देखने का है।

पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन, हरिद्वार में 'पांडुलिपियों का निवारण एवं संरक्षण' विषय पर पाँच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

- भारत में भारत को मत ढूंढो, विश्व में भारत ढूंढोः श्रद्धेय आयुर्वेद शिरोमणि आचार्य बालकृष्ण
- देश की मूल संस्कृति व मूल प्रकृति को समझोः आयुर्वेद शिरोमणि आचार्य बालकृष्ण
- 'ज्ञानभारतम्' भारत की हस्तलिखित धरोहर हेतु एक सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीकः श्रद्धेय आयुर्वेद शिरोमणि आचार्य बालकृष्ण

हरिद्वार। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय (MoC) की मुख्य पहल "ज्ञानभारतम् मिशन" के अंतर्गत, पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन, हरिद्वार में आयोजित 'पांडुलिपियों का निवारण एवं संरक्षण' पर पंचदिवसीय कार्यशाला पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन, हरिद्वार में आयोजित की गई। इसी क्रम में, संस्कृति, धरोहर, संरक्षण और उन्हें स्थिर करने की वैज्ञानिक विधियों पर केंद्रित रहा। कार्यक्रम में संस्कृति मंत्रालय के अधिकारियों, विशेषज्ञों तथा प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथियों का स्वागत माला और स्मृति चिह्न भेंट करके किया गया।

इस पंचदिवसीय श्रृंखला के पाँचवे दिवस श्रद्धेय आयुर्वेद शिरोमणि आचार्य बालकृष्ण ने 'देश की मूल संस्कृति व मूल प्रकृति' को समझने का उद्घोष करते हुए कहा कि जीर्ण-क्षीर्ण पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण का उद्देश्य हमारी प्राचीन सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर को भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखना है। उन्होंने रेखांकित किया कि केवल संरक्षण ही नहीं बल्कि प्राचीन पांडुलिपियों के साथ-साथ नए लेखन कार्य को भी बढ़ावा देना आवश्यक है। उन्होंने आह्वान किया कि 400–500 वर्ष पुरानी पांडुलिपियों को संशोधित एवं पुनर्संरक्षित करके उन्हें नए स्वरूप में प्रस्तुत किया जाए ताकि वे आने वाली पीढ़ियों के लिए अमूल्य धरोहर बन सकें। साथ ही, उन्होंने 'साक्ष्य-आधारित दस्तावेजों' और प्रमाणों के संरक्षण पर जोर दिया, जिसमें शास्त्रीय ग्रंथों, दस्तावेजों, 'बाबरनामा' और 'आईने अकबरी' जैसे ऐतिहासिक स्त्रोतों का संदर्भ लेकर इतिहास की गहन समझ विकसित करने की बात कही गई। पतंजलि के प्रयासों का उल्लेख करते हुए आचार्यश्री ने 'साक्ष्य-आधारित इतिहास लेखन' की दिशा में किए जा रहे कार्यों को साझा किया। उन्होंने यह भी कहा कि पांडुलिपियाँ केवल पुरातन दस्तावेज नहीं हैं अपितु वे हमारी संपदा, संस्कृति व ज्ञान का अमूल्य भंडार हैं, जिन्हें संरक्षित करना आवश्यक है। उन्होंने चरक संहिता, सुश्रुत संहिता और धन्वंतरि जैसे प्राचीन ग्रंथों का उल्लेख करते हुए पांडुलिपियों के अध्ययन से इतिहास के छिपे हुए रहस्यों को समझाने की बात कही। उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा में प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को संस्कृति-संरक्षण के मूल आधारों से सहसंबद्ध बताया और संस्कृति मंत्रालय के प्रयासों की सराहना की। साथ ही, यह भी बताया कि भारत सरकार द्वारा 'ज्ञानभारतम्' राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण से इन ग्रंथों की पहचान, पुनर्लेखन और डिजिटल संरक्षण का कार्य प्रारंभ किया गया है। संस्कृति, धरोहर और संरक्षण ऐसे शब्द हैं, जो किसी भी देश की पहचान, इतिहास और भविष्य को जोड़ते हैं। ये संप्रत्यय हमारे अतीत को दर्शाने के साथ ही आगामी पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक का काम करते हैं। संस्कृति हमें सिखाती है कि हम कौन हैं, धरोहर हमें बताती है कि हम कहाँ से आए हैं और संरक्षण सुनिश्चित करता है कि हम अपनी पहचान के साथ कहाँ जा रहे हैं। उन्होंने 'भारतीय शिक्षा बोर्ड' की विषयवस्तु में पांडुलिपियों को अध्याय रूप में समावेश करने की बात कहीं। उनका मानना है कि इन्हें सुरक्षित और संरक्षित रखना एक विकसित एवं जागरूक समाज की पहचान है।

वरिष्ठ अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने पतंजलि 'कृषि अनुसंधान परिसर' का अवलोकन किया। कृषि मृदा अनुसंधान की वैज्ञानिक डॉ० मनोहारी राठी ने प्रतिनिधियों को भारत में पाई जाने वाली आठ प्रमुख प्रकार की मिट्टियों, मृदा परीक्षण की प्रक्रियाओं तथा पतंजलि द्वारा विकसित 'धरती का डॉक्टर' ऑटोमेटेड मृदा परीक्षण मशीन के बारे में जानकारी दी। साथ ही, उन्होंने एटोमिक एब्जॉर्प्शन स्पेक्ट्रोफोटोमेट्री, यूवी-विज़ स्पेक्ट्रोफोटोमीटर एवं फ्लेम फोटोमीटर सहित विभिन्न आधुनिक उपकरणों की कार्यप्रणाली की जानकारी दी। जीबीएम, नई दिल्ली की वरिष्ठ संरक्षक, श्रीमती अर्चना गहलोत ने अपने दीर्घकालीन प्रयोगात्मक सत्र में पांडुलिपियों के अवलोकन से संबंधित विभिन्न तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी। पांडुलिपियों के संरक्षण में माइक्रोफिल्मिंग एवं फोटोग्राफिक तकनीकों की महत्ता पर बल देते हुए उन्होंने नमी से बचाव के प्रभावी उपायों का प्रायोगिक प्रदर्शन भी किया। उन्होंने बताया कि हस्तलिपियों की साज-सज्जा, बाइंडिंग तथा सुरक्षित प्रबंधन के लिए विशेष उपकरणों एवं सामग्री का उपयोग आवश्यक है। इससे पांडुलिपियों को भौतिक व प्राकृतिक क्षति, कीट-पतंगों, धूल तथा अन्य प्रभावों से सुरक्षित रखा जा सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पांडुलिपियों को जैविक क्षति से बचाना संरक्षण प्रक्रिया का एक अनिवार्य अंग है।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने आयोजित किया मेगा MSME ऋण वितरण कार्यक्रम

जबलपुर। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया क्षेत्रीय कार्यालय जबलपुर द्वारा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (MSME) क्षेत्र को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 16 मई 2026 को भव्य "मेगा MSME ऋण वितरण कार्यक्रम" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से बैंक ने विभिन्न शाखाओं एवं औद्योगिक क्षेत्रों में 56 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत किए, जिनमें से 12 करोड़ रुपये के ऋण का वितरण किया गया। साथ ही लगभग 60 करोड़ रुपये के नए ऋण प्रस्ताव प्राप्त हुए। कार्यक्रम में जबलपुर सिटी, एमपीएचबी, नेपियर टाउन शाखाओं सहित मनेरी, रिझाई, कटनी एवं मंडला जैसे औद्योगिक क्षेत्रों के उद्यमियों ने सहभागिता की। बैंक के उप अंचल प्रमुख राजकिशोर केरकेट्टा ने चयनित हितग्राहियों को ऋण स्वीकृति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख अविनाश कुमार एवं उप क्षेत्रीय प्रमुख विवेक कुमार ने MSME क्षेत्र से संबंधित विभिन्न बैंकिंग योजनाओं, व्यवसाय विस्तार ऋण, मशीनरी वित्तपोषण, मुद्रा योजना, स्टैंड-अप इंडिया योजना एवं स्टार्टअप प्रोत्साहन योजनाओं की जानकारी प्रदान की। बैंक अधिकारियों ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य MSME क्षेत्र को सशक्त बनाकर स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन एवं आर्थिक विकास को गति देना है। यह आयोजन उद्यमियों को बैंकिंग सुविधाओं तक सरल एवं त्वरित पहुंच उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

पुरुषों के स्पर्म में घर बना लेता है खतरनाक हंता वायरस

न्यूयार्क। दुनिया अभी पूरी तरह से कोरोना के दर्द से उबरी नहीं है कि एक हंता वायरस के खतरे ने फिर डरा दिया है। दुनियाभर में तेजी से फैलने वाले खतरनाक वायरसों को लेकर वैज्ञानिक लगातार नई-नई रिसर्च कर रहे हैं। इसी के तहत हंता वायरस को लेकर एक स्टडी ने हेल्थ एक्सपर्ट्स की चिंता बढ़ा दी है। रिसर्च में दावा किया गया है कि यह वायरस इंसान के शरीर में ठीक होने के कई साल बाद तक छिपा रह सकता है। वैज्ञानिकों के अनुसार हंता वायरस पुरुषों के स्पर्म में करीब 6 साल तक जिंदा रह सकता है और इससे शारीरिक संबंध के जरिए इन्फेक्शन फैलने का खतरा भी बना रह सकता है।

स्विस वैज्ञानिकों की रिसर्च

यह रिसर्च स्विट्जरलैंड के सरकारी संस्थान स्पिएज लेबोरेटरी में हुई है, जो परमाणु और जैविक खतरों से लड़ने के लिए जानी जाती है। रिसर्चर्स ने एक 55 साल के स्विस व्यक्ति का टेस्ट किया, जो 6 साल पहले दक्षिण अमेरिका में हंता वायरस के एंडीज स्ट्रेन से संक्रमित हुआ था। रिसर्च में पाया गया कि उस व्यक्ति के खून, यूरिन और श्वसन तंत्र में वायरस का कोई निशान नहीं था, लेकिन इन्फेक्शन के 71 महीने बाद भी उसके स्पर्म में वायरस सक्रिय पाया गया।

क्या है हंता वायरस

हंता वायरस की वजह से पूरी दुनिया में खौफ है। यह वायरस मुख्य रूप से चूहों और उसके जैसे जीवों से इंसानों में फैलता है। हंता वायरस के लक्षण पहले सामान्य फ्लू की तरह होते हैं। बुखार, शरीर में दर्द, सिरदर्द, पेट खराब होना और हल्की खांसी होती है। सबसे खास बात यह है कि कई लोगों में लक्षण नजर नहीं आते।

आज झुग्गी की ये लड़की है इंटरनेशनल ब्रांड का चेहरा

मुंबई। कभी मुंबई की जिन तंग गलियों में मलीशा खारवा को उनके सांवलेपन के लिए ताने मिलते थे, आज उसी रंग और आत्मविश्वास ने उन्हें इंटरनेशनल ब्रांड्स की पहली पसंद बना दिया है। धारावी की झुग्गियों से निकलकर मलीशा के लग्जरी ब्रांड्स के होर्डिंग्स तक पहुंचने का सफर किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। 2008 में धारावी की झुग्गी बस्ती में जन्मीं मलीशा के घर की आर्थिक स्थिति ऐसी थी कि परिवार का पेट पालने के लिए उनके पिता बच्चों की पार्टियों में जोकर बनकर लोगों को हंसाते थे। लेकिन, मलीशा के सपने बड़े थे। वह खुद को मैग्जीन के कवर पर छपते हुए देखना चाहती थीं।

ये है दुनिया का सबसे महंगा तोता, 3 फीट लंबा

नई दिल्ली। अगर आप मानते हैं कि पालतू जानवर रखना सिर्फ शौक है, कोई बड़ी बात नहीं तो ये कहानी आपकी सोच बदल सकती है। दरअसल, दुनिया में एक ऐसा पक्षी है जिसकी कीमत में आप आराम से एक लग्जरी कार खरीद लें, जी हां, यह तोता सिर्फ खूबसूरती ही नहीं, बल्कि अपनी कीमत के लिए भी मशहूर है। हम बात कर रहे हैं हायसिंथ मकाऊ की, एक ऐसा तोता जिसे दुनिया का सबसे महंगा तोता माना जाता है। इसकी कीमत करीब 1.2 करोड़ रुपए (लगभग 1,50,000 डॉलर) तक पहुंच सकती है। भारत में भी इसके दीवाने कम नहीं हैं। खास ब्रीडर्स और इंपोर्टेड बर्ड्स के शौकीनों के बीच इसकी मांग काफी ज्यादा है। कई अमीर लोग इसे अपने स्टेटस सिंबल के तौर पर रखते हैं। हालांकि, भारत में इसकी कीमत कुछ जगहों पर 12 से 15 लाख के बीच भी बताई जाती है, लेकिन इंटरनेशनल मार्केट में इसकी कीमत आसमान छूती है।

क्या बनाता है इसे इतना खास?

हायसिंथ मकाऊ सिर्फ महंगा ही नहीं, बल्कि अपनी खूबियों की वजह से भी बेहद अनोखा है। यह लगभग 3 फीट लंबा होता है, यानी यह दुनिया का सबसे बड़ा उड़ने वाला तोता है। इसका गहरा नीला रंग इसे ब्लू डायमंड जैसी पहचान देता है, जबकि आंखों के आसपास का पीला घेरा इसकी खूबसूरती को और बढ़ाता है। इसकी चोंच बेहद मजबूत होती है, नारियल को भी आसानी से तोड़ सकता है। यह नट्स, बीज, फल और नारियल खाना पसंद करता है। 50 से 80 साल तक जीने वाला यह तोता पीढ़ियों तक आपका साथी बन सकता है। यह बेहद समझदार होता है, कुछ शब्द बोल सकता है और अपने मालिक से गहरा जुड़ाव बना लेता है।

आखिर इतने महंगे क्यों?

इन तोतों की ऊंची कीमत के पीछे कई वजहें हैं, इनकी दुर्लभता, शानदार रंग, बड़ा आकार और लंबी उम्र। साथ ही इनकी देखभाल भी आसान नहीं होती, जिसके लिए खास माहौल और खर्च की जरूरत पड़ती है। यही कारण है कि ये पक्षी आम लोगों के लिए नहीं, बल्कि खास शौक रखने वालों के लिए ही होते हैं।

कहां पाया जाता है और क्यों है दुर्लभ?

यह खूबसूरत पक्षी मुख्य रूप से दक्षिण अमेरिका, ब्राजील, बोलीविया और पैराग्वे के जंगलों में पाया जाता है। लेकिन, जंगलों के घटते दायरे और अवैध व्यापार के कारण इसकी संख्या तेजी से कम हो रही है। यही वजह है कि इसे अंतरराष्ट्रीय संरक्षण सूची में भी शामिल किया गया है, जिससे इसकी कीमत और भी बढ़ गई है। ब्लैक पाम कॉकाटूः इंडोनेशिया का दुर्लभ तोता, जिसकी कीमत लाखों में होती है।

खाने में लाजवाब, लेकिन बेहद जहरीली है ये मछली, जरा सी लापरवाही में मौत

टोक्यो। दुनिया भर में कई ऐसी चीजें हैं जो स्वादिष्ट तो होती हैं लेकिन उनके साथ खतरा भी जुड़ा होता है। ऐसी ही एक मछली है फुगु, जिसे पफरफिश या ब्लोफिश भी कहते हैं। यह जापानी व्यंजन के रूप में मशहूर है। इसका स्वाद इतना अनोखा और लाजवाब है कि लोग हजारों रुपये खर्च करके इसे खाने के लिए तैयार रहते हैं, लेकिन यह मछली बेहद जहरीली भी है। पकाने में एक छोटी सी लापरवाही खाने वाले की

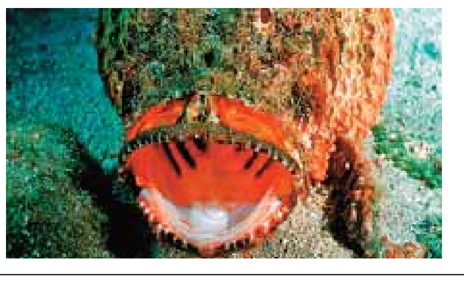

जान ले सकती है। फुगु मछली में टेट्रोडोटॉक्सिन नाम का घातक न्यूरोटॉक्सिन पाया जाता है। यह जहर साइनाइड से भी 1200 गुना ज्यादा खतरनाक है। मछली के लीवर, अंडाशय, आंत और त्वचा में यह जहर सबसे ज्यादा होता है। इतना जहर कि एक मछली 30 से ज्यादा लोगों को मार सकती है। सबसे डरावनी बात यह है कि यह जहर रंगहीन, गंधहीन और स्वादहीन होता है।

आवश्यकता

आवश्यकता है- भारत के सबसे बड़े राइड-बुकिंग प्लेटफॉर्म रैपिडो से जुड़ें। ऑटो या ई-रिक्शा चलाकर प्रतिदिन रू 700 तक गारंटीड कमाई बिना कमीशन और रू 2000 तक जॉइनिंग बोनस पाएं। कॉल करें - 8929449955 (रायपुर /17/मई 26)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाइड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

राशिफल

मेष — मन में शान्ति एवं प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृष — अपनी भावनाओं को वश में रखें। परिवार के स्वास्थ का ध्यान रखें। कारोबार में कुछ समस्याएं आ सकती हैं। भाई-बहनों का सहयोग मिल सकता है।

मिथुन — मन परेशान रहेगा। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन परेशान हो सकता है। परिवार का साथ मिलेगा। किसी मित्र के सहयोग से आय के स्रोत विकसित हो सकते हैं।

सिंह — शैक्षिक कार्यों में कठिनाई हो सकती है। सचेत रहें। किसी मित्र से कारोबार का प्रस्ताव मिल सकता है। कारोबार के लिए विदेश यात्रा लाभप्रद रहेगी।

कन्या — मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु नौकरी में अफसरों से व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। कोई जिम्मेदारी मिल सकती

तुला — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं।

वृश्चिक — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। आत्मसंयत भी रहे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

धनु — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। पिता के स्वास्थ्य में सुधार होगा। परन्तु जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

मकर — वाणी में मधुरता रहेगी, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। परिवार का साथ मिलेगा। आय में वृद्धि

कुंभ — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु संयत भी रहें। क्रोध से बचें। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। कारोबारी कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

मीन — शान्ति एवं प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

शब्द पहेली - 6228

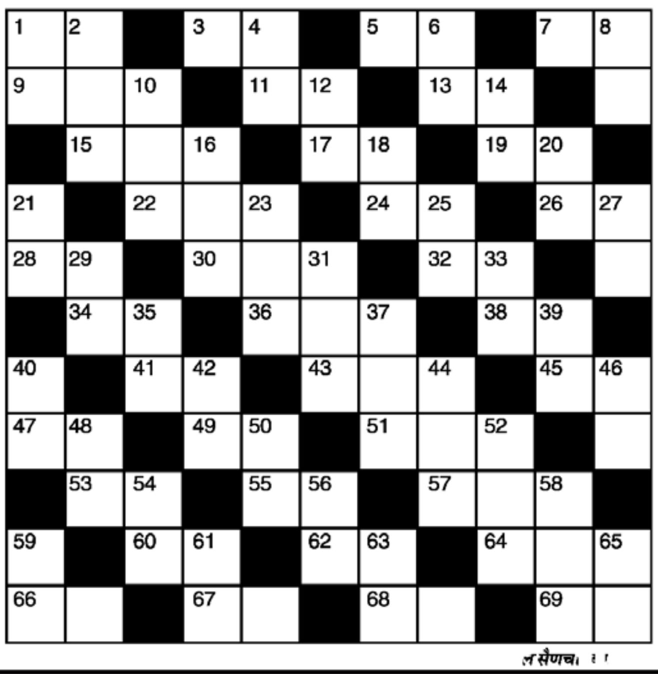

बाएँ से दाएँ
1.होठ,अधर-2
3.बड़ी सवारी गाड़ी-2
5.डोर-2
7.हरे रंग का-2
9.शक,संदेह-3
11.विस्फोटक -2
13.बड़ी नाली-2
15.नमस्कार,नमस्ते-3
17.प्राण-2
19.लक्ष्मी,कमला-2
22.बल,दम-3
24.ठाठ-बाट-2
26.पिता-2
28.कसर-2
30.कुमारी,तरुणी-3
32.जी,चित-2
34.नाखून-2
36.पढ़ने वाला-3
38.उद्देश्य-2
41.मोटा आटा-2
43.नामित-3
45.नर का विलोम-2
47.उर्वरक-2
49.भीगा हुआ-2
51.गिरवी वस्तु-3
53.मनमौजी-2
55.सम्मान-2
57.ले जाने वाला-3
60.आनंद,मजा-2
62.दोस्त,सखा-2
64.निर्माण-3
66.सदैव,हमेशा-2
67.नेत्र,नयन-2
68.आकाश,गगन-2
69.लाख,गोंद-2

ऊपर से नीचे
1.प्यार (अंग्रेजी-2)
2.भगिनी,दीदी-3
4.सभी-2
6.गीत गायन-2
8.मार्ग,रास्ता-2
10.मां का दुलार-3
12.आनंद,रस-2
14.थूक,लेस-2
16.अनुकृति-3
18.सरुर,खुमार-2
20.मां,मदर-2
21.घ्राणेंद्रिय-2
23.चरण तल-3
25.भीगा हुआ-2
27.देह,काया-2
29.मछली-2
31.नृत्य करना-3
33.टौंटी,नलका-2
35.गधा,गर्दभ-2
37.कटि-3
39.माफी-2
40.दोस्त,मित्र-2
42.वायु,गैस-2
44.कॉफी-3
46.मूल्य-2
48.जोर,बल-2
50.लक्ष्मी-2
52.जलमार्ग-3
54.स्थिति-2
56.नवीन-2
58.कूड़ा-3
59.नौकर-2
61.सत्य-2
63.दौड़ना-2
65.गर्भनाड़ी-2

शब्द पहेली- 6227 का हल

■	ल	ज्ज	त	दा	र	■	क	र	त	ब
म	त	■	क	■	ज	टि	ल	■	वा	र
न	■	क	रा	मा	त	■	म	य	■	ग
भा	गी	दा	र	■	प	ल	■	म	द	द
व	■	चा	■	अ	ट	ल	■	■	रा	■
न	ज	र	बं	द	■	का	न	भ	र	ना
■	मी	■	■	र	न	र	■	इ	■	म
अ	न	ल	■	क	र	■	अ	क	ब	र
म	■	ता	क	■	क	त	र	ना	■	ख
रू	ठ	■	ठ	ल	वा	■	दा	■	आ	ना
द	म	दा	र	■	स	न	स	ना	ना	■

सूडोकु नवताल- 6238

मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

MANGAL SEMACHA BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 6237 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

अब जन्मेंगे मनचाहे डिज़ाइनर बेबी!

अब तक तो यही माना जाता रहा है कि जन्म लेने वाले बच्चे का रूप, रंग, गुण या उसकी कोई बीमारी प्रकृति ही निर्धारित करती है। लेकिन जेनेटिक इंजीनियरिंग की नई तकनीक से आने वाले समय में मनचाहे यानी कस्टमाइज्ड बेबी जन्म ले सकेंगे। क्या है यह तकनीक, क्या हो सकते हैं इसके फायदे या नुकसान, यहां बता रहे हैं विस्तार से।

{ कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन }

नमस्कार डॉक्टर साहब! हम एक ऐसा बेबी चाहते हैं, जो हमारी जेनेटिक बीमारियों से दूर रहे। उसका आई क्यू लेवल शानदार हो, चश्मा न लगे उसको, टॉल फिगर हो, कॉम्प्लेक्शन फेयर हो।'

क्या आपने कल्पना की है कि आने वाले दौर में पैरेंट्स किसी फर्टिलिटी क्लीनिक पर जाकर डॉक्टर से कुछ ऐसा कहेंगे? यह मजाक की बात या कोरी कल्पना नहीं है। विज्ञान इतनी तरक्की कर रहा है कि निकट भविष्य में यह संभव होगा। इस तकनीक से पैदा होने वाले बच्चों को 'डिजाइनर बेबी' कहा जाएगा।

क्या है यह तकनीक

डिजाइनर बेबी ऐसा बच्चा होता है, जिसके जेनेटिक स्ट्रक्चर (आनुवंशिक संरचना) को पैदा होने से पहले ही बदल दिया जाता है। यह मुख्य रूप से 'क्रिसपर-केस नाइन' जैसी जीन एडिटिंग तकनीक के जरिए किया जाता है। इसके तहत भ्रूण से खराब जीन कतरकर होने वाले माता-पिता के पसंदीदा गुणों वाले जीन को जोड़ा जा सकता है। ये कस्टम-मेड बच्चे होंगे। वांछनीय गुणों वाले बच्चे पैदा करने यानी बनाने के लिए, होने वाले माता-पिता आईवीएफ क्लीनिक में भ्रूणों का चयन बीमारी के जोखिम के आधार पर कर रहे हैं। इस प्रक्रिया को प्री-इंप्लांटेशन जेनेटिक डायग्नोसिस कहा जाता है। मुख्य रूप से वंशानुगत बीमारियों को रोकने के लिए इसका अभ्यास किया जाता है। इसमें आईवीएफ से बनाए गए भ्रूणों की स्क्रीनिंग की जाती है और माता-पिता उस भ्रूण का चयन करते हैं, जिसे वे एक ऐसे बच्चे के लिए प्रत्यारोपित कर सकते हैं, जिसमें आनुवंशिक विकार के सबसे कम जोखिम होने की भविष्यवाणी की जाती है। इसमें एक एंब्रियो-सेलेक्शन/स्क्रीनिंग कंपनी और आईवीएफ प्रोवाइडर 8-14 दिनों तक रोजाना हार्मोन इंजेक्शन देकर कम से कम 15 अंडे निकालते हैं, जिन्हें पसंद के स्पर्म से फर्टिलाइज किया जाता है। 4-5 दिनों के बाद, एक ब्लास्टोसिस्ट बनता है। यह कोशिकाओं की एक खोखली गेंद जैसी होती है, जिसमें एक अंदरूनी द्रव्य और बाहरी परत होती है। बाहरी परत प्लेसेंटा में विकसित होती है। अंदरूनी द्रव्य भ्रूण बनता है। हर भ्रूण से निकाले गए अंशों की जेनेटिक बीमारी/क्रोमोसोमल असामान्यताओं के लिए स्क्रीनिंग की जाती है और मापे गए हर पैरामीटर के लिए पॉलीजेनिक (कई-जीन) स्कोर दिए जाते हैं। माता-पिता चुनते हैं कि कौन-सा भ्रूण इंप्लांट करना है। दुनिया के सबसे पहले डिजाइनर बेबी होने का दावा वर्ष 2018 में चीन के वैज्ञानिक हे जियानकुई ने किया था, जिन्होंने जुड़वां बच्चियों (लुलु और नाना) के जीन एडिट किए थे।

ब्लास्टोसिस्ट क्या है

ब्लास्टोसिस्ट भ्रूण के विकास का एक प्रारंभिक चरण है, जो फर्टिलाइजेशन के लगभग 5-6 दिनों बाद बनता है, जिसमें लगभग 200-300 कोशिकाएं होती हैं और इसमें दो मुख्य भाग होते हैं, आंतरिक कोशिका द्रव्यमान (जो शिशु बनेगा) और ट्रोफोब्लास्ट (जो प्लेसेंटा बनेगा)। यह वह अवस्था होती है, जब भ्रूण गर्भाशय की परत में प्रत्यारोपित होता है, खासकर आईवीएफ प्रक्रियाओं में।

जीन एडिटिंग के प्रभाव

जीन एडिटिंग के द्वारा डिजाइनर बेबी बनाने के कई प्लस और माइनस परिणाम हो सकते हैं।

बीमारियों से मुक्ति: इस तकनीक का असली उद्देश्य बच्चों को कैंसर, अल्जाइमर और एचआईवी जैसी वंशानुगत बीमारियों से बचाना है।

बनगे सुपर ह्यूमन: जैसे-जैसे तकनीक ज्यादा विकसित होगी भविष्य में वैज्ञानिक ऐसी कोशिश कर सकते हैं, जिससे बच्चे की मांसपेशियों की ताकत और याददाश्त को बढ़ाया जा सकेगा और वे 'सुपर ह्यूमन' बन सकें। कुछ देशों में आईवीएफ क्लीनिक पहले से ही माता-पिता को बच्चे की आंखों का रंग चुनने का विकल्प देने की दिशा में शोध कर रहे हैं। वर्तमान में यह प्रक्रिया इतनी महंगी है कि इसे केवल दुनिया के अमीर लोग ही अपना सकते हैं।

चुनौतियां भी कम नहीं

जीन एडिटिंग के जरिए मनचाहे डिजाइनर बेबी बनाने की तकनीक विकसित होने के कुछ नेगेटिव परिणाम भी भविष्य में देखने को मिल सकते हैं। यदि केवल अमीर लोग ही 'जीनियस' बच्चे पैदा कर पाएंगे, तो समाज में एक नया भेदभाव उत्पन्न हो सकता है। साथ ही जीन एडिटिंग के दीर्घकालिक प्रभाव क्या होंगे, यह अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। एक छोटी-सी गलती बच्चे के स्वास्थ्य पर बहुत भारी पड़ सकती है। उसके जीवन की पूरी दिशा बदल सकती है।

जीन एडिटिंग के जरिए मनचाहे बच्चे पाने के संबंध में एक सवाल यह भी है कि भ्रूणों की एक श्रृंखला में से चुनाव या जीन-एडिटेड भ्रूणों के बावजूद, क्या माता-पिता को भ्रूण के गैर-चिकित्सा लक्षणों को चुनने की अनुमति दी जानी चाहिए? क्या जीन को चुनकर/बदलकर विशेषताओं को 'डिजाइन' किया जा सकता है? क्या आप अंततः अपने बच्चे के जेनेटिक कोड को अपनी मर्जी से बना सकते हैं? समाज शास्त्री कहते हैं डिजाइनर बेबी तकनीक मानव जाति के लिए एक वरदान साबित हो सकती है यदि इसका उपयोग केवल जानलेवा बीमारियों को खत्म करने के लिए किया जाए। लेकिन यदि इसे खूबसूरती और ताकत का पैमाना बनाया गया, तो यह मानवता के लिए नई चुनौतियां खड़ी कर सकता है। समाज में एक नए तरह का भेदभाव और विघटन पैदा कर सकता है। कई समाजशास्त्री चिंतकों का मानना है कि जीवन के साथ इस तरह का बदलाव करना प्रकृति के नियमों का उल्लंघन होगा। कुछ वैज्ञानिक चेतावनी देते हैं कि आधुनिक जेनेटिक स्क्रीनिंग और काउंसलिंग का इस्तेमाल माता-पिता पर दबाव बनाने के लिए किया जा सकता है। अगर समाज कुछ खास लक्षणों को बढ़ावा देता है, तो प्रजनन का चुनाव सामाजिक दबाव बन जाता है। व्यवहार, बुद्धिमत्ता या व्यक्तित्व जैसी चीजों के लिए भ्रूण की स्क्रीनिंग करना, पूर्व में सामने आए यूजेनिक्स पद्धति जैसा होगा, जिसमें यह कंट्रोल करने की कोशिश की गई थी कि किसे पैदा होने की इजाजत है।

कहने का सार है कि आने वाले समय में जीन एडिटिंग से डिजाइनर बेबी के जन्म लेने का चलन बढ़ सकता है। लेकिन इसके परिणाम कितने सकारात्मक या नकारात्मक होंगे, यह तो भविष्य में ही पता चलेगा।

यूजेनिक्स क्या है

यूजेनिक्स एक ऐसा विचार और पद्धति है, जिसका उद्देश्य मानव आबादी की आनुवंशिक गुणवत्ता में सुधार करना है, जिसमें स्वस्थ और वांछनीय गुणों वाले लोगों के प्रजनन को बढ़ावा दिया जाता है और कम वांछनीय या अवांछनीय गुणों वाले लोगों के प्रजनन को रोका जाता है, जो अकसर जबरन नसबंदी और भेदभावपूर्ण प्रथाओं से जुड़ा रहा है, खासकर नाजी जर्मनी और अमेरिका में। इसे विज्ञान के रूप में खारिज कर दिया गया है।

जिस तेजी से तकनीक का दखल बढ़ता जा रहा है, हमारी जीवनशैली आने वाले समय में पूरी तरह बदल जाएगी। आने वाले दिनों में यंगस्टर्स को हाई इनकम वाली कई ऐसी जॉब्स मिलेंगी, जो पूरी तरह हाईटेक होंगी। इनमें से कुछ फ्यूचरिस्टिक जॉब्स पर एक नजर।

यंगस्टर्स को लुभाएंगी फ्यूचरिस्टिक जॉब्स

{ अपकमिंग ट्रेंड
अंजू जैन }

आज के दौर में यंगस्टर्स के लिए करियर की परिभाषा पूरी तरह बदल चुकी है। अब डॉक्टर, इंजीनियर या सरकारी नौकरी ही एकमात्र 'सफल' विकल्प नहीं रह गए हैं। अगर आपमें हुनर है और आप लीक से हटकर सोचने और करने का जज्बा रखते हैं, तो आज का डिजिटल युग आपको शानदार इनकम के मौके दे सकता है। अच्छी बात यह है कि 'फ्यूचरिस्टिक' जॉब्स के लिए आपको किसी बड़े कॉलेज की भारी-भरकम फीस भरकर डिग्री पाने की जरूरत नहीं है। आपमें नई टेक्नोलॉजी सीखने की लगन होनी चाहिए। ऐसे ही कुछ फ्यूचरिस्टिक जॉब्स के बारे में आप भी जानिए, ताकि आने वाले दौर के लिए आप खुद को टेकरेडी बना सकें।

डेटा डिटेक्टिव: करियर की दुनिया में कहा जाता है कि 'डेटा नया हीरा है।' डेटा साइंटिस्ट का काम बिखरे हुए आंकड़ों से अपने लिए काम की जानकारी निकालना है। यह जॉब उन युवाओं के लिए शानदार है, जिनकी गणित और लॉजिक पर पकड़ मजबूत है। इसमें शुरुआती सैलरी ही कई पारंपरिक नौकरियों के टॉप लेवल के बराबर होती है। गूगल खुद कोर्सेरा जैसे प्लेटफॉर्म पर डेटा एनालिटिक्स और साइबर सिक्योरिटी के सर्टिफिकेशन कोर्स कराता है। साथ ही साइबेरी, साइबर सिक्योरिटी संबंधी नई तकनीकें सीखने के लिए यह दुनिया का सबसे बड़ा फ्री कम्युनिटी प्लेटफॉर्म है।

गेमिंग और ई-स्पोर्ट्स: वीडियो गेम अब सिर्फ टाइम पास नहीं रहा। प्रोफेशनल गेमर्स, गेम स्ट्रीमर्स और गेम डेवलपर्स आज लाखों-करोड़ों में खेल रहे हैं। इंटरनेशनल ई-स्पोर्ट्स टूर्नामेंट्स में प्राइज मनी अब किसी क्रिकेट वर्ल्ड कप से कम नहीं होती। अगर आप इसमें अपनी जगह बनाना चाहते हैं, तो कुछ बातों पर ध्यान दें। अपना खास फील्ड चुनें। ई-स्पोर्ट्स का मतलब सिर्फ गेम खेलना नहीं है। आप इनमें से अपनी रुचि के अनुसार कई क्षेत्र चुन सकते हैं, जैसे प्रोफेशनल प्लेयर यानी टूर्नामेंट में हिस्सा लेना, कंटेंट क्रिएटर या स्ट्रीमर यानी यूट्यूब या ट्विच पर गेमप्ले दिखाना, गेम एनालिस्ट/कोच यानी गेम की रणनीति समझना, मैनेजमेंट यानी टीम मैनेजर या इवेंट ऑर्गेनाइजर बनना।

आपको इसके लिए जरूरी स्किल्स सीखनी पड़ेगी। किसी एक गेम को चुनें और उसमें एक्सपर्ट बनें। इसके लिए रोजाना प्रैक्टिस और अपनी गलतियों का आकलन करना जरूरी है। इनके साथ-साथ टीम के साथ तालमेल बिठाने के लिए अच्छी बातचीत की कला सीखें। महारत पाने के लिए सबसे जरूरी है तकनीकी ज्ञान।

प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग: चैटजीपीटी जैसे एआई टूल्स के आने से अब 'प्रॉम्प्ट इंजीनियर' की भारी डिमांड हो गई है। इसमें आपको कोडिंग नहीं, बल्कि एआई से सही तरीके से काम करवाने की कला (सही निर्देश देना) आना चाहिए। बड़ी कंपनियां इसके लिए करोड़ों का पैकेज देने को तैयार हैं। इसे सीखने के लिए एंड्रयू एनजी द्वारा संचालित, चैटजीपीटी प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग फॉर डेवलपर्स एक शानदार फ्री कोर्स है। इसके अलावा लर्न प्रॉम्प्टिंग एक ओपन-सोर्स गाइड है, जो आपको मुफ्त में एआई से बेहतर तरीके से कम्युनिकेट करना सिखाती है।

कंटेंट क्रिएशन और इंफ्लुएंसर मार्केटिंग: यूट्यूब, इंस्टाग्राम और पॉडकास्ट अब सिर्फ मनोरंजन के साधन नहीं, बल्कि फुल-टाइम बिजनेस बन चुके हैं। एक खास विषय पर अच्छी पकड़ और दर्शकों से जुड़ने का हुनर आपको ब्रांड एंडोर्समेंट के जरिए रातों-रात सेलिब्रिटी और अमीर बना सकता है। फाइनेंस की जानकारी देने वाले फिनफ्लुएंसर और डिजिटल मार्केटिंग का फील्ड भी अच्छा है। डिजिटल मार्केटिंग की बेसिक जानकारी के लिए आप गूगल डिजिटल गैरेज मुफ्त में इस्तेमाल कर सकते हैं।

सस्टेनेबिलिटी कंसल्टेंट: दुनिया अब पर्यावरण को लेकर गंभीर है। कंपनियां ऐसे लोगों को खोजती रहती हैं, जो उन्हें 'ईको-फ्रेंडली' बनने में मदद करें। अगर आप पर्यावरण प्रेमी हैं और बिजनेस की समझ रखते हैं, तो यह क्षेत्र भविष्य का सबसे बड़ा मार्केट है। सस्टेनेबिलिटी कंसल्टेंट वह पेशेवर होता है, जो कंपनियों और संगठनों को पर्यावरण के अनुकूल काम करने और अपने कार्बन फुटप्रिंट को कम करने की सलाह देता है। इसके लिए संबंधित शैक्षणिक योग्यता जरूरी है। पर्यावरण प्रबंधन या ईएसजी में (पर्यावरण, सामाजिक और शासन) विशेषज्ञता हासिल करना आपकी प्रोफाइल को बेहतर बनाता है। एक सफल कंसल्टेंट बनने के लिए आपको तकनीकी और सॉफ्ट स्किल्स दोनों की आवश्यकता होती है। जैसे कार्बन उत्सर्जन और पानी के उपयोग जैसे डेटा का विश्लेषण करना आना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार रिपोर्ट तैयार करना आना चाहिए। अपने क्लाइंट के वित्तीय लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए स्थाई व्यावसायिक रणनीतियां बनाने की चतुराई होनी चाहिए। साथ ही आप में अपने क्लाइंट्स को जटिल पर्यावरणीय नीतियों को सरल भाषा में समझाने की कला भी होनी चाहिए।

{ कविता
अवतार सिंह अक्षरजीवी }

स्लेटीपन

कोई सुख, नहीं होता पूरा सुख
कोई दुख, नहीं होता पूरा दुख
चरित्र आधे-अधूरे होते हैं
भावनाएं-कई रंगों का मिश्रण,
एक कोने पर थोड़ा-सा सफेद
दूसरे किनारे पर जरा-सा काला
इनके बीच में बहुत सारा स्लेटी होता है।
सुख में नुकसान ढूंढ़ लेता है मन
और दुख में आनंद तलाश लेता है,
गीतों में से निकाल सकते हैं कंक्रीट
और राख में भी संगीत देख सकते हैं,
किसी का स्वभाव कैसा भी हो
हमारे अनुकूल हो, बस ठीक है जैसे
गर्मियों का आलोचक है संसार लेकिन
शहर की खाली सड़कें, कम ट्रैफिक
इस ऋतु को बेहतर घोषित करने में
कहीं न कहीं विवश सा कर देता है।

पतझड़

एआई इमेज

उसकी दरवाजे पर हल्की-सी वह दस्तक मुझे आज भी याद है। दरवाजे की सांकल खोलते ही उसे सामने पाया तो मैं एक बारगी ठगा-सा रह गया। सारा केश विन्यास अस्त-व्यस्त था, चेहरे की लालिमा कहीं खो सी गई थी। आंखों के नीचे स्याही की एक मोटी रेखा ने मुझे झकझोर दिया। मैंने उसके शांत लेकिन अंदर तक उद्वेलित चेहरे को पढ़ने का प्रयास किया। मुझे लगा कि वह नितांत अकेली वन में खड़ी एक प्यासी हिरनी सी है, जो अपने साथी के बिछड़ जाने पर अपनी गोल-गोल चपल आंखों में अतीत के कितने ही पल समेटे हुए है। मैं और वह किंकर्तव्यविमूढ़ से एक-दूसरे को कुछ देर तक निहारते रह गए। तंद्रा तब टूटी, जब बादलों की तेज गड़गड़ाहट ने हमें बारिश होने का अहसास दिलाया। 'आओ न! बाहर क्यों खड़ी हो?' मैंने सहज भाव से उसे अंदर आने का निमंत्रण दिया। ऐसा लगा कि हम वर्षों वर्ष अलग रहने के बावजूद भी भावनात्मक रूप से कहीं जुड़े हुए हैं। गहरी चुप्पी के साथ वह अंदर आ गई और सोफे के एक किनारे पर सिमट कर जड़वत बैठ गई। 'आज अचानक, इस तरह!' मैंने खामोशी को तोड़ने का प्रयास किया। सुनते ही उसकी आंखों में लाल डोरे तैरने लगे, जिन्हें मैंने साफतौर पर महसूस किया। 'कुछ परेशान सी हो! क्या हुआ?' मेरे यह पूछते ही वह संयम खो बैठी। आंखों में बरसों से सिमटा दर्द एकाएक आंसुओं की धार बनकर बह निकला। जब तक मैं कुछ समझ पाता वह फूट-फूटकर रोने लगी। मैं एकटक उसके मन का बोझ हल्का होते देखता रहा। कुछ समय बीता और वह धीरे से कुछ बुदबुदाई। मैंने सुना वह प्राश्यिचत कर रही थी। 'मुझे माफ कर दो सुमी! मैं हार गई हूं। मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था।' उसकी आवाज की कंपकंपी को मैंने सर्द झौंके सा महसूस किया। एक ठंडी सिहरन मेरे तन-बदन में दौड़ गई। कुछ देर बाद मैं चाय बनाकर ले आया। मेरे आग्रह पर उसने चाय का कप उठा लिया। 'याद है मिनी...' मैंने उसे टटोलते हुए कहा, 'मैंने कभी भी अपने हाथ से चाय नहीं बनाई और न ही मैं आज तक ठीक से चाय बनाना सीख सका, क्योंकि तुमने मुझे अपने ऊपर इतना निर्भर कर दिया था। तुम कहती थी कि मेरे होते तुम चाय क्यों बनाओगे? सब कुछ बदल गया इधर कुछ सालों से! देखो तो चाय ठीक बनी है या नहीं? मिनी ने हां में सिर हिलाया और उसकी आंखें मेरे चेहरे पर ठहर गईं। प्रशंसा की यह मूक भाषा मैंने उसकी आंखों में पहली बार पढ़ी थी। 'तुम्हें पता है सुमी! मैं भी इतने बरस, इतनी अकेली रही हूं कि चैन की एक सांस भी न ले सकी। हर घड़ी तुम्हारे साथ बीते पल मुझे कुरेदते रहते। मेरा अहंकार मुझे धीरे-धीरे खोखला करता गया और मैं घुन लगे पेड़ की तरह अंदर से बिल्कुल बेजान हो गई। मुझमें अकेले खड़े रहने की भी ताकत नहीं बची, सुमी मैं टूट गई हूं। मुझे मेरा सहारा वापस दे दो प्लीज। अब मैं तुम्हारे सहारे जीना चाहती हूं।' उसका क्रंदन मुझे भीतर तक सालता चला गया। दस साल पहले वह उस पत्ते की तरह मुझसे अलग हो गई थी, जो पतझड़ के मौसम में एक क्षण में अपनी शाख से अलग हो जाता है। उसने मुड़कर भी नहीं देखा था तब। घर छोड़कर जाते समय उसने अपने दोनों बच्चों रजत और सजल को भी नहीं पुकारा। एक निष्ठुर मां बनकर उसने घर में कदम न रखने की कसम खाई थी और फिर लौटकर नहीं आई। आज दस साल बीतने के बाद वक्त ने करवट ली थी और हम दोनों उसी कमरे में एक बार फिर साथ बैठे हैं।

-डॉ. सुबोध भटनागर

लघुकथाएं

तस्वीर

एआई इमेज

पापा-पापा आप ये क्या देख रहे हैं?' अशोक के बेटे ने पूछा। 'बेटा एक पुरानी तस्वीर देख रहा हूं। अपने भाई-बहनों की।' आंखें नम करते हुए अशोक ने जवाब दिया। 'कौन-कौन हैं ये?' बेटे ने तस्वीर को गौर से देखते हुए पूछा। तस्वीर को दिखाते हुए अशोक बोले, 'पीली ड्रेस वाली तेरी बड़ी बुआ, पिंक ड्रेस में मंझली बुआ और लाल में जो बैठी है, वो छोटी बुआ।' 'और ये हरी ड्रेस में कौन है?' बेटे ने पूछा। 'अरे यह मेरा छोटा भाई श्यामू यानी तेरा चाचू।' अशोक ने बताया। 'इसका मतलब नीली शर्ट वाले आप ही हैं।' बेटे ने शरारती लहजे में कहा। अशोक ने मुस्कुराते हुए हां में गर्दन हिला दी। 'लेकिन पापा इनको तो मैंने कभी देखा ही नहीं। बुआ और चाचू अब कहां हैं और अपने घर क्यों नहीं आते?' बेटे ने फिर सवाल किया। अशोक ने स्वयं को संभालते हुए कहा, 'हम सबको पिताजी ने यानी तुम्हारे दादाजी ने खूब पढ़ाया-लिखाया लेकिन...' 'लेकिन क्या पापा?' बेटे ने पूछा। 'ये सब विदेश में जाकर बस गए वहीं बड़ी-बड़ी कंपनियों में इंजीनियर हैं।' अशोक ने उदास मन से जवाब दिया। 'आप क्यों नहीं गए विदेश पापा पढ़े-लिखे तो आप भी बहुत है।' बेटे ने पूछा। 'बेटा, मैं भी जाने को तो चला जाता लेकिन बूढ़े मां-बाप की जिम्मेदारी थी मुझ पर... उनकी देखभाल जो करनी थी।' अशोक ने कहा। 'तो क्या बड़े का ही कर्तव्य होता है मां-बाप की सेवा करना, छोटों का नहीं?' बेटे ने थोड़ा गंभीर होते हुए पूछा। 'होता तो है लेकिन कोई समझे तब ना!' उन्होंने लंबी सांस भरते हुए कहा। बेटे का चेहरा उतर गया। उसके उतरे चेहरे को देखकर अशोक ने पूछा, 'अरे तुमने मुंह क्यों लटका लिया?' उसने धीरे से कहा, 'इसका मतलब तो यह हुआ कि मैं बड़ा होकर विदेश नहीं जा सकता।' 'क... क... क्यों... नहीं जा सकते तुम?' अशोक ने आश्चर्य से पूछा। 'मैं तो आपका इकलौता बेटा हूं ना इसलिए। मुझे तो बड़े होने की भूमिका निभानी है, छोटे होने की नहीं।' बेटायह कहते हुए अपने पापा के गले से लिपट गया। बेड पर रखे एलबम के पन्ने हवा के संग फड़फड़ा रहे थे।

-गोविंद भारद्वाज

{ पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण }

लोक-संस्कृति का प्रवाह

वर्तमान आधुनिकता के हाहाकारी बयार और पश्चिमी अंधानुकरण के दौर में जब जन सामान्य, अपनी जड़ों से दूर होता जा रहा है, ऐसे में लोक संस्कृति से जुड़ाव की दिशा में किया गया छोटा सा प्रयास भी बहुत मायने रखता है। इस लिहाज से हाल में प्रकाशित हुए 'नवोदित प्रवाह' के लोक संस्कृति विशेषांक की सराहना की जानी चाहिए। इसमें देश के लगभग हर प्रदेश की लोक संस्कृति की बहुरंगी छवि देखी जा सकती है। संस्कृति की महत्ता को रेखांकित करते हुए वरिष्ठ लेखक राजेंद्र रंजन चतुर्वेदी लिखते हैं, 'संस्कृति जीवन के साथ चलती है, जीवन के प्रवाह में बहती है, जीवन को गति देती है, जीवन को प्रेरित और निर्देशित करती है।' रमई काका पर गंगा प्रसाद शर्मा का लेख, कजली पर कृष्ण कुमार यादव का लेख, लावणी

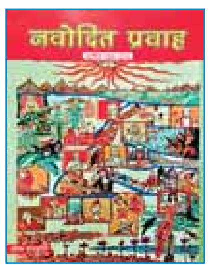

लोकनृत्य पर इंदिरा किसलय का लेख समेत पूर्वोत्तर राज्यों की सांस्कृतिक विरासत पर भी बढ़िया लेख यहां पढ़े जा सकते हैं। बंगाल के लोक साहित्य पर अल्पना सिंह का लेख, छत्तीसगढ़ के लोकगीत और लोकनृत्य पर ममता तिवारी का लेख भी पठनीय है। इनके अलावा 'महुआ घटवारिनः एक अधूरी प्रेम कहानी' (कहानी), 'गर्व या मातम' (लघुकथा) और लोक-सांस्कृतिक रंग में रंगी बुद्धिनाथ मिश्र, आकांक्षा द्विवेदी, कृष्ण बिहारी, उद्भ्रांत की कविताएं विशेष रूप से पठनीय हैं। वरिष्ठ कवि बाल स्वरूप राही के साक्षात्कार ने इस अंक की महत्ता को और बढ़ा दिया है।

पत्रिका: नवोदित प्रवाह-वार्षिकांक 2026 (लोक संस्कृति विशेष),
संपादक: रजनीश त्रिवेदी 'आलोक', **मूल्य:** 200 रुपए
प्रकाशन स्थल: देहरादून, उत्तराखंड

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
बेंगलुरु	12	8	4	16
गुजरात	12	8	4	16
हैदराबाद	12	7	5	14
पंजाब	12	6	5	13
राजस्थान	11	6	5	12
चेन्नई	12	6	6	12
दिल्ली	12	5	7	10
कोलकाता	11	4	6	9
मुंबई	12	4	8	8
लखनऊ	12	4	8	8

ऑरेंज कैप

हेनरिक क्लासेन
508 रन
हैदराबाद

पर्पल कैप

भुवनेश्वर कुमार
22 विकेट
बेंगलुरु

खबर संक्षेप

एलएसजी के कप्तान पर 12 लाख का जुर्माना

लखनऊ। लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत पर चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आईपीएल के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। लखनऊ ने शुक्रवार को खेले गए इस मैच में चेन्नई को 7 विकेट से हराकर उसकी प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदों को करारा झटका दिया था। आईपीएल ने कहा, 'आईपीएल की न्यूनतम ओवर गति से संबंधित आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत उनकी टीम का यह पहला अपराध था, इसलिए ऋषभ पंत पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है।' लखनऊ की टीम पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है।

अवनि का दूसरा सर्वश्रेष्ठ स्कोर, किया कट हासिल

हैम्बर्ग। भारतीय गोल्फर अवनि प्रशांत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरे दौर में चार अंडर 69 का दूसरा सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया, जिससे वह जर्मन मास्टर्स टूर्नामेंट के कट में जगह बनाने में सफल रही।

पहले दौर में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने वाली अवनि का कुल स्कोर अब एक ओवर हो गया है और वह संयुक्त 47वें स्थान पर है। कट दो ओवर पर गया। इस तरह से अवनि कट में जगह बनाने वाली एकमात्र भारतीय खिलाड़ी रही। इस टूर्नामेंट में भाग ले रही भारत की दो अन्य खिलाड़ी प्रणवी उर्स और वाणी कपूर कट में जगह नहीं बना पाई। प्रणवी ने दूसरे दौर में एक ओवर पार का स्कोर बनाया और कुल मिलाकर चार ओवर के साथ संयुक्त 72वें स्थान पर रहीं। वाणी पहले दौर के बाद ही टूर्नामेंट से हट गईं थी। जर्मनी की एस्थर हेंसेलीट (64-71) दूसरे दौर में दो अंडर 71 का कार्ड खेलकर कुल नौ अंडर पार के स्कोर के साथ शीर्ष पर हैं। सारा कौस्कोवा ने दिन का सर्वश्रेष्ठ स्कोर सात अंडर 64 बनाया। वह दूसरे स्थान पर हैं।

सिनसिनाटी में कट हासिल करने से चूकी अदिति

सिनसिनाटी । भारतीय गोल्फर अदिति अशोक दूसरे दौर में एक ओवर 71 का कार्ड खेलने के बाद क्रोगर क्वीन सिटी चैंपियनशिप में कट हासिल करने से चूक गईं।

पहले दिन के उन्होंने दो ओवर कर स्कोर किया था, जिससे उनका कुल स्कोर तीन ओवर का रहा जबकि कट दो ओवर पार पर तय किया गया था। अमांडा डोहर्टी और जिन यंग ने दूसरे दौर की समाप्ति तक संयुक्त बढ़त कायम कर ली थी। दोनों खिलाड़ियों ने दूसरे दिन चार अंडर 66 के स्कोर के साथ शानदार प्रदर्शन किया। इन दोनों का कुल स्कोर सात अंडर का है। इस सत्र में यह केवल तीसरा मौका है जब अदिति कट में जगह बनाने में असफल रहीं। उन्होंने इससे पहले ब्लू बे एलपीजीए में संयुक्त तीसरा स्थान हासिल कर प्रभावशाली प्रदर्शन किया था।

आज शाम 7.30 बजे सूर्यवंशी और स्टार्क का होगा सामना

करो या मरो की जंग में आमने सामने दिल्ली और राजस्थान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली कैपिटल्स को प्लेआफ की उम्मीदें बनाए रखने के लिए रविवार को आईपीएल का महत्वपूर्ण मुकाबला हर हालत में जीतना होगा और नजरें इस पर लगी होंगी कि वैभव सूर्यवंशी सीम और स्विंग के महारथी मिचेल स्टार्क का सामना कैसे करते हैं। दिल्ली के 12 मैचों में 10 अंक है और प्लेऑफ में जगह बनाने की उसकी संभावना नहीं के बराबर है। इस मैच में हार से वह दौड़ से बाहर ही हो जाएगी। वहीं रॉयल्स के 11 मैचों में 12 अंक है और एक सप्ताह के ब्रेक के बाद टीम तरोताजा होकर मैदान पर लौटेगी। उनकी पूरी कोशिश होगी कि दिल्ली उनके रंग में भंग नहीं डाल सके।

स्टार्क का आईपीएल में प्रदर्शन मिला-जुला

स्टार्क का आईपीएल में प्रदर्शन मिला जुला रहा है। आईपीएल 2024 के फाइनल में उन्होंने बेहतरीन पहला स्पैल डालकर केकेआर की जीत की नींव रखी थी। अगर स्टार्क टेस्ट क्रिकेट वाला अपना फॉर्म लेकर उतरते हैं तो सूर्यवंशी के लिए मुश्किलें खड़ी हो सकती है। अब तक 400 से ज्यादा टेस्ट विकेट ले चुके स्टार्क को शुरुआती स्विंग और सीम मिल जाती है तो सूर्यवंशी की तकनीक की असल परीक्षा होगी।

वैभव पहली बार खेलेंगे कोटला के मैदान पर

वैभव सूर्यवंशी फिरोजशाह कोटला पर पहली बार खेलेगा और उनको बल्लेबाजी करते देखना का ऐसा क्रेज है कि फ्री पास मांगने वालों की होड़ मची हुई है। आईपीएल के 19 साल में दिल्ली कैपिटल्स के प्रशंसक वफादार नहीं रहे हैं। जब कोटला पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु खेलती है तो दर्शक 'कोहली कोहली' चिल्लाते हैं जबकि चेन्नई सुपर किंग्स के खेलने पर पूरा कोटला पीले रंग में रंग जाता है और सात नंबर की धोनी की जर्सी ही सर्वत्र नजर आती है। इतने साल में अपने प्रशंसकों का बेस नहीं बना सकी दिल्ली की टीम रविवार को उतरेगी तो इसमें कोई अचरज नहीं होगा अगर दर्शक सूर्यवंशी की हौसलाअफजाई करें।

अक्षर और कुलदीप का खराब फॉर्म

दिल्ली की टीम ने पिछले कुछ मैच सपाट पिचों पर खेले हैं। उसके लिए कप्तान अक्षर पटेल (12 मैचों में दस विकेट) और कुलदीप यादव (11 मैचों में 7 विकेट) का खराब फॉर्म चिंता का सबब रहा है। लुंगी एंगिडि को छोड़कर तेज गेंदबाज भी नहीं चल सके हैं। केएल राहुल अकेले बल्लेबाज रहे हैं, जिन्होंने दिल्ली के लिए लगातार रन बनाए हैं। नीतिश राणा और समीर रिजवी को बड़ी पारियां खेलनी होंगी। रॉयल्स के लिए चिंता की बात कप्तान रियान पराग (10 मैचों में 207 रन) का खराब फॉर्म है। रॉयल्स के गेंदबाजों ने जोफ्रा आर्चर की अगुवाई में अच्छा प्रदर्शन किया है।

पंजाब किंग्स को जीत की चाह प्लेऑफ पर आरसीबी की नजर

आज दोपहर 3.30 बजे से अय्यर और पाटीदार की टीमों में मुकाबला

एजेंसी ▶▶| धर्मशाला

मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) रविवार को होने वाले आईपीएल में पंजाब किंग्स की कमजोर गेंदबाजी का फायदा उठाकर प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की करने के उद्देश्य से मैदान पर उतरेगा। धर्मशाला के बेहद खूबसूरत स्टेडियम में होने वाले इस मैच का मुख्य आकर्षण निश्चित तौर पर विराट कोहली रहेंगे, जिन्होंने पिछले मैच में शतक लगाया था। आरसीबी टूर्नामेंट की एकमात्र ऐसी टीम है, जिसने अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखी है। उसकी टीम पंजाब के खिलाफ जीत के प्रबल दावेदार के रूप में उतारेगी। टूर्नामेंट की शानदार शुरुआत करने वाले पंजाब किंग्स पर लगातार 5 मैच में हार के बाद टूर्नामेंट से जल्दी बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। आरसीबी की टीम, जहां अंक तालिका में बेहद अच्छी स्थिति में है पंजाब किंग्स की टीम के लिए एक और हार प्लेऑफ के दरवाजे लगभग बंद कर देगी।

बेहद संगठित टीम आरसीबी

आरसीबी का सवाल है तो वह बेहद संगठित टीम नजर आ रही है। 37 वर्षीय कोहली बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने रायपुर में केकेआर के खिलाफ 60 गेंदों में 105 रन बनाए थे। भुवनेश्वर कुमार और जोश हेज़लवुड सहित उसके तेज गेंदबाज यहां की परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाना चाहेंगे। दर्शकों की नजर फिर से कोहली पर होगी, जो एक और बड़ी पारी खेलने के लिए प्रतिबद्ध होंगे।

गेंदबाजी पर नियंत्रण बनाए रखने में असफल पंजाब

पंजाब किंग्स यहां खेले गए पिछले दो मैच में अंतिम पांच ओवर में अपनी गेंदबाजी पर नियंत्रण बनाए रखने में असफल रहा और इस तरह से 210 और 200 रन का बचाव नहीं कर पाया। असल में इस प्रारुप के इतिहास में 200 से अधिक का स्कोर बनाने के बाद सबसे अधिक मैच (10) हारने का रिकॉर्ड पंजाब किंग्स के नाम पर है। जेवियर बार्टलेट और मार्को यानसन जैसे गेंदबाज पूरे टूर्नामेंट में महंगे साबित हुए हैं, जिससे पंजाब को अपने गेंदबाजी संयोजन में बदलाव करने की जरूरत है। अर्शदीप सिंह ने पिछले मैच में किफायती गेंदबाजी की जबकि अजमतुल्लाह उमरजई ने सत्र के अपने पहले ही मैच में बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन किया। पंजाब की बल्लेबाजी अच्छी रही है लेकिन पिछले कुछ मैच में वह इस विभाग में भी अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाया है।

इटालियन ओपन

रुड ने डार्डेरी को हराया पहली बार फाइनल में

एजेंसी ▶▶| रोम

कैस्पर रूड ने बारिश के कारण लगभग दो घंटे तक खेल रुकने के दौरान भी अपनी एकाग्रता बनाए रखी और इटली के लुसियानो डार्डेरी को 6-1, 6-1 से हराकर पहली बार इटालियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई।

रुड जब पहले सेट में 4-1 से आगे चल रहे थे तब बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा था। रविवार को होने वाले फाइनल में उनका सामना विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर या दानिल मेदवेदेव से होगा। सिनर और मेदवेदेव के बीच

सेमीफाइनल मैच बारिश के कारण पूरा नहीं हो पाया। जब यह मुकाबला स्थगित करने का फैसला किया गया तब इटली के खिलाड़ी सिनर रूस के मेदवेदेव से 6-2, 5-7, 4-2 से आगे चल रहे थे। महिला वर्ग का फाइनल कोको गॉफ और एलिना स्वितोलिना के बीच खेला जाएगा। फ्रेंच ओपन से पहले यह आखिरी अभ्यास टूर्नामेंट है।

सात्विक-चिराग का धमाकेदार खेल, फाइनल में पहुंचे

थाईलैंड ओपन : भारतीय जोड़ी ने मलेशियाई जोड़ी को 82 मिनट में हराया

एजेंसी ▶▶| बैंकॉक

सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने तीन गेम के रोमांचक मुकाबले में मलेशिया के गोह जे फेइ और नूर इजुद्दीन को हराकर थाईलैंड ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल फाइनल में प्रवेश कर लिया। दुनिया की चौथे नंबर की जोड़ी सात्विक और चिराग ने नौवीं रैंकिंग वाली मलेशियाई जोड़ी को 82 मिनट में 19-21, 22-20, 21-16 से हराया। चिराग ने कहा, 'अच्छा लग रहा है।

हमने साल की शुरुआत उतनी अच्छी नहीं की थी और अच्छी शुरुआत नहीं होने की वजह से हम मानसिक रूप से भी मजबूत नहीं थे। 'उन्होंने कहा, 'बतौर खिलाड़ी हम सचमुच जवाब चाहते थे। आखिरकार थॉमस कप में मिले कांस्य पदक ने हमारे आत्मविश्वास में काफी बढ़ोतरी की। और अब हम यहां साल का अपना पहला फाइनल खेल रहे हैं।'उन्होंने कहा, 'उम्मीद है कि हम यह खिताब जीत लेंगे।' भारतीय जोड़ी ने 2019 और 2024 में खिताब जीता था और तीसरी बार फाइनल में पहुंची है।

मलेशियाई जोड़ी के खिलाफ रिकॉर्ड 7-2 का

अब सात्विक और चिराग का सामना इंडोनेशिया के लियो रोली कार्नांडो और डेनियल मार्टिन या चीन के हि जि तिंग और रेन शियांग यू की जोड़ी से होगा। मलेशियाई जोड़ी के खिलाफ उनका रिकॉर्ड 7-2 का था लेकिन गोह और इजुद्दीन ने पिछले साल इंडिया ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में उन्हें हराया था। मलेशियाई जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करके 3-1 की बढ़त बना ली लेकिन सात्विक और चिराग ने स्कोर 5-5 से बराबर कर लिया। पहले गेम में मलेशियाई जोड़ी ने ब्रेक तक 11-8 की बढ़त बना ली। चिराग की गलती से शटल नेट में चली गई और अंतर बढ़ गया।

पाकिस्तान ने किया विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के लिए स्क्वाड का ऐलान

5 नए चेहरों को मौका, भारत से होगी पहली भिड़ंत

एजेंसी ▶▶| कराची

इंग्लैंड में 12 जून से शुरू होने वाले आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 और उससे पहले आयरलैंड व वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अपनी टीम घोषित कर दी है।

ऑलराउंडर फातिमा सना लगातार दूसरे टी20 वर्ल्ड कप में टीम की कमान संभालती नजर आएंगी, जिन्होंने 2024 के सीजन में भी कप्तानी की थी। इस बार टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण देखने को मिल रहा है। इस वैश्विक टूर्नामेंट के लिए चुनी गई टीम में पांच ऐसी खिलाड़ी शामिल हैं, जो

अपने पहले टी20 वर्ल्ड कप मैच का इंतजार कर रही हैं। इनमें ऐमन फातिमा, नतालिया परवेज, रमीन शमीम, सायरा जबीन और तस्मिया रुबाब के नाम शामिल हैं। नतालिया 2018 और तस्मिया 2024 के वर्ल्ड कप स्क्वाड का हिस्सा रह चुकी हैं, लेकिन उन्हें तब एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला था। इनमें से ऐमन, नतालिया और रमीन 2025 के वनडे वर्ल्ड कप की टीम में भी शामिल थीं, जिसे भारत ने जीता था।

महिला क्रिकेट टीम पहुंची उज्जैन लिया महाकाल का आशीर्वाद

एजेंसी ▶▶| उज्जैन

भारतीय महिला क्रिकेट टीम टी20 विश्व कप 2026 की शुरुआत से पहले उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर पहुंची। कप्तान हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारतीय टीम ने भगवान महाकाल का आशीर्वाद लिया और सभी खिलाड़ी भस्म आरती में भी शामिल हुईं। भारतीय टीम की कई खिलाड़ी अपने परिवार संग आशीर्वाद लेने पहुंचीं। सभी खिलाड़ियों ने पूजा-अर्चना करते हुए टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने की मनोकामना मांगी।

14 जून को भारत का पहला मैच पाकिस्तान से

महिला टी20 विश्व कप का आगाज 12 जून से होगा। भारतीय टीम टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत 14 जून को पाकिस्तान के खिलाफ करेगी। इसके बाद टीम की अगली भिड़ंत 17 जून को नीदरलैंड से होगी। वहीं, 21 जून को ओल्ड ट्रैफर्ड के मैदान पर टीम इंडिया का सामना मजबूत साउथ अफ्रीका से होगा। भारत और बांग्लादेश के बीच 25 जून को रोमांचक मुकाबला खेला जाएगा, जबकि ग्रुप स्टेज के अपने आखिरी मुकाबले में भारतीय टीम 28 जून को ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी।

स्क्वाश

सेंथिलकुमार और जोशना ने जीता युगल का खिताब

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

वेलवन सेंथिलकुमार और जोशना चिनप्पा की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी ने अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन करते हुए शनिवार को तीसरी एचसीएल राष्ट्रीय युगल स्क्वाश चैंपियनशिप में मिश्रित युगल का खिताब जीता। शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी ने फाइनल में अभय सिंह और रतिका सीलान की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी को 11-7, 11-9 से हराया। सेंथिलकुमार और जोशना दोनों ने इससे पहले टूर्नामेंट में अपने-अपने साथियों के साथ क्रमशः पुरुष और महिला युगल खिताब भी जीते थे। सेंथिलकुमार ने अभय के साथ मिलकर फाइनल में राहुल बैठा और सूरज कुमार चंद को 11-8, 11-5 से हराकर लगातार तीसरे वर्ष पुरुष युगल का खिताब अपने नाम किया। महिला युगल के फाइनल में जोशना और रतिका ने जेनेट विधि और पूजा आरती को 11-8, 11-4 से हराया।

एशियाई जूनियर स्क्वाश में भारत की चुनौती पेश करेंगे आर्यवीर

आर्यवीर दीवान चीन में इस महीने के आखिरी में होने वाली एशियाई जूनियर व्यक्तिगत स्क्वाश चैंपियनशिप में भारत की चुनौती पेश करेंगे। पिछले साल अंडर 17 लड़कों का खिताब जीतने वाले दीवान इस बार अंडर 19 वर्ग में उतरेंगे। टूर्नामेंट 20 से 24 मई तक खेला जाएगा, जिसमें उन्हें तीसरी वरीयता मिली है। भारत ने अंडर 11 से अंडर 19 वर्ग तक 32 सदस्यीय टीम उतारी है। पिछली बार भारत ने दो स्वर्ण, दो रजत और तीन कांस्य पदक जीते थे।

चैंपियंस लीग : विला 37 मुकाबलों में 62 पॉइंट के साथ चौथे नंबर पर

एस्टन विला ने लिवरपूल को हराया, पक्का किया क्वालिफिकेशन

एजेंसी ▶▶| बर्मिंघम

एस्टन विला ने प्रीमियर लीग में लिवरपूल पर 4-2 से शानदार जीत हासिल करके अगले सीजन के यूईएफए चैंपियंस लीग के लिए क्वालिफिकेशन पक्का कर लिया है।

एस्टन विला की तरफ से ओली वॉटकिंस ने शानदार दो गोल किए। इस जीत से एस्टन विला 37 मुकाबलों में 62 पॉइंट के साथ चौथे नंबर पर पहुंच गया है। वहीं, लिवरपूल 59 पॉइंट के साथ पांचवें नंबर पर आ गया और अब क्लब को चैंपियंस लीग में अपनी जगह पक्की करने के लिए एक मुश्किल लड़ाई लड़नी होगी।

एमरी की टीम ने दिखाया आक्रामक खेल

उनाई एमरी की टीम ने विला पार्क में आक्रामक खेल दिखाया। लिवरपूल ने पहले हाफ में काफी समय तक मैच में कंट्रोल रखा, लेकिन विला ने 42वें मिनट में पहला गोल किया। मॉर्गन रोजर्स के पास पेनल्टी एरिया के बाईं ओर जगह थी और लुकास डिग्ने ने उन्हें पास दिया, और रोजर्स ने आराम से गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया। दूसरे हाफ में जल्द ही लिवरपूल ने बराबरी कर ली। मैच के 52वें मिनट में कप्तान वर्जिल वैन डाइक ने डोमिनिक सोबोस्जलाई के फ्री-किक पर हेडर से गोल किया। कुछ देर बाद मेहमान टीम लगभग मैच में वापसी कर ही ली थी, लेकिन युवा खिलाड़ी रियो न्गुमोहा का दूर से खेला गया जोरदार शॉट गोल पोस्ट से टकरा गया। फिर सोबोस्जलाई की बड़ी गलती का फायदा उठाकर विला ने मैच में अपनी पकड़ को दोबारा से मजबूत कर लिया। ओली वॉटकिंस मौके को भुनाने में सफल रहे और उन्होंने शानदार गोल दागा। इसके बाद भी विला का आक्रामक खेल जारी रहा। एमिलियानो बुएंडिया का शानदार कर्लिंग शॉट भी पोस्ट से टकराया।

राज्य स्तरीय निरीक्षण में सामने आई स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही

कागजों में चमके स्वास्थ्य केंद्र जमीनी हकीकत ने खोली पोल

जबलपुर। स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्थाओं को लेकर लंबे समय से उठ रहे सवाल अब राज्य स्तरीय निरीक्षण में सही साबित होते नजर आ रहे हैं। कागजों में चमकते दिखाए जा रहे स्वास्थ्य केंद्रों की असली तस्वीर तब सामने आई जब राज्य स्तर से पहुंचे डिप्टी डायरेक्टर (क्वालिटी इंश्योरेंस) डॉ. पंकज बुधौलिया ने तिलवारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और विभिन्न संजीवनी केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में स्वास्थ्य सुविधाओं की जमीनी स्थिति बेहद खराब मिली, जिससे विभागीय कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि जिन आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को रिकॉर्ड में व्यवस्थित और सुचारु बताया जा रहा था, वहां मूलभूत सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं थीं। कई केंद्रों में पुताई अधूरी मिली, आवश्यक दवाइयों का अभाव था और चिकित्सा उपकरण भी नहीं पाए गए। राज्य स्तरीय टीम के सवालों के जवाब

में स्थानीय अधिकारी संतोषजनक जानकारी नहीं दे सके।

किट खरीदी में गड़बड़ी के आरोप

जांच के दौरान सबसे गंभीर मामला होम बेस्ड न्यूबॉर्न केयर (एचबीएनसी) और 'नई पहल' किट खरीदी से जुड़ा सामने आया। जानकारी के अनुसार जिला कम्युनिटी मोबिलाइजर दीपिका साहू और एपीएम संदीप नामदेव की भूमिका इस खरीदी प्रक्रिया में अहम बताई जा रही है। निरीक्षण के दौरान जब स्टोर रूम का सत्यापन किया गया तो वहां न तो एचबीएनसी किट मिली और न ही नई पहल किट का कोई स्टॉक मौजूद था। इससे खरीदी प्रक्रिया पर सवाल उठने लगे हैं। सूत्रों का कहना है कि जो किट वितरित की गईं, उनकी गुणवत्ता भी बेहद खराब थी। ऐसे में शासकीय राशि के दुरुपयोग और घटिया सामग्री की खरीदी की आशंका गहरा गई है।

क्वालिटी मानकों में भारी कमी

हाल ही में 12 मई 2026 को आयोजित राज्य स्तरीय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में क्वालिटी इंश्योरेंस, फायर सेफ्टी और एनक्यूएएस मानकों को लेकर सख्त निर्देश जारी किए गए थे। विभाग का लक्ष्य वर्ष 2025-26 तक सभी स्वास्थ्य सुविधाओं का एनक्यूएएस असेसमेंट पूरा करना है, लेकिन निरीक्षण में सामने आई स्थिति ने इस लक्ष्य पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। राज्य स्तरीय टीम ने पाया कि कई स्वास्थ्य केंद्र गुणवत्ता मानकों से काफी पीछे हैं। आवश्यक दस्तावेजों और सुविधाओं में भारी अंतर मिला, जिससे स्पष्ट हुआ कि जमीनी स्तर पर व्यवस्थाओं को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है।

अधिकारियों पर कार्रवाई की तैयारी

निरीक्षण के बाद डिप्टी डायरेक्टर डॉ. पंकज बुधौलिया ने संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनहित की योजनाओं में भ्रष्टाचार और लापरवाही किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सूत्रों के मुताबिक मामले की विस्तृत जांच कराई जाएगी और दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जा सकती है। राज्य स्तरीय निरीक्षण के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है।

पमरे महाप्रबंधक ने किया जबलपुर-भिटौनी रेलखंड का सघन निरीक्षण

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेल के महाप्रबंधक ने 16 मई 2026 को रेल संरक्षा, यात्री सुविधाओं एवं अधोसंरचना विकास कार्यों की समीक्षा के उद्देश्य से जबलपुर मंडल के विभिन्न रेलखंडों एवं स्टेशनों का सघन निरीक्षण किया। विशेष निरीक्षण यान 'परख' से उन्होंने जबलपुर-गढ़ा-कछपुरा-भेड़ाघाट-भिटौनी रेलखंड का तकनीकी निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक सबसे पहले गढ़ा गुड्स शेड पहुंचे, जहां माल यातायात एवं यात्री सुविधाओं से संबंधित व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इसके बाद कछपुरा मालगोदाम का निरीक्षण कर परिचालन में सुधार के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कछपुरा-भेड़ाघाट-भिटौनी रेलखंड के बीच रेलवे ट्रैक, सिग्नलिंग प्रणाली एवं ओवरहेड इक्विपमेंट (OHE) की गहन जांच की गई, ताकि ट्रेनों का संचालन सुरक्षित एवं निर्बाध बना रहे। भिटौनी स्टेशन पर महाप्रबंधक ने यात्री सुविधाओं की समीक्षा करते हुए संरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

वापसी के दौरान मदनमहल रेलवे स्टेशन पर चल रहे बुनियादी ढांचा विकास कार्यों की प्रगति का अवलोकन किया गया। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को सभी निर्माण कार्य समयसीमा में पूर्ण करने एवं यात्रियों की सुविधाओं को प्रभावित न होने देने के निर्देश दिए। महाप्रबंधक ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा एवं ट्रेनों का समयपालन रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा विकास परियोजनाओं में गुणवत्ता के साथ तेजी लाई जाए। निरीक्षण के दौरान मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण, प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक, मंडल रेल प्रबंधक जबलपुर सहित मुख्यालय एवं मंडल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

ईडी ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

महर्षि महेश योगी आश्रमों की जमीनों में फर्जीवाड़े के मिले संकेत

जबलपुर। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु महर्षि महेश योगी से जुड़े आश्रमों की जमीनों में कथित फर्जीवाड़े और अवैध बिक्री के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने जी. रामचंद्र मोहन और आकाश मालवीय को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि जबलपुर, बिलासपुर, रायपुर और नोएडा स्थित आश्रमों की जमीनों को फर्जी दस्तावेजों के जरिए बेचने का प्रयास किया गया। जानकारी के अनुसार, यह मामला लंबे समय से विवादों में रहा है और विभिन्न राज्यों में इससे जुड़े मुकदमे भी लंबित हैं। ईडी सूत्रों के मुताबिक जांच में बड़े स्तर पर वित्तीय गड़बड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग के संकेत मिले हैं। अधिकारियों का मानना है कि इस पूरे मामले में संगठित गिरोह और कुछ प्रभावशाली लोगों की भूमिका भी हो सकती है। इधर, महर्षि संस्थान की ओर से मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। इस पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट की न्यायमूर्ति जे.के. माहेश्वरी और न्यायमूर्ति अतुल चंदोरकर की पीठ ने उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव की निगरानी में एसआईटी गठित करने के आदेश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश और छत्तीसगढ़ में मामले लंबित होने के बावजूद यदि संपत्तियों की बिक्री हुई है तो यह गंभीर चिंता का विषय है। कोर्ट ने बिना अनुमति बेची गई संपत्तियों की जांच करने और पूरे मामले की फैक्ट फाइंडिंग रिपोर्ट तीन माह में पेश करने के निर्देश दिए हैं। जांच एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि कथित फर्जीवाड़े से जुड़े करोड़ों रुपये कहां और किस तरह इस्तेमाल किए गए। मामले में आगे और गिरफ्तारियां होने की संभावना भी जताई जा रही है।

उपभोक्ता मंच ने बैठक कर मुख्यमंत्री का आभार जताया

मप्र आयुर्विज्ञान विवि का विखंडन टला

जबलपुर। जबलपुर में स्थित मप्र आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय (एमपीएमएसयू) के विखंडन को लेकर जनसंगठनों द्वारा किए जा रहे तीखे विरोध को देखते हुए राज्य सरकार ने फिलहाल मेडिकल यूनिवर्सिटी को तीन हिस्सों में बांटने का निर्णय टाल दिया है। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में मेडिकल यूनिवर्सिटी को 3 हिस्सों में बांटने को फिलहाल टालने हेतु लिए गए निर्णय पर नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद प्रेषित किया है। नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच ने शनिवार को बैठक आयोजित कर बताया कि इस यूनिवर्सिटी को बांटने के कोई भी प्रस्ताव को निरस्त किया जाए, क्योंकि जबलपुर की जनता अब कोई भी विखंडन को

बर्दाश्त नहीं करेगी तथा उसका डटकर विरोध होगा। डॉ.पीजी नाजपांडे ने बताया कि मेडिकल यूनिवर्सिटी के अधिनियम में जबलपुर में हेडक्वार्टर बनाए रखकर प्रदेश के अन्य शहरों में रीजनल सेंटर बनाने का प्रावधान है। वर्तमान में इस यूनिवर्सिटी के पास एक अरब चालीस करोड़ रुपए जमा है। इस राशि का उपयोग कर रीजनल सेंटर्स बनाकर वहां पर परीक्षा के कार्य सुचारु ढंग से किए जा सकते है। बैठक में रजत भार्गव, एड.वेदप्रकाश अधौलिया, डीआर लखेरा, मनीष शर्मा, तथा एड.ब्रजेश साहू उपस्थित थे।

केस में लगा पैसा मांगने डंडे से की मारपीट

जबलपुर। हनुमानताल थाना अतंर्गत सिंधी कैंप कलारी के सामने केस पर पैसा खर्च होने की बात पर चार बदमाशों ने एक युवक से दो हजार रुपए की मांग करते हुए गालीगलौज व मारपीट कर डंडे से हमला कर घायल कर दिया। हनुमानताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार सिंधी कैंप निवासी 55 वर्षीय सब्जी विक्रेता संजय सोनकर शनिवार की सुबह सब्जी मंडी जा रहा था। रास्ते में सिंधी केम्प कलारी के सामने सोनू, कालू, राजा एवं मोनू उर्फ बौरा आए और तूने हमारे ऊपर केस लगवाया है जिससे पैसे खर्च हो रहे हैं कहते हुए उससे 2 हजार रूपये की मांग करने लगे, मना करने पर चारों गाली गलोज व मारपीट करने लगे और मोनू उर्फ बौरा ने डंडे से उस पर हमला कर दिया, वहीं सोनू और कालू ने धक्का देकर उसे गिरा दिया और राजा ने लात से मारा। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296(बी), 119(1), 351(3), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

तीन पत्ती चौक पर वारदात, हमलावर फरार

शराब पार्टी में झगड़े के बाद डीजे संचालक की हत्या

जबलपुर। शहर में अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। लगातार हत्या की वारदाते हो रही हैं। शुक्रवार की देर रात मदनमहल थाना अतंर्गत बस स्टेंड तीन पत्ती चौक के पास रोहाणी ट्रेव्लर्स के सामने एक नौजवान की सरेराह चाकू घोंपकर हत्या कर दी। दरअसल रात में आवारागर्दी, शराबखोरी पर पुलिस लगाम नहीं लगा पा रही, जिसकी परिणीति संगीन अपराधों के रुप में सामने आ रही है। पिछले चार दिनों में यह तीसरी वारदात है।

बताया जाता है कि शादी का सीजन खत्म होने के बाद टेंट, डीजे व ट्रांसपोर्ट के कर्मचारियों के लिए पार्टी रखी गई थी। उस पार्टी में हुए विवाद के बाद युवकों ने घेराबंदी कर कपिल नामक की चाकू मारकर हत्या कर दी। मृतक डीजे का

कारोबार करता था।

मदनमहल थाना प्रभारी धीरज कुमार राज ने बताया कि जहांगीराबाद निवासी 28 वर्षीय कपिल प्यासी होटल अमोदा में बर्थडे पार्टी जाने के लिए घर से निकला था। बर्थडे पार्टी में उसका आरोपी अंकुश और निहाल से उसका विवाद हो गया था। मौके पर शिवम पटेल, हरि कृष्णा, हनी पटेल ने समझौता कराकर जैसे तैसे मामला शांत करा दिया था। वहां से लौटते समय रास्ते में आरोपी अंकुश सोंधिया और निहाल सोंधिया ने पीछा किया। कपिल प्यासी जैसे ही अपने घर के सामने पहुंचा, वैसे ही आरोपियों ने उस पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। चीख पुकार सुनकर उसका छोटा भाई अतुल प्यासी घर के बाहर निकला तो उसने बताया कि अंकुश सोंधिया और निहाल सोंधिया ने चाकू मारे है और बस स्टेंड की तरफ भाग गए। मौके पर कपिल के दोस्त शिवम पटेल, हरि कृष्णा, हनी पटेल भी मौजूद थे। इन लोगों ने भी कपिल भाई अतुल को बताया कि अंकुश एवं निहाल दोनों कपिल को चाकू मारकर भागे हैं। इसके बाद सभी लोग घायल को लेकर जबलपुर अस्पताल पहुंचे, जहां से उसे मेडिकल रिफर कर दिया गया। अस्पताल पहुंचते ही उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने आरोपी अंकुश सोंधिया उर्फ नटबर व निहाल सोंधिया के विरूद्ध धारा 296(ए), 103(1), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

निचली अदालत ने सुनाई थी उम्रकैद की सजा

हत्या के दो आरोपी हाईकोर्ट से बरी

जबलपुर। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने एक महत्वपूर्ण फैसले में अनूपपुर जिले के वर्ष 2013 के तिपन नदी हत्याकांड में आजीवन कारावास की सजा पाए दो व्यक्तियों को बरी कर दिया।

न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल तथा न्यायमूर्ति अवनींद्र कुमार सिंह की खंडपीठ ने अधार सिंह तथा पूरन सिंह की अपीलों को स्वीकार करते हुए द्वितीय अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, अनूपपुर के दोषसिद्धि आदेश को रद्द कर दिया। अभियोजन के अनुसार 26 जुलाई 2013 की रात्रि को बृजेश सिंह, अधार सिंह एवं कैलाश सिंह अनूपपुर के रानीतालाब गांव में पूरन सिंह से एक सुजुकी मोटरसाइकिल खरीदने गए थे। लौटते समय कदमसरा गांव के समीप पार्क की गई एक ट्रक से टक्कर हो गई। अभियोजन का आरोप था कि अधार सिंह तथा पूरन सिंह ने पुलिस छानबीन से बचने के उद्देश्य से, बिना रजिस्ट्री वाली मोटरसाइकिल (जिसके इंजन एवं चेसिस नंबर जानबूझकर मिटा दिए गए थे) के भय से, घायल बृजेश सिंह को पुल से तिपन नदी में फेंक दिया। मृत शरीर दो दिन बाद, 29 जुलाई 2013 को, पुल से 2-3 किलोमीटर दूर नदी की चट्टानों में उलझा हुआ मिला।

खंडपीठ द्वारा निर्णय में कहा गया कि कई महत्वपूर्ण गवाह, जिनमें मृतक के निकटतम संबंधी तथा कथित प्रत्यक्षदर्शी भी शामिल थे, मुकदमे के दौरान विपक्षी हो गए। पोस्टमॉर्टम करने वाले चिकित्सक भी यह स्पष्ट नहीं कर सके कि चोटें मृत्यु से पूर्व की थीं या पश्चात की, तथा मृत्यु डूबने से हुई या मोटरसाइकिल दुर्घटना से हुई। शरीर पूर्णतः सड़ चुका था। न्यायालय ने जांच एजेंसी की लापरवाही पर गहरी नाराजगी जताते हुए कहा कि कथित ट्रक का कोई अता-पता नहीं मिला, क्षतिग्रस्त मोटरसाइकिल का कोई यांत्रिक निरीक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की गई, तथा शरीर बरामदगी की दूरी को लेकर गवाहों के बयानों में गंभीर अंतर्विरोध थे। खंडपीठ ने दोनों अपीलकर्ता, जो अपनी गिरफ्तारी से निरंतर जेल में थे, को तत्काल रिहा किए जाने के आदेश दिए गए। अभियुक्तों की ओर से प्रशांत अवस्थी, आशीष त्रिवेदी, असीम त्रिवेदी, आनंद शुक्ला, अभिषेक पांडेय, आशीष तिवारी , विनीत टेहेनगुनिया, शुभम पाटकर ने पैरवी की।

लोकसभा सांसद दुबे के साथ पमरे जीएम की हुई बैठक

यात्री सुविधाओं, अधोसंरचना विकास व स्टेशन की हेंडलिंग क्षमता बढ़ाने पर बल

जबलपुर। सर्किट हाउस क्रमांक 01 में, सांसद (लोकसभा) जबलपुर आशीष दुबे की पमरे महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जबलपुर मंडल एवं क्षेत्रीय रेल विकास से जुड़े विभिन्न यात्री सुविधाओं, अधोसंरचना विकास तथा रेल परिचालन संबंधी विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस बैठक में जबलपुर रेलवे स्टेशन की हैंडलिंग क्षमता बढ़ाने, कोचिंग मेंटेनेंस सुविधाओं के विकास तथा जबलपुर रेलवे स्टेशनों पर ओपन एरिया में टीन शेड एवं पर्याप्त कवरिंग की व्यवस्था किए जाने, पार्किंग व्यवस्था में सुधार हेतु एंट्री एवं एग्जिट मार्ग पृथक किए जाने तथा यात्रियों की सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में शहपुरा के समीप रोड ओवर ब्रिज मरम्मत कार्य के कारण उत्पन्न यातायात समस्याओं पर भी चर्चा हुई। इस संबंध में वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था एवं जनसुविधा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक कार्रवाई करने पर सहमति बनी। इसके अतिरिक्त जबलपुर स्टेशन से गरीब रथ ट्रेनों की संख्या एवं स्टॉपेज बढ़ाने, जबलपुर–दमोह रेल कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने तथा पुणे जाने वाली ट्रेनों के फेरे बढ़ाकर नियमित संचालन किए जाने के विषय पर भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक में संबंधित विभागाध्यक्षों एवं अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। पश्चिम मध्य रेलवे यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने एवं क्षेत्रीय रेल अधोसंरचना विकास के लिए सतत प्रयासरत है।

बुलट हटाने के विवाद पर चाकूबाजी में युवक घायल

जबलपुर। हनुमानताल थाना अतंर्गत गली नंबर 1 माहरिया कैफे के सामने बुलट हटाने की बात पर तीन बदमाश ने एक युवक के साथ मारपीट कर चाकू से हमला कर घायल कर दिया।
हनुमानताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार राजीवनगर मोहरिया राजाबाबा की कुटी निवासी 26 वर्षीय मोह. दिलशाद अपने दोस्त मोह. कलीम, मोह. शानू के साथ रात लगभग 12.30 बजे मोटर सायकल से घर जा रहा था, गली नम्बर 1 मोहरिया कैफे के सामने गुटखा लेने के लिये रूके तभी मोहम्मद हसल अपने दो साथी के साथ हमारी गाड़ी के सामने अपनी बुलट लगा दिये जिसे बुलट हटाने के लिये कहा तो इसी बात पर मोह. हसन और उसके साथी गाली गलोज करते हुये मारपीट कर, मोहम्मद हसन ने चाकू से हमलाकर घायल कर दिया। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296(बी), 115(2), 118(1), 351(3), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

बालाघाट से तेंदूपत्ता संग्रहित करने आया था कुण्डम

लू लगने से बिगड़ी तबियत और चल बसा आत्माराम

जबलपुर। जिले के देहात थाना कुण्डम के ग्राम करौंदी में तेंदूपत्ता बीनने आए बालाघाट के युवक आत्माराम नेवारे की लू लगने से मौत हो गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए शासकीय अस्पताल पहुंचाकर मर्ग कायम कर लिया है। पुलिस के मुताबिक पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही युवक की मौत के कारण का स्पष्ट पता चल सकेगा।

इस संबंध में कुंडम पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम रामप्याली जिला बालाघाट निवासी आत्माराम नेवारे गांव के ईश्वर दयाल महार सहित अन्य लोगों के साथ 8 मई को जबलपुर के कुण्डम में बीड़ी के लिए तेंदूपत्ता एकत्र करने के लिए आया था। यहां पर सभी लोग ग्राम करोंदी के आंगनबाड़ी केंद्र में रुके थे। बीते दिन तेंदूपत्ता बीनते वक्त आत्माराम की लू लगने से तबियत बिगड़ गई। इसके बाद आत्माराम को सभी लोग ठीहे पर लेकर आए। यहां तबियत खराब होने के कारण आत्माराम ने खाना भी नहीं आया और सो गया। कुछ देर बाद फिर हालत बिगडने पर उसे एम्बुलेंस से कुण्डम के शासकीय अस्पताल पहुंचाया गया जहां पर डाक्टरों ने जांच के बाद आत्माराम को मृत घोषित कर दिया। घटना की खबर मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए, जिन्होने शव को पोस्टमार्टम के लिए शासकीय अस्पताल पहुंचाकर मर्ग कायम कर लिया। पुलिस का कहना है कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का खुलासा हो पाएगा।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240